08- MAR- K&C- MAIN- Pg- 1_page1.qxd 3/9/2025 12:22 AM Page 1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

महादेव, अन्ना रेडी शुभ लाभ, क्रिकबेट 99 जैसी वेबसाइट्स पर सट्टा खेला जा रहा

भारत मास्टर्स और वेस्टइंडीज मास्टर्स के बीच खेला गया पहला मुकाबला

रायपुर। शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का 12वां मैच भारत मास्टर्स और वेस्ट इंडीज मास्टर्स के बीच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह और ब्रायन लारा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को देखने के लिए हजारों की संख्या में दर्शक स्टेडियम पहुंचे। इंडिया मास्टर्स के कप्तान सचिन तेंदुलकर ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से खिलाड़ियों का परिचय कराया। मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उन्हें बधाई दी।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के नाम पर देशभर में चल रहा सट्टे का बड़ा खेल

रायपुर में मैच शुरू होने से पहले ही सट्टा, टॉस पर ही लगा दोगुना दांव, हर चौके और छक्के पर लगे भाव

ललित राठोड़/रायपुर । राजधानी के शहीद वीर नारायण स्टेडियम में इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का पहला मैच हुआ। महादेव सट्टा एप के लिए चर्चित छत्तीसगढ़ मास्टर्स लीग में भी अछूता नहीं रह पाया। हरिभूमि की पड़ताल में दर्जनभर एप मास्टर्स लीग में सट्टा खिलाते पाए गए। शाम सात बजे टॉस होने से पहले ही दांव लगने शुरू हो गए। इंडिया मास्टर्स बेटिंग करेंगे या वेस्टइंडीज, पर हजार रुपए लगाने पर दो हजार दिया जा रहा था। मैच शुरू ▶▶|शेष पेज 6 पर

हरिभूमि खास

हर मिनट बदलता रहा सट्टे का रेट

हरिभूमि संवाददाता ने भी लीग मैच पर सट्टा लगाकर पड़ताल की। मैच शुरू होने से पहले भारत का भाव 1.38 था, जबकि वेस्टइंडीज का भाव 3.55 था, जो शुरू होने बाद बढ़ता गया। पहले पांच ओवर में वेस्टइंडीज पर 100 रुपये लगाने पर लगभग 150 से 170 तक ▶▶|शेष पेज 6 पर

वेबसाइट में सट्टेबाजों ने लगाया भाव

मास्टर्स लीग मैचों के सट्टेबाजी का कारोबार अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी तेजी से बढ़ता जा रहा है। महादेव, अन्ना रेडी शुभ लाभ, क्रिकबेट 99 जैसी वेबसाइट्स पर सट्टा खेला जा रहा है, जो सट्टेबाजों के बीच प्रमुख रूप से लोकप्रिय हैं। ये वेबसाइट्स कुछ देश में और कुछ विदेशी सट्टेबाजों द्वारा संचालित होती हैं। सट्टेबाजों का एक बड़ा वर्ग इन वेबसाइट्स पर पैसे लगाते है और मैच शुरू होने से पहले ही वेबसाइट्स पर भाव दिखाई देने लगते हैं।

रायपुर में 16 मार्च तक मास्टर्स लीग के मैच

मास्टर्स लीग के आगामी मैचों को लेकर शहर में सट्टेबाज सक्रिय हो गए हैं। 16 मार्च तक होने वाले इस लीग के कुल 6 मैच होंगे, जिनमें सेमीफाइनल और फाइनल भी इसी दौरान खेले जाएंगे। इस आयोजन को लेकर ऑनलाइन और शहर ▶▶|शेष पेज 6 पर

पीडितों के गांव पहुंची टीम हरिभूमि, वहां के हालात बयां कर रहे है उनकी मजबूरी और बेबसी

दोनों के पिता की मौत, परिवार कबाड़ी

दोनों नाबालिग के पिता की मौत हो गई है, पूरा परिवार कबाड़ी का काम कर भरण पोषण करता है। काफी गरीब तबके का दोनों का परिवार है। बिहार पुलिस की खबर जैसे ही न्यूज पर आने लगी थनौद की बेटियों की खबर परिजन खासे परेशान हो रहे थे। लेकिन जब अंजोरा पुलिस परिवार के घर जानकारी लेने गई। तब परिवार ने राहत की सांस ली।

बिहार के रोहतास में थाना नटवार। बचपन बचाओ समिति एक संगठन ने पुलिस को खबर दी कि बड़ी संख्या में नाबालिगों से डांस और देह व्यापार जैसे कार्य कराए जा रहे हैं। पुलिस ने छापेमारी की, 45 लड़कियों को रेस्क्यू किया गया। प्रारंभिक जांच में इनमें से 41 नाबालिक छत्तीसगढ़ की निकलीं। इनमें सबसे ज्यादा राजनांदगांव और उसके आसपास के इलाकों की थीं।

थनौद की दो नाबालिग मिलीं बिहार से अंजोरा पुलिस टीम लाने पहुंची बिहार

बेमेतरा के मारो में पहुंची टीम हरिभूमि, घर में ताला बंद, परिजन हुए गायब

रायपुर जिले की दो किशोरी बिलासपुर और भिलाई की भी नाबालिग पकड़ी गईं

बिहार में पकड़ी गई 41 नाबालिग छत्तीसगढ़ के 14 जिलों की

किसी ने कहा आर्केस्ट्रा में डांस करने भेजी

कोई बोला मजबूरी थी, क्या करते

भिलाई से जे.एम. तांडी/बेमेतरा से अमीन पप्पू रवानी/जांजगीर-चांपा की रिपोर्ट

हरिभूमि को जो लिस्ट मिली उसके आधार पर उनके गांव तलाश किए। बेमेतरा के मारो, भिलाई के थनौद और जांजगीर में उन नाबालिगों के गांव तलाश किए जहां से वे गईं या ले जाई गईं। सभी जगह एक बात सामान्य थी, उनकी मजबूरी। थनौद की एक नाबालिग के पिता की मौत हो चुकी है। पूरा परिवार कबाड़ी का काम करता है। काम की तलाश में नाबालिगों को भेज दिया गया।

हरिभूमि खास

रोहतास पुलिस के अनुसार 41 लड़कियां छत्तीसगढ़ सहित दूसरे राज्यों की रहने वाली हैं। इन्हें शादी समारोह में नाचने के लिए लाया गया था। एसपी रोशन कुमार ▶▶|शेष पेज 6 पर

टीम रवाना हो गई है

बिहार दोनों को लाने के लिए पुलिस टीम को भेजा गया है। उनके आने के बाद ही पूछताछ किया जाएगा। सारी जानकारी उनके आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। परिजनों से पुलिस संपर्क कर जानकारी लिया है। दोनों सुरक्षित है।

जितेन्द्र शुक्ला, एसपी दुर्ग

मारो में हरिभूमि से ग्रामीणों ने कहा-बिहार आना-जाना लगा रहता है

बेमेतरा जिले के मारो नगर पंचायत क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग लड़की की बरामदगी बिहार में की गई है। हरिभूमि टीम मारो में बालिका के घर पहुंची, पता चला कि उसके माता-पिता बिहार बालिका को लाने गए हुए हैं। मारो थाना के प्रभारी एसआई जितेंद्र कश्यप ने करते हुए बताया कि लड़की के माता पिता को वहां की पुलिस ने जांच और जानकारी लेने बुलाया है। यहां भी उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में तहकीकात की जा रही है। आसपास के लोगों ने कहा कि परिवार के लोग बिहार आते जाते रहते हैं। उन्हें यह बताया गया है कि वे कलाकारी करने और नाचने ▶▶|शेष पेज 6 पर

दीदी-जीजा के यहां बच्चा संभालने गई थी

पुष्पांजली (बदला नाम) के परिजनों ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व के बाद बिहार में रहने वाले उसके दीदी जीजा के घर गई हुई थी। उसकी दीदी पहले बिहार में आर्केस्ट्रा में जाया करती थी। वहां लड़का पसंद आ गया और वहीं शादी कर ली। दीदी जीजा के बच्चे का जन्म के बाद उसे संभालने पुष्पांजलि वहां गई थी। पुष्पांजलि बिहार जाने के बाद परिवार से मोबाइल पर संपर्क पर रहती थी लेकिन जब से यह खबर मिली है उसके बाद से ज्यादा ▶▶|शेष पेज 6 पर

इन जिलों की हैं नाबालिग

- रेंगाकठेरा, डोंगरगढ़ 1
- डोंगरगढ़ 1
- राजनांदगांव 1
- सरगिट्टी सिनपहरी 1
- जांजगीर 3
- मारो 1
- थनौद दुर्ग 2
- दामाखेत, मुंगेली 1
- सरगांव, मुंगेली 2
- पाली, कोरबा 1
- लोरमी, मुंगेली 1
- अर्जुनी, बलौदा बिलासपुर 1
- भाठापारा, बलौदाबाजार 2
- राजाडीह, बलौदाबाजार 2
- रायपुर, 2
- रानीतरई 1

तीन लड़के भी मिले हैं, जिसमें एक चिचोला, एक दुर्ग और एक सोमनी का है।

खुलासे के बाद कहा नष्ट की, बैठी तगड़ी जांच

छग से वापस गई 13 करोड़ की 50 ट्रक एक्सपायरी बीयर, एमपी में बेच दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/भोपाल

छह महीने पहले छत्तीसगढ़ से मध्यप्रदेश वापस भेजी गई 13 करोड़ 22 लाख की एक्सपायरी डेट की बीयर को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। विभाग के अफसरों ने मिलीभगत कर इसे मध्यप्रदेश की शराब दुकानों से बिकवा दिया, मदिरा प्रेमी रायसेन स्थित सोम कंपनी में बनाई गई हंटर कंपनी की एक्सपायरी डेट की गटक गए। मामले का खुलासा होने के बाद रायसेन के जिला आबकारी अधिकारी ने 21 जनवरी 2025 को उक्त बीयर को नष्ट करने की जानकारी दे दी। आयुक्त आबकारी अभिजीत अग्रवाल का कहना है कि बिना अनुमति के छग से बीयर वापस लाने पर जिला प्रभारी अधिकारी को नोटिस दिया गया था। इस मामले की जांच की जा रही है।

मध्यप्रदेश से सोम कंपनी की हंटर बीयर 50 ट्रक में भरकर छत्तीसगढ़ भेजी गई थी। जिसमें 55 हजार 90 पेटी बीयर एक्सपायर होने से इसे सितंबर 2024 में मप्र वापस भेज दिया गया। जबकि छत्तीसगढ़ से मप्र बीयर लाने के लिए आबकारी आयुक्त की परमिशन भी नहीं ली गई।

आबकारी विभाग ने 4 करोड़ 20 लाख की बीयर को नष्ट करना बताया

आयुक्त आबकारी ने रायसेन के प्रभारी अधिकारी को दिया नोटिस

खास खबर

वापसी का प्रावधान नहीं

आबकारी एक्ट में निर्यात बीयर वापस लाने का कोई प्रावधान नहीं है। मप्र से निर्यात की गई बीयर सोम डिस्टलरी में किसकी परमिशन से ली गई, या तस्करी करके लाई गई, भाड़ा किसने दिया, वाहन कौन से थे, बिना अनुमति बड़ी संख्या में बीयर डिस्टलरी के अंदर प्रवेश कैसे करवा दी गई। इस सवालों के गोलमाल जवाब दिए जा रहे हैं। सोम कंपनी के मालिक जगदीश अरोरा से मोबाइल पर काल कर बात करने पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला।

बीयर नष्ट करने में गोलमाल

रायसेन के प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी ने बीयर वापस आने के चार महीने बाद 21 जनवरी 2025 को अचानक से इस बीयर को नष्ट करने की प्रेस रिलीज जारी कर दी। मामले की जानकारी जब आबकारी आयुक्त को लगी तो उन्होंने रायसेन के प्रभारी जिला आबकारी ▶▶|शेष पेज 6 पर

जांच की जा रही है

आयुक्त आबकारी अभिजीत अग्रवाल का कहना है कि बिना अनुमति के छत्तीसगढ़ से बियर वापस लाने पर जिला प्रभारी अधिकारी को नोटिस दिया गया था। इस मामले की जांच की जा रही है।

ऐसे पकड़ में आई गड़बड़ी

बकारी विभाग ने नष्टीकरण की गई बियर की कीमत चार करोड़ 20 लाख रुपए बताई। जबकि इसकी कीमत 13 करोड़ 22 लाख रुपए से अधिक है। सोम की हंटर ब्रांड बियर की बाजार कीमत 220 रुपए प्रति बोतल के करीब है। यदि औसत एक बोतल की कीमत 200 रुपए भी मान ली जाए तो एक पेटी में 12 बियर की बॉटल होती हैं, जिससे इसकी कीमत 24 सौ रुपए हो गई। इस तरह 55 हजार 90 पेटी की कीमत 13 करोड़ 22 लाख रुपए से अधिक होती है। विभाग ने जानबूझकर नष्टीकरण की गई बियर की कीमत को आधे से भी कम दिखाया है।

कवर्धा में भीषण हादसा

पिकअप पलटी, दो की मौत, 30 घायल

कवर्धा। कबीरधाम जिले के कवर्धा थाना क्षेत्र में शनिवार को सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। 30 से अधिक लोग घायल हो गए जिनमें कई हालत गंभीर बताई जा रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को जिले सिंघनपुरी थाना क्षेत्र के ग्राम सिंघनपुरी से करीब 50 की संख्या में महिला, पुरुष, युवा तथा बच्चे एक पिकअप वाहन में सवार होकर चौथिया लेने सहसपुर लोहारा जा रहे थे। बताया जाता है कि इसी दौरान ग्रामीणों से खचाखच भरी पिकअप वाहन, चालक की लापरवाही तथा तेज रफ्तार के चलते पलानीपाट नामक स्थान में अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना के बाद मौके पर चींख पुकार मच गई।

08- MAR- COR- MAIN- Pg- 2 D-VIDESH_Layout 1 3/8/2025 10:12 PM Page 1

मणिपुर में फ्री ट्रैफिक मूवमेंट के पहले दिन ही भारी हिंसा

उपद्रवियों ने जलाए कई वाहन, सुरक्षा बलों से झड़प... एक की मौत, कई घायल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मणिपुर में कुकी और मैतेई बहुल इलाकों में करीब 2 साल बाद फ्री ट्रैफिक मूवमेंट शुरू होते ही हिंसा भड़क उठी। इंफाल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, विष्णुपुर और सेनापति को जोड़ने वाली सड़कों पर शनिवार को जैसे ही बसें चलनी शुरू हुईं, कुकी समुदाय के लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया।

सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में एक पुरुष प्रदर्शनकारी की मौत हो गई, जबकि 25 अन्य घायल हैं। मृतक की पहचान लालगौथांग सिंगसिट (30 साल) के रूप में हुई है। लालगौथांग झड़प के दौरान गोली लगने से घायल हुआ था। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

कुकी बहुल इलाके में सुरक्षा बलों से भिड़े प्रदर्शनकारी

बसों, कारों में लगा दी आग

सुरक्षाबलों के पैलेट गन इस्तेमाल करने की खबर प्रदर्शनकारियों ने आवाजाही रोकने के लिए सड़कों पर पत्थर बिछा दिए। सड़कों पर पेड़ काटकर गिरा दिए। कई जगह गाड़ियां खड़ी कर सड़कें रोक दीं। बसों, कारों में आग लगा दी। हिंसा कर रहे लोगों को रोकने के लिए सुरक्षाबलों ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। जवाब में प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी की। सुरक्षाबलों की ओर से पैलेट गन का इस्तेमाल होने की भी खबर है। कुछ तस्वीरों-वीडियोज में घायलों के शरीर पर पैलेट गन के छर्रों के निशान दिख रहे हैं। इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इंफाल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, विष्णुपुर और सेनापति इलाकों में जा रही सरकारी बसों को सीआरपीएफ और स्थानीय पुलिस की सुरक्षा में चलाया गया। इसके अलावा रेड जोन वाले इलाकों में जगह-जगह सुरक्षाबलों की तैनाती की गई।

13 फरवरी से लगाया गया राष्ट्रपति शासन

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने उपद्रवियों से सभी लूटे गए हथियार सरेंडर करने को कहा था। अब तक 500 से ज्यादा हथियार सरेंडर किए जा चुके हैं।

अब भारत के रूस से हथियार खरीदने पर भी अमेरिका को आपत्ति

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

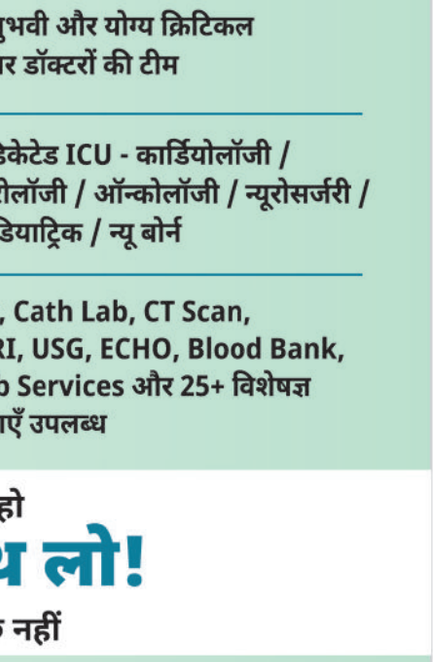

टैरिफ को लेकर अमेरिका का कई देशों से विवाद चल रहा है। डोनाल्ड ट्रंप रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने पर अड़े हुए हैं। इसके चलते कई देशों से संबंधों में खटास आई है। उन्होंने भारत के साथ भी खुलकर टैरिफ को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। अब ट्रंप सरकार के एक मंत्री ने भारत द्वारा रूस से हथियार खरीदने पर भी आपत्ति जता दी है।

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने भारत से रूसी सैन्य हथियारों पर अपनी निर्भरता समाप्त करने को कहा है और तर्क दिया है कि ऐसा कदम भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए जरूरी है। एक न्यूज चैनल से बातचीत में लुटनिक ने कहा, 'भारत ने ऐतिहासिक रूप से रूस से अपने सैन्य उपकरणों की काफी अधिक मात्रा खरीदी है और हमें लगता है कि यह ऐसी चीज है जिसे खत्म करने की जरूरत है।' बता दें, रूस से हथियारों को खरीदना अमेरिका को काफी समय से पसंद नहीं आ रहा है। ट्रंप ने इस साल की शुरुआत में पीएम मोदी से फोन पर बातचीत के दौरान भी इस मुद्दे को उठाया था।

भारत हम पर बहुत ज्यादा शुल्क लगाता है

ट्रंप ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय) से दिए बयान में कहा, 'आर्थिक, वित्तीय और व्यापारिक दृष्टिकोण से हमारे देश को दुनिया के लगभग हर देश ने पूरी तरह से ठगा है।' उन्होंने कहा, 'कनाडा, मेक्सिको और फिर आप सीधे लाइन में चले जाइए। भारत हम पर बहुत ज्यादा शुल्क लगाता है, बहुत ज्यादा।

बिलासपुर, रविवार 9 मार्च 2025 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष दशमी | वर्ष : 23, अंक : 345 | पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

यहां लाल पानी ने बनाई मुसीबत

गरियाबंद के पहाड़ी के ऊपर बसे जनजाति बसाहवट वाले ग्राम पंचायत ओड़, आमामोरा में दो दर्जन से ज्यादा हैंडपंप मौजूद है, लेकिन अधिकांश में लाल आयरनयुक्त पानी निकलता है। गर्मी के दिनों में तेजी से नदी नाले सूखने व जल स्तर ▶▶| शेष पेज 6 पर

खेती किसानी के साथ ही साथ पेयजल संकट गहराने लगा, वनांचल क्षेत्र में लाल पानी भी बड़ी समस्या

मार्च में ही सूखे हलक, रसातल में चला गया पानी, कई जगह भीषण जल संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/ सड़क अतरिया/ मैनपुर/ बेमेतरा/ धमतरी/ भिलाई

होली से पहले ही गर्मी ने ऐसे तेवर दिखाए हैं कि पंखे ही नहीं, शहरों में कूलर और एसी चलाने पड़ रहे हैं। धरती तप रही है और नदियां सूख रही हैं। हाल ऐसा है कि कई जिलों में अभी से भीषण जल संकट शुरू हो गया है। वनांचल इलाकों में रहने वाले लोग झरिया का पानी पीने को मजबूर हैं। वहीं, कई इलाकों में आयरन युक्त पानी निकलने से भी लोगों की परेशानी बढ़ी है। इसके कारण यहां लोग भू-जल स्रोत का पानी चाहकर भी नहीं पी रहे हैं। हरिभूमि टीम ने जल संकट ▶▶| शेष पेज 6 पर

भिलाई में किसानों की बढ़ी चिंता

भिलाई में भू-जल स्तर लगातार तेजी से घट रहा है। यहां हैंडपंप का जलस्तर भी काफी नीचे चला गया है। भूवैज्ञानिक डॉ. एनके त्रिपाठी का कहना है कि बदलते हुए मौसम की वजह से भू-जल गिरना चिंता का विषय है। दुर्ग जिले में अब तक की बारिश को सामान्य माना गया है, लेकिन ग्रीष्म ऋतु के दस्तक के साथ ही जिले ▶▶| शेष पेज 6 पर

बेमेतरा में खेती-किसानी पर संकट के बादल

बेमेतरा जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के लिए करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है। शहर में बोर पंप पूरी तरह से ठप हो गए हैं, जिसके चलते पानी टैंकर से जलापूर्ति की जा रही है। जानकारी अनुसार शहर में वाटर लेबल 300 फीट तक नीचे चला ▶▶| शेष पेज 6 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

ईडी ने हैदराबाद में जब्त किया प्राइवेट जेट

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय ने हैदराबाद की कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत लगभग 14 करोड़ रुपए मूल्य का एक निजी विमान (जेट) जब्त किया है। इन प्रवर्तकों पर पोंजी 'घोटाला' करने और कई निवेशकों से कथित तौर पर करोड़ों रुपए ठगने का आरोप है। धनशोधन का यह मामला फाल्कन ग्रुप, इसके मुख्य प्रबंध निदेशक अमर दीप कुमार और कुछ अन्य के खिलाफ स्थानीय पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी से सामने आया है। इस विमान का उपयोग करके कुमार देश से फरार हो गया था। आरोपों पर प्रतिक्रिया के लिए उनसे या उनकी कंपनी से तत्काल संपर्क नहीं किया जा सका।

एसयूवी पलटने से दो की मौत, छह घायल

मुंबई। मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे पर एसयूवी पलटने और उसे पीछे से वाहन के टक्कर मारने से दो लोगों की मौत हो गई जबकि छह अन्य घायल हो गए। दुर्घटना सुबह करीब नौ बजे उस समय हुई, जब वाहन यवतमाल से श्रद्धालुओं को लेकर शिर्डी की ओर जा रहा था। वाहन का एक टायर फटने से वह अनियंत्रित होकर पलट गया और इसी दौरान पीछे से आ रही एक कार ने भी वाहन को टक्कर मार दी।

हिजबुल मुजाहिदीन का ईनामी आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश पुलिस की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन का फरार सक्रिय सदस्य गिरफ्तार कर लिया है। आतंकी 25 हजार का ईनामी है और कश्मीर के पूंछ जिले के रहने वाला है। एटीएस ने बताया कि आतंकी का नाम उल्फत हुसैन उर्फ मोहम्मद सैफुलस्लाम उर्फ अफजाल उर्फ हुसैन मलिक है। यूपी एटीएस ने बताया कि हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी को मुरादाबाद से गिरफ्तार किया है। ये साल 2002 से फरार चल रहा था। उल्फत हुसैन ने हिजबुल मुजाहिदीन के पाक अधिकृत कश्मीर में स्थित सेंटर में ट्रेनिंग ली थी, उसके बाद वो मुरादाबाद में एक बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने के लिए पहुंचा था। इससे पहले 9 जुलाई 2001 को उल्फत हुसैन को एक AK 47, एक AK56, दो पिस्टल, 12 हैंड ग्रेनेड, 50 डेटोनेटर, 29 किलो विस्फोटक और 507 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, जमानत पर छूटने के बाद वो फरार गया था। मुरादाबाद कोर्ट से उसके खिलाफ वारंट जारी हुआ था।

प्रदेश में निजी उत्पादक कर रहे हैं 13 हजार मेगावाट से ज्यादा का उत्पादन

निजी क्षेत्र में बिजली उत्पादन में छत्तीसगढ़ देश में नंबर वन, महाराष्ट्र-गुजरात भी हमसे पीछे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ को बिजली उत्पादन के मामले में देश में नंबर वन है। हालांकि यह उत्पादन निजी कंपनियां कर रही हैं। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी की उत्पादन क्षमता तीन हजार मेगावाट के आस-पास है, लेकिन निजी क्षेत्र में थर्मल संयंत्रों से छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा 13 हजार मेगावाट से भी ज्यादा बिजली पैदा होती है। अडानी ग्रुप भी अब करीब पांच हजार मेगावाट बिजली पैदा करने की तैयारी में है। उत्पादन क्षमता के आधार पर छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र में बिजली उत्पादन के मामले में देश में नंबर वन है। महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में भी निजी क्षेत्र में अपने राज्य से कम बिजली पैदा होती है।

छत्तीसगढ़ को देश में बिजली के मामले में अव्वल माना जाता है। यहां पर बिजली की कटौती बहुत कम होती है। उपभोक्ताओं को लगातार बिजली मिलती है। यहां पर उपभोक्ताओं की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। इस समय प्रदेश में 65 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ता हैं। यहां पर उद्योगों को भी लगातार बिजली मिलती है। बहुत कम मौकों पर उद्योगों की बिजली कट होती है।

छत्तीसगढ़ में 65 लाख से अधिक उपभोक्ता, प्रदेशभर में लगातार मिल रही बिना कटौती की बिजली

आंकड़े मेगावाट में

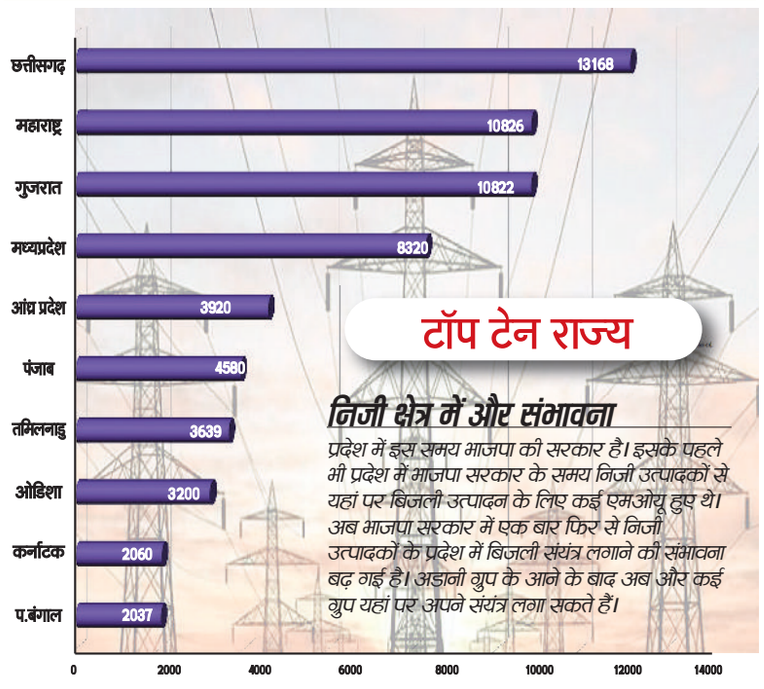

निजी क्षेत्र में और संभावना

प्रदेश में इस समय भाजपा की सरकार है। इसके पहले भी प्रदेश में भाजपा सरकार के समय निजी उत्पादकों से यहां पर बिजली उत्पादन के लिए कई एमओयू हुए थे। अब भाजपा सरकार में एक बार फिर से निजी उत्पादकों के प्रदेश में बिजली संयंत्र लगाने की संभावना बढ़ गई है। अडानी ग्रुप के आने के बाद अब और कई ग्रुप यहां पर अपने संयंत्र लगा सकते हैं।

पॉवर कंपनी की क्षमता कम

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी की उत्पादन क्षमता 2960 मेगावाट है। वैसे बिजली की खपत प्रदेश में अब छह हजार मेगावाट से ज्यादा है। बिजली की पूर्ति करने के लिए पॉवर कंपनी सेंट्रल सेक्टर से बिजली लेती है। इसी के साथ प्रदेश के निजी उत्पादक जो बिजली पैदा करते हैं, उसमें से पांच फीसदी बिजली लागत मूल्य पर भी देने का प्रावधान है। पॉवर कंपनी भी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए काम कर रही है। करीब 14 हजार मेगावाट की नई योजनाओं पर काम चल रहा है। कोरबा में 660 मेगावाट के दो संयंत्रों लगने हैं। इस पर इसी साल से काम प्रारंभ हो जाएगा।

छग में 24 हजार मेगावाट का उत्पादन

छत्तीसगढ़ थर्मल संयंत्रों से देश के कुल बिजली उत्पादन के मामले में दूसरा बड़ा राज्य है। यहां राज्य, निजी एवं सेंट्रल सेक्टर से कुल करीब 24 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है। इसमें राज्य सरकार के विद्युत संयंत्रों की क्षमता 2960 मेगावाट है। सेंट्रल सेक्टर के संयंत्रों से 7680 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। जबकि निजी सेक्टर की बिजली उत्पादन क्षमता 13168 मेगावाट है।

16 सौ मेगावाट के तीन संयंत्र अडानी के

निजी क्षेत्र में अब अडानी ग्रुप भी करीब पांच हजार मेगावाट के प्लांट तैयार करने में लगा है। खरोरा, कोरबा और रायगढ़ में अडानी ग्रुप के प्लांट हैं। इनमें 16-16 सौ मेगावाट के प्लांट लगाए जा रहे हैं। इससे 48 सौ मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। खरोरा में पहले जो जीएमआर का प्लांट था, उसका अडानी ग्रुप ले लिया है।

कांग्रेस नेता ने अपनों को सुनाया

राहुल ने कहा- आधे नेता भाजपा के साथ मिले

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। यहां उनका गुस्सा सातवें आसमान पर दिखा है। उन्होंने अपनी ही पार्टी को निशाने पर लिया है। राहुल ने यहां तक कह दिया है कि 10 से 40 लोगों को निकालना पड़ेगा तो निकाल दो। उन्होंने यह भी कहा कि आधे लोग तो भाजपा से मिले हुए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मैं गुजरात के युवाओं, किसानों, छोटे व्यापारियों और अपनी बहनों के लिए आया हूं। मैंने खुद से पूछा कि मेरी और कांग्रेस पार्टी की क्या जिम्मेदारी है? पिछले 30 सालों से हम यहां सरकार में नहीं हैं। जब तक हम अपनी जिम्मेदारी को पूरा नहीं करेंगे, तब तक गुजरात की जनता हमें चुनाव में विजयी नहीं बनाएगी।

दो गुटों में बंट चुकी है कांग्रेस

राहुल गांधी ने कहा कि इस समय कांग्रेस दो गुटों में बंट चुकी है। एक गुट पार्टी के साथ खड़ा है, उसमें कांग्रेस की विचारधारा है, लेकिन जो दूसरा गुट है वो जनता से दूर है, वहां भी आधे लोग तो भाजपा से मिले हुए हैं। जब तक इन लोगों को अलग नहीं कर देते, गुजरात की जनता विश्वास नहीं करेगी।

कांग्रेस का गुजरात में प्रदर्शन

वैसे राहुल गांधी का ऐसा इसलिए बोलना पड़ा है क्योंकि पिछले कई विधानसभ चुनावों में कांग्रेस को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। पिछले चुनाव की बात करें तो भाजपा ने 156 सीटें जीतकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था, वही कांग्रेस ने सबसे खराब करते हुए मात्र 17 सीटें जीती थीं। इसके ऊपर कई नेताओं का पार्टी छोड़ देना भी कांग्रेस को राज्य में कमजोर कर गया है। ऐसे में अब राहुल गांधी पूरी कोशिश कर रहे हैं कि गुजरात कांग्रेस को फिर एकजुट किया जाए। वैसे अगर गुजरात में राहुल गरजे हैं, तो पीएम मोदी ने भी नवसारी में महिला शक्ति को सम्मानित किया है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियन बनने की जंग आज

एजेंसी ▶▶| दुबई

चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक अजेय चल रही भारतीय टीम रविवार को खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड का सामना करने उतरेगी। भारत ने पिछले साल टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। अब उसकी नजरें लगातार दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट जीतने पर टिकी होंगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप चरण का मुकाबला हुआ था जिसमें भारतीय टीम ने जीत दर्ज की थी। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इसी आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी।

■ रोहित शर्मा की अगुवाई में उतरेगी भारतीय टीम

जीत हार का रिकॉर्ड

भारत के लिए न्यूजीलैंड हमेशा कठिन चुनौती साबित हुआ है। आईसीसी टूर्नामेंटों में न्यूजीलैंड का उसके खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 10-6 का है। न्यूजीलैंड ने आईसीसी नॉकआउट चरण में भारत के खिलाफ चार में से तीन मुकाबले जीते हैं। अगर फाइनल उसी पिच पर खेला जाता है जहां भारत और पाकिस्तान का मैच हुआ था तो चार स्पिनर गेंदबाज फिरकी के जाल में कीवी टीम को बुरी तरह फांस सकते हैं।

कॉलेज से घर जा रही बी कॉम की छात्रा का दिन दहाड़े अपहरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

शहर में अपराधियों के हौसले दिन प्रतिदिन बुलंद होते जा रहे है और पुलिस का खौफ ही इन अपराधियों से खत्म हो गया है। यही वजह है कि अपराधी दिन दहाड़े अपहरण जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे है।

शनिवार को भी कॉलेज से निकलकर घर जा रही बी कॉम की छात्रा का अपहरण कर लिया गया है। गौरव पथ से अपहरण की इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद मणिपुर थाना की पुलिस द्वारा घटना की जांच की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। फिलहाल पुलिस को अपराधियों के सम्बन्ध में कोई सुराग नहीं मिल पाया है। बताया जा रहा है कि बौरीपारा में रहने वाली युवती शासकीय राजमोहिनी देवी कन्या महाविद्यालय में बी कॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा है। छात्रा प्रतिदिन की तरह कॉलेज समाप्त होने के बाद शाम को 5.30 बजे घर जाने के लिए निकली थी। बताया जा रहा है कि इसी दौरान कॉलेज के बाहर गौरवपथ पर कुछ अज्ञात युवकों ने छात्रा का अपहरण कर लिया। छात्रा के अपहरण की शिकायत परिजन ने पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद मणिपुर थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा छात्रा के परिजन का बयान दर्ज करने के साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है लेकिन फिलहाल पुलिस को अपराधियों के संबंध में कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस को फिलहाल आरोपियों के सम्बन्ध में कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

चल रही जांच

गर्ल्स कॉलेज के बी कॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा घर लौट रही थी। इस दौरान अज्ञात तीन से चार व्यक्तियों द्वारा अपहरण किया है। परिजन की सूचना पर पुलिस द्वारा जांच की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया है।

- अमोलक सिंह ढिल्लो
एएसपी सरगुजा

हरियाणा के युवक को ऑस्ट्रेलिया में 40 वर्ष कैद

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में पांच कोरियन महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में हरियाणा के रेवाड़ी निवासी बालेश धनखड़ को सिडनी की एक कोर्ट ने दोषी करार देते हुए 40 साल की सजा सुनाई है। सिडनी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज माइकल किंग ने धनखड़ को सजा सुनाते हुए कहा कि अपराधी का आचरण पूर्व नियोजित, सुनियोजित, चालाकी पूर्ण और अत्यधिक हिंसक था। उसने दिखाया कि यौन संतुष्टि की उसकी इच्छा प्रत्येक पीड़ित के प्रति पूर्ण और कठोर उपेक्षा में थी।

आधी रात को मोबाइल टॉर्च की रोशनी में खेतों की खुदाई

अफवाह उड़ी, सोने की खोज में खोदे खेत

अशोक सोनी ▶▶| बुरहानपुर

मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिला मुख्यालय से इंदौर-इच्छापुर राज्य मार्ग हाइवे पर खंडवा रोड पर ऐतिहासिक असीरगढ़ का किला से लगे खेतों में आधी रात को सोने के सिक्के ढूंढने के लिए ग्रामीण खुदाई करते नजर आ रहे हैं। सैकड़ों लोगों की भीड़ आधी रात को मोबाइल टॉर्च की रोशनी में खेतों को खोद रही है। पुलिस को सूचना मिलते निम्बोला पुलिस दिन में गई तो खेत में गड्ढे मिले ना कि सोने के सिक्के। हालांकि पुलिस जांच की बात कर रही है।

मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूरी पर इंदौर इच्छापुर हाइवे पर खण्डवा रोड पर ऐतिहासिक असीरगढ़ किले के लिए मशहूर असीर गांव आजकल खजाने के लिए खेतों में हो रही खुदाई के लिए काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। चार महीने पहले यहां खेतों में खजाना सोने के सिक्के होने की अफवाह फैलने पर लोगों ने यहां खेत की खुदाई की थी। अब पिछले तीन दिन से फिर

जांच करवाएंगे : बुरहानपुर जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार से इस बारे में मीडिया ने पूछा तो बताया कि आप लोगों ने बात संज्ञान में लाई है। जांच करवाते हैं। खुदाई करते कोई मिलता है, तो कार्यवाही करेंगे।

यहां खुदाई करने का वीडियो सोसल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें सैकड़ों लोगों की भीड़ आधी रात को मोबाइल टॉर्च के उजाले में खेतों को खोद रही है। दावा है कि यहां सोने के सिक्के मिल रहे हैं। वहीं वीडियो सामने आने पर गुरुवार दोपहर निंबोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। यहां लोग तो नहीं मिले लेकिन हर तरफ खोदे गए गड्ढे नजर आए। देश में पहचान रखने वाले असीरगढ़ किले का एक बड़ा इतिहास रहा है। उसके आसपास खेत मे लोग खजाने की खोज के लिए खेतों में खुदाई कर रहे हैं। कुछ माह पहले भी यहां से ऐसी ही तस्वीरें सामने आई थीं। तब भी पुलिस प्रशासन ने इससे इनकार किया था। अब एक बार फिर अफवाह के बाद यहां खुदाई के वीडियो सामने आए हैं। पुलिस इसे भी पुराने गड्ढे बता रही है। लेकिन जो वीडियो और तस्वीरें सामने आ रही है, इससे साफ है कि कुछ दिन में ही यहां खुदाई हुई है। देश में अलग पहचान रखने वाले असीरगढ़ किले का एक बड़ा इतिहास रहा है।

खेत से निकल रहे सोने के सिक्के

बुरहानपुर जिले के असीरगढ़ निवासी वसीम खान ने बताया कि हारून सेठ का खेत है। यहां सोने के सिक्के निकल रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है शाम 7 बजे बाद से खेतों में लोग पहुंच जाते हैं। रात 3 बजे भीड़ खुदाई करने पहुंच रही है। इसके चलते खेत मालिक भी परेशान है।

फिल्म छावा देखकर पहुंची भीड़

दावा किया जा रहा है कि छावा फिल्म देखने के बाद अचानक यहां भीड़ आई और सोने के सिक्कों की तलाश करने लगी। मूवी में यह बात बताई गई है कि मुगलों ने मराठा से सोना और खजाना लूट कर असीरगढ़ किले में कहीं गाड़ दिया था। इन वीडियो में सैकड़ों लोगों की भीड़ आधी रात को मोबाइल टॉर्च के उजाले में खेतों को खोद रही है।

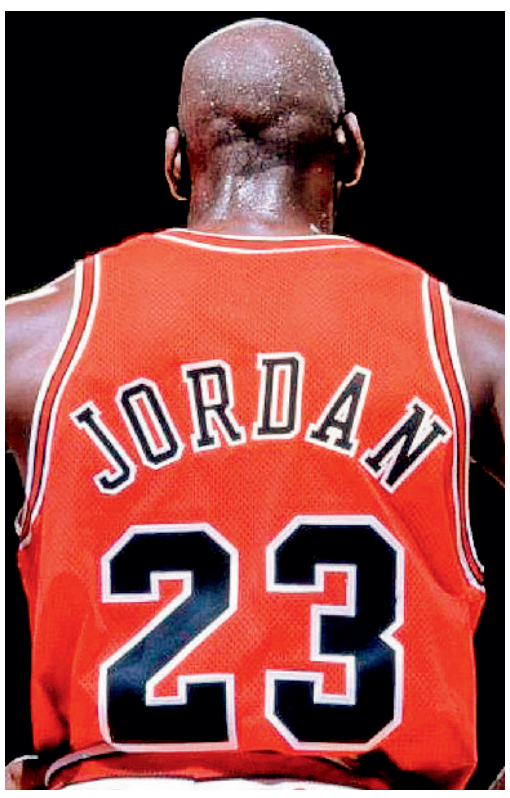

माइकल जॉर्डन और कोबी ब्रायंट की जर्सी होंगी नीलाम, अनुमानित कीमत 100 करोड़ से भी अधिक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

माइकल जॉर्डन और कोबी ब्रायंट बास्केटबॉल के वो दिग्गज खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अपने कौशल के जरिए दुनियाभर में नाम कमाया है। रिटायरमेंट के बाद भी बच्चा-बच्चा जॉर्डन का नाम जानता है और उनकी प्रशंसा करता है। वहीं, कोबे के निधन के बाद भी वह लोगों के दिलों में जिंदा हैं और उन्हें प्रेरित कर रहे हैं। इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की बेहद खास जर्सी जल्द ही नीलाम होने वाली हैं। आइए इस नीलामी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कब और कहां होने वाली है इनकी नीलामी?

अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित सोथबी नामक नीलामीघर इस खास नीलामी का आयोजन करवा रहा है। जानकारी के मुताबिक, जॉर्डन की जर्सी को खरीदने के लिए लोग 12 मार्च से बोली लगा सकेंगे। वहीं, कोबे की जर्सी की नीलामी 1 अप्रैल से शुरू होगी। इन दोनों जर्सी की खासियत यह है कि दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने करियर के पहले एनबीए मैच के दौरान इन्हें पहना था। अनुमान है कि दोनों जर्सी की संयुक्त कीमत करीब 100 करोड़ रुपये तक जाएगी।

कोबे ने इस जर्सी से ही की थी करियर की शुरुआत

इस नीलामी में उपलब्ध कोबे की लॉस एंजिल्स लेकर्स टीम की जर्सी भी बेहद दुर्लभ है। नंबर 8 वाली इस जर्सी को उन्होंने पहले **NBA** मीडिया डे के दौरान पहना था। इसके अलावा, इसे अक्टूबर 1996 में उनके प्रीसीजन डेब्यू और उसके अगले महीने रेगुलर-सीजन डेब्यू के दौरान भी पहना गया था। इस जर्सी को पहनकर ही कोबे ने अपने बास्केटबॉल करियर की शुरुआत की थी और कई यादगार खेल भी खेले थे।

जॉर्डन ने 1984 में पहनी थी यह जर्सी

जॉर्डन ने यह जर्सी 5 अक्टूबर 1984 को पहनी थी, जब वह शिकागो बुल्स की तरफ से अपना पहला मैच खेल रहे थे। इस जर्सी पर 23 नंबर छपा हुआ है और जॉर्डन का नाम भी लिखा हुआ है। खेल संबंधी यादगार वस्तुओं की प्रमाणिकता और बिक्री में विशेषज्ञता रखने वाली कंपनी मेइग्रे ने जॉर्डन की 130 जर्सियों की जांच की। हालांकि, केवल 4 ही असली पाई गईं, जिनमें से एक नीलामी के लिए उपलब्ध होने वाली है।

जनता को भी मिलेगा दोनों जर्सी को देखने का मौका

नीलामीघर द्वारा जारी की गई प्रेस रिलीज में कहा गया कि उन्हें उम्मीद है कि प्रत्येक जर्सी लगभग 87 करोड़ रुपये में बिकेगी। सोथबी के आधुनिक संग्रहणीय वस्तुओं के प्रमुख ब्रह्म वाचर ने कहा, माइकल जॉर्डन और कोबे ब्रायंट की पहली एनबीए जर्सी सिर्फ यादगार नहीं हैं। ये महत्वाकांक्षा, कौशल और इच्छाशक्ति का प्रतीक हैं। आपको जानकर खुशी होगी कि इन्हें 21 मार्च से सोथबी के न्यूयॉर्क स्थित मुख्यालय में जनता के लिए प्रदर्शित भी किया जाएगा।

कैसे की गई प्रमाणिकता की जांच?

बता दें कि दोनों जर्सी की प्रमाणिकता के लिए फोटो-मैच प्रशिक्षण किए गए थे। इनसे सामने आया कि दोनों जर्सी असली हैं। साथ ही, इससे यह भी पता चला कि उन्हें कब-कब पहना गया था।

रोचक खबरें

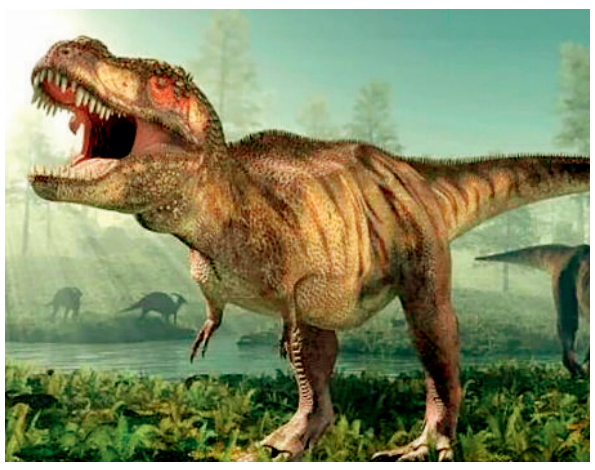

व्यक्ति ने खोज निकाला 10 करोड़ साल पुराने प्राचीन डायनासोर का पदचिह्न, अहम है

नई दिल्ली। डायनासोर लगभग 6.6 करोड़ वर्ष पहले क्रिटेशियस काल के अंत में विलुप्त हो गए थे। हालांकि, आज भी उनके अवशेष खोजे जाते हैं, जो जीवाश्म विज्ञानियों और खोजकर्ताओं के लिए बेहद अहम होते हैं। इसी कड़ी में अब इंग्लैंड के एक व्यक्ति को प्राचीन डायनासोर का करीब 10 करोड़ साल पुराना पदचिह्न मिला है। इसे जो थॉम्पसन नामक जीवाश्म विज्ञानी ने एक समुद्र तट पर ढूंढा है।आइए इस खोज के विषय में विस्तार से जानते हैं। थॉम्पसन के अनुसार, इगुआनोडोन डायनासोर के जीवाश्म पूरी दुनिया में कई जगहों पर मिलते रहते हैं।

समुद्र तट पर टहलते हुए मिला यह दुर्लभ पदचिह्न

वाइट कोस्ट फॉसिल्स के जीवाश्म गाइड और जीवाश्म विज्ञानी थॉम्पसन ने बताया कि वह कुछ जीवाश्म खोजने के इरादे से समुद्र तट की ओर निकले थे। इसी दौरान उन्हें आइल ऑफ वाइट पर यह दुर्लभ पदचिह्न दिखाई दिया। एक या 2 घंटे तक चलने के बाद उन्हें मिट्टी में एक बड़ी बैंगनी वस्तु दिखाई दी। देखते ही उन्हें एहसास हो गया कि वह इगुआनोडोन नामक डायनासोर का बहुत बड़ा पदचिह्न था।

दुनिया का इकलौता देश जहां नहीं है एक भी अस्पताल, कोई बच्चा नहीं लेता जन्म

नई दिल्ली। दुनिया में कई ऐसी अनोखी जगह हैं, जिनके बारे में बहुत सारे लोग नहीं जानते हैं। इनमें से एक ऐसा देश भी है, जहां पिछले 96 साल से एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ है। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि यहां पर एक भी अस्पताल नहीं है। यह बात चौंकाने वाला है, लेकिन यह बिल्कुल सच है। घर में बच्चों की किलकारी ना गूंजे, तो घर सूना-सूना लगता है। कई बार अपने बड़े बुजुर्गों से "हम दो, हमारे दो" वाली कहावत भी सुनी होगी, लेकिन इस देश में आजतक कोई बच्चा जन्म नहीं लिया, तो आप बहुत सारी बातों को सोचने पर मजबूर हो गए होंगे कि आखिर बीमार पड़ने पर लोग क्या करते होंगे। मन में यह भी सवाल उठ रहे यदि यहां पर अस्पताल नहीं है, तो क्या यहां के लोग बीमार नहीं पढ़ते होंगे। यदि कोई मेडिकल इमरजेंसी आ जाए तो फिर यहां क्या होता है। किसी बच्चे का जन्म नहीं हुआ है तो जनसंख्या वृद्धि कैसे होगी।

वेटिकन सिटी

दरअसल, इस देश का नाम वेटिकन सिटी है, जो दुनिया का सबसे छोटा

देश है। जनसंख्या की बात करें, तो यह करीब 800 के आसपास है। जिसे कैथोलिक चर्च द्वारा संभाल गया है। यहां रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म के सभी धर्मगुरु रहते हैं। इस देश की स्थापना 11 फरवरी साल 1929 में किया गया था, तब से लेकर आज तक यहां पर एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ और ना ही यहां पर एक भी अस्पताल नहीं है। ऐसे में जब कोई व्यक्ति यहां पर बीमार पड़ जाता है या फिर इमरजेंसी हेल्थ केयर की जरूरत होती है, तो उन्हें इटली के अस्पतालों में भेज दिया जाता है।

96 साल से किसी बच्चे का नहीं हुआ जन्म

यह देश रोम सिटी के बीचो-बीच है, जिसका क्षेत्रफल मात्र 111 एकड़ है। कई बार अस्पताल बनाने का अनुरोध भी किया गया, लेकिन हर बार इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया। ऐसे में यहां कोई बीमार हो जाए या फिर कोई महिला गर्भवती होती है, तो उन्हें रोम के अस्पताल में भेज दिया जाता है। यही कारण है कि पिछले 96 सालों से कोई जन्म नहीं हुआ क्योंकि यहां पर प्रसव कक्ष की कोई सुविधा नहीं है।

दुनिया का सबसे छोटा रेलवे स्टेशन

दुनिया का सबसे छोटा देश होने के साथ ही यहां का रेलवे स्टेशन भी सबसे छोटा है, जहां केवल दो ट्रैक है। इसकी लंबाई मात्र 300 मीटर है और एक स्टेशन है, जिसका नाम सिट्टा वेटिकनो है। इसका उपयोग केवल माल परिवहन के लिए किया जाता है। यहां लोगों के लिए ट्रेन नहीं चलाई जाती है।

कैसे होता है बीमार लोगों का इलाज

वेटिकन सिटी में स्थानीय नागरिकता नहीं मिलती। यहां चर्च के अधिकारी, कार्डिनल्स, पादरी और स्विस गॉड्स रहते हैं, जिन्हें ब्रह्मचर्य का पालन करना पड़ता है। वहीं, जो लोग यहां काम करते हैं, वह भी अस्थाई रूप से ही यहां रहते हैं। जिनका परिवार आमतौर पर इटली या फिर अन्य देशों में रहता है। मेडिकल इमरजेंसी के दौरान वेटिकन सिटी के अंदर एंबुलेंस की टीम मौजूद रहती है, जो रोम के अस्पतालों तक मरीजों को पहुंचाती है। इसके अलावा, यहां पर एक छोटा सा मेडिकल डिस्पेंसरी है, जहां प्राथमिक उपचार दिया जाता है। इसके साथ ही यहां दुनिया की सबसे पुरानी फार्मेसी स्थित है।

सुलभ शौचालय से लेकर काला जादू की थीम तक, भारत में मौजूद हैं ये विचित्र संग्रहालय

नई दिल्ली। भारत विविध संस्कृतियों का देश है, जहां का इतिहास बेहद दिलचस्प है। पुरानी संस्कृति को दर्शाने के लिए भारत में कई ऐतिहासिक संग्रहालय बनाए गए हैं, जो जानकारीपूर्ण भी होते हैं। हालांकि, इन सभी रोचक संग्रहालयों के बीच कई ऐसे संग्रहालय भी मौजूद हैं, जो वास्तव में बेहद विचित्र हैं। ये संग्रहालय उन चीजों को संजोकर रखते हैं, जिनके विषय में ज्यादा लोग बात नहीं करते।

प्रकृति का अनमोल खजाना है दुनिया की यह जादुई गुफा, हर किसी को जाने की नहीं है इजाजत

एजेंसी ▶▶| वियतनाम

दुनिया में एक से बढ़कर एक चीज हैं, जो अपने आप में अनोखी है। ऐसी चीज लोगों को हैरान कर देती है। हर चीज के पीछे कोई ना कोई कारण भी अवश्य छुपा होता है। आज हम आपको दुनिया की सबसे बड़ी गुफा के बारे में बताएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस गुफा के अंदर एक रहस्यमयी दुनिया भी है, जो यकीन से परे है। यहां के रास्ते, गहराई और अनदेखे नजारे आपको हैरान कर देंगे। यह दुनिया की सबसे बड़ी चमत्कारिक गुफा मानी जाती है। आज हम आपको उसे गुफा के बारे में बताएंगे, जो इतनी विशाल है कि उसके अंदर एक अलग सी दुनिया बसी हुई है। यहां का रहस्य काफी अलग है। यहां हर किसी को जाने की इजाजत भी नहीं मिलती है।

वियतनाम के फोंग ना-के बांग नेशनल पार्क में है दुनिया की सबसे बड़ी गुफा हांग सोन डूंग

बसी है अलग दुनिया, केवल चार दिन जाने की अनुमति

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इसमें एक अलग दुनिया भी बसी है। यहां बारिश होती है, जंगल है, नदी बहती है। जिस कारण यहां अलग जलवायु बन चुकी है। साल 2013 में वियतनाम सरकार द्वारा इसे खोला गया, जहां केवल चुनिंदा पर्यटकों को ही जाने की इजाजत मिलती है। वह भी केवल चार दिन के लिए.. ऑक्जेलिक एडवेंचर कंपनी परमिट से लेकर गाइड तक सब कुछ संभालती है, ताकि पर्यटकों को किसी प्रकार का कोई नुकसान ना हो।

ऐसे पड़ा गुफा का नाम

दरअसल, इस गुफा का नाम सॉन डूंग गुफा है जो कि वियतनाम और लाओस की सीमा पर स्थित है। यहां फॉन्ग न्हाके बांग नेशनल पार्क भी है, जो कि 9 किलोमीटर लंबी है। इस तरह यह दुनिया की सबसे बड़ी गुफाओं में से एक है। इसके पास एक छोटा सा गांव बसा है, जिसका नाम डूंग है। इसी नाम के आधार पर इस गुफा का नाम रखा गया है।

किसान ने की थी खोज

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यहां आस-पास रहने वाले किसान हो खान ने 1991 में इस गुफा को ढूंढा था, लेकिन वह इसे भूल गया। फिर साल 2009 में ब्रिटिश गुफा अनुसंधान संघ ने इसे दोबारा खोजा, जिसे देख सभी हैरान रह गए थे। इस गुफा के अंदर 80 मीटर तक ऊंचे चूने के स्टैलेग्माइट्स है।

पानी-चूने के बने बड़े-बड़े मोती

इस रहस्यमयी गुफा में कई बड़े-बड़े मोती मिलते हैं, जो पानी और चूने से बने होते हैं। लंबाई और चौड़ाई की बात करें, तो यह 150 मीटर चौड़ी और 200 मीटर ऊंची है और 9 किलोमीटर लंबी है। जिसमें एक पूरा शहर या फिर हवाई जहाज भी समा सकता है।

दुनिया के सबसे महंगे बिकने वाले स्नीकर्स कीमत जानकर उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली। स्नीकर्स या ट्रेनर मुख्य रूप से खेल या अन्य प्रकार की शारीरिक गतिविधियों के लिए डिजाइन किए गए जूते होते हैं।हालांकि, पिछले कुछ सालों से ये फैशन स्टेटमेंट बन गए हैं, जिन्हें पहनकर एक कूल लुक मिलता है। अगर आप भी एक स्नीकर हेड हैं और उन्हें जमा करने में दिलचस्पी रखते हैं तो यह लेख आपके लिए ही है। आइए दुनिया के सबसे महंगे बिकने वाले स्नीकर्स के बारे में जानते हैं।

'द डायनेस्टी' संग्रह : सोथबी नामक नीलामी घर ने माइकल जॉर्डन द्वारा पहने गए एयर जॉर्डन के संग्रह को नीलाम किया था, जिसका नाम 'द डायनेस्टी' था।इस संग्रह में 6 एयर जॉर्डन स्नीकर्स शामिल थे, जिन्हें जॉर्डन ने अपने खेलों के दौरान पहना था।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान रहेंगे। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।

वृष — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

मिथुन — व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सुधार होगा। आत्मसंयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

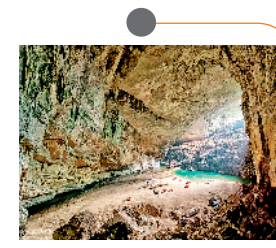

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी।

सिंह — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है।

कन्या — धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार में भागदौड़ बढ़ सकती है। कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

तुला — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। धन की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक — धन की स्थिति में सुधार आएगा। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

धनु — वाणी में मधुरता रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखें। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। आलस्य की अधिकता रहेगी। दिनचर्या अव्यवस्थित हो सकती है।

मकर — लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखें। परिश्रम की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ — कारोबार में सुधार होगा। लाभ में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। सेहत का ध्यान रखें।

मीन — आय में वृद्धि होगी। माता से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। बातचीत में सन्तुलित रहें।

शब्द पहेली - 5801

■ मंगल सेनाचा, बैंगलोर

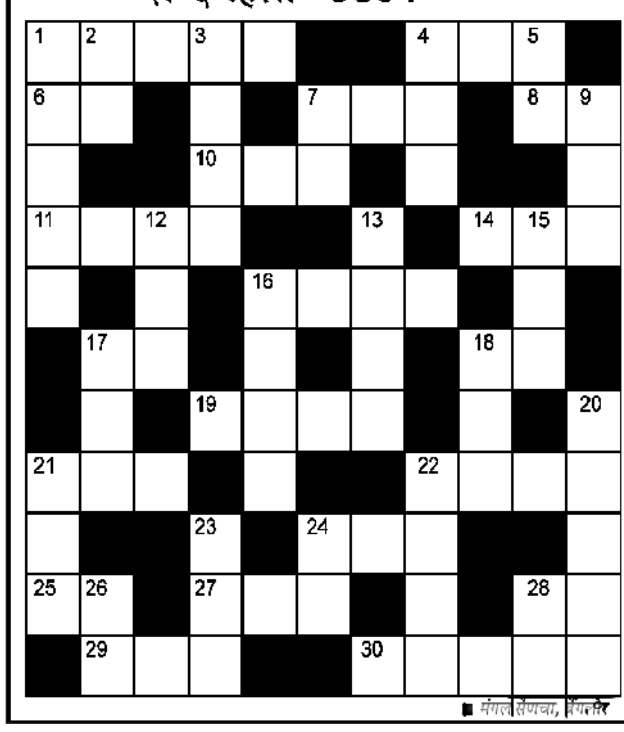

बाएँ से दाए-
1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट, शर्ट-3
6. लाख, गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान, रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा, उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष, बरस-2
18. लय, स्वर-2
19. गदर, बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गरूर, घमंड-4
24. राजा, सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ, फिजूल-3
28. चतुर्थ, चौथा-2
29. बहने का भाव-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आरामदायी-5
2. एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3. सेवा शुल्क-4
4. अभिव्यक्ति-3
5. बचत, जोड़-2
7. वहम-2
9. स्वामी-3
12. प्रवेश-3
13. धरोहर, थाती-4
15. तरंग, हिलोर-3
16. निरंकुश, मुंहजोर-4
17. किनारा, तट
18. कामधेनू, सुगंध-3
20. नुकसानदेह-5
21. दुनिया, जग-3
22. कहासुनी-4
23. चयन-3
24. चट्टान, शिला (अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर, भगवान-2
28. प्रेम, लगन-2

शब्द पहेली -5800 का हल

सूडोकु नवताल - 5811

★★★★☆ कठिन

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

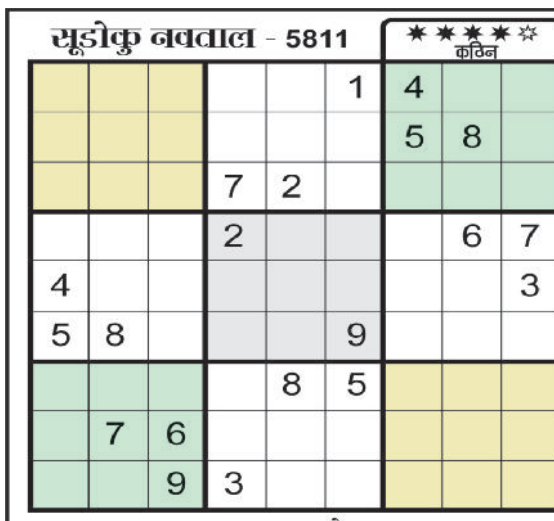

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5810 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

MARUTI SUZUKI

NEXA

WHERE'S YOUR INSPIRATION TAKING YOU NEXT?

Drive home your favourite NEXA car and explore new horizons.

CREATE. INSPIRE.

3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

CONSUMER OFFERS OF UP TO ₹1 00 000#

EXCHANGE BONUS OF UP TO ₹1 00 000#

PER LAKH EMI STARTING FROM ₹1 470#

ADDITIONAL SCRAPPAGE BONUS UP TO ₹ 15 000 IS AVAILABLE AGAINST VALID CERTIFICATE OF DEPOSIT.

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[6392]

For detailed T&C kindly visit nearest dealership. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice and offers may vary across variants. Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on select models/variants. Finance is at the sole discretion of financier. 3 years or 100 000 km – whichever is earlier. Scrappage offer valid for limited period only and is brought to you by Maruti Suzuki Toyotsu India Private Limited (a joint venture company between Maruti Suzuki India Ltd and Toyota Tsusho Group). Above offers are valid till 31st March 2025. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नया वर्ल्ड ऑर्डर बना रहे हैं, उन्हें लग रहा है कि पुराने वर्ल्ड ऑर्डर में अमेरिका को नुक़सान हो रहा है। ट्रंप की नीतियों से केवल यूरोप और अमेरिकी सहयोगी ही प्रभावित नहीं होंगे बल्कि भारत के लिए भी नई चुनौतियां खड़ी होंगी। ट्रंप ने भारत पर 2 अप्रैल से रेसिप्रोकल टैरिफ (जवाबी शुल्क) लगाने का ऐलान किया है। कनाडा और मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीन के आयात पर भी 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ प्रभावी किए जाने के बाद इन देशों के द्वारा भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाए जाने से नया ट्रेड वॉर शुरू हो गया है। निश्चित रूप से इस समय ट्रंप के टैरिफ तूफान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं की डगर को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। दोनों देश टैरिफ और नॉन टैरिफ बाधाओं को कम करने के प्रयास में लगे हुए हैं। दोनों देशों के बीच व्यापारिक वार्ता से इस मसले का हल निकलने की उम्मीद है। वहीं दूसरी ओर जबरन कब्जे को लेकर ट्रंप के नए फैसले व व्यवहार से उदार विश्व व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। रूस पर अभी भी अमेरिकी प्रतिबंध लागू हैं और ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि उन्हें तभी हटाया जाएगा, जब रूस यूक्रेन में युद्ध खत्म कर देगा। ट्रंप की नीतियों को लेकर न केवल पूरी दुनिया में उथल-पुथल की स्थिति है बल्कि अमेरिका के भीतर भी कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। इसी स्थिति का आकलन करता आजकल का यह अंक..

नया वर्ल्ड ऑर्डर बना रहा अमेरिका

कूटनीति

शंभू भद्र

वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

ट्रंप अमेरिकी फर्स्ट की बात कर रहे हैं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की पर आक्रामक हो रहे हैं, रूस के साथ बात कर रहे हैं, भारत व चीन पर रेसिप्रोकल टैक्स आयद कर रहे हैं। पेरिस जलवायु करार व विश्व स्वास्थ्य संगठन से निकल गए हैं, संयुक्त राष्ट्र व नाटो से निकलने की चेतावनी दे रहे हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले की तीसरी बरसी पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस हफ़्ते रूसी हमले की निंदा के लिए एक प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन अमेरिका ने उत्तर कोरिया, बेलारूस और सूडान की पंक्ति में खड़े होकर रूस का पक्ष लिया। दूसरी तरफ़ ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, इटली और जापान के साथ ज़्यादातर देशों ने रूस का विरोध किया।

अमेरिका की कमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास दोबारा आने के बाद पिछले क़रीब 75 सालों से जो वर्ल्ड ऑर्डर था, वो बदलता दिख रहा है। ट्रंप अब नया वर्ल्ड ऑर्डर बना रहे हैं, उन्हें लग रहा है कि पुराने वर्ल्ड ऑर्डर में अमेरिका को नुक़सान हो रहा है। ट्रंप अमेरिकी फर्स्ट की बात कर रहे हैं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की पर आक्रामक हो रहे हैं, रूस के साथ बात कर रहे हैं, भारत व चीन पर रेसिप्रोकल टैक्स आयद कर रहे हैं। पेरिस जलवायु करार व विश्व स्वास्थ्य संगठन से निकल गए हैं, संयुक्त राष्ट्र व नाटो से निकलने की चेतावनी दे रहे हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले की तीसरी बरसी पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस हफ़्ते रूसी हमले की निंदा के लिए एक प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन अमेरिका ने उत्तर कोरिया, बेलारूस और सूडान की पंक्ति में खड़े होकर रूस का पक्ष लिया। दूसरी तरफ़ ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, इटली और जापान के साथ ज़्यादातर देशों ने रूस का विरोध किया। दिलचस्प है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में फ्रांस और ब्रिटेन ने रूस की निंदा करने वाले प्रस्ताव का खुलकर समर्थन किया, लेकिन जैसे ही अमेरिका संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस की बिना निंदा किए यूक्रेन में जारी जंग ख़त्म करने का प्रस्ताव लाया तो फ्रांस और ब्रिटेन ने वीटो नहीं किया।

ब्रिटेन और फ्रांस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य हैं और दोनों चाहते तो अमेरिका के इस प्रस्ताव को वीटो कर सकते थे लेकिन दोनों वोटिंग से बाहर रहे। अमेरिका का यह प्रस्ताव 10 वोटों से पास हो गया लेकिन ब्रिटेन और फ्रांस के अलावा यूरोप के तीन और देश ग्रीस, डेनमार्क और स्लोवेनिया वोटिंग से बाहर रहे। फ्रांस और ब्रिटेन जो चीन और भारत व रूस के दोस्त माने जाते हैं, उनके व्यवहार में भी रूस को लेकर ट्रंप की तरह क्रांतिकारी बदलाव नहीं आया है। यूएन महासभा में रूस की निंदा वाले प्रस्ताव पर वोटिंग से चीन और भारत बाहर रहे जबकि अमेरिका ने रूस के पक्ष में मतदान किया। चीन और भारत की विदेश नीति में रूस को लेकर एक तरह की निरंतरता है जबकि अमेरिका के रुख़ में अविश्वसनीय बदलाव आया है। एक वैकल्पिक दुनिया में भारत की अपनी जगह सुरक्षित है। भारत नहीं चाहता है कि क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन या विस्तारवाद को समर्थन या मान्यता दी जाए। भारत यूरोप के साथ भी सकारात्मक संबंध बनाकर रखना चाहता है। रूस के प्रति ट्रंप की उदारता स्थायी है या अस्थायी, इसे अभी समझा जाना बाक़ी है।

क्या है वैश्विक व्यवस्था

अभी यह देखना बाक़ी है कि ट्रंप का रुख रूस व चीन को लेकर समान रहता है या अंतर रहता है। ट्रंप की नीति पर अभी कुछ भी कहना ख़तरे से ख़ाली नहीं है कि आखिर अमेरिका चाहता क्या है? पर अमेरिका वर्ल्ड ऑर्डर को जरूर बदल रहा है। वर्ल्ड ऑर्डर यानी वैश्विक व्यवस्था का मतलब उस व्यवस्था से है, जो दूसरे विश्व युद्ध के बाद बना था। दूसरे विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र बना था और वैश्विक व्यवस्था के संचालन में इसकी अहम भूमिका थी। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में इस बात को प्रमुखता से शामिल किया था कि कोई भी देश किसी दूसरे देश के भूभाग को जबरन अपने में नहीं मिला सकता है। इस तरह की सैन्य कार्रवाई को अपराध के दायरे में रखा गया था। अमेरिका ने इसी व्यवस्था को बनाए रखने के लिए 1950 में उत्तर कोरिया के ख़िलाफ़ अपने सैनिकों को भेजा था और 1991 में इराक़ी आक्रामकता से लड़ने के लिए सैनिकों की तैनाती की थी।

जबरन कब्जे की 150 से ज़्यादा घटनाएं

1816 से 1945 के बीच एक-दूसरे देश के भूभाग पर जबरन क़ब्ज़े की 150 से ज़्यादा घटनाएं हुईं, लेकिन 1945 के बाद एक वैश्विक व्यवस्था बनी, जिसे संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका का संरक्षण हासिल था और इस व्यवस्था के ज़रिए एक-दूसरे के क्षेत्र पर नियंत्रण को रोक दिया गया। अब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की इस उपलब्धि को पीछे छोड़ चुके हैं। 'लिबरल वर्ल्ड ऑर्डर' प्रतिबद्धताओं, सिद्धांतों और मानदंडों पर बनाए गए अंतरराष्ट्रीय संबंधों की एक व्यवस्था है। इसके मूल में अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र की महासभा और सुरक्षा परिषद जैसी संस्थाएं हैं। 'उदार विश्व व्यवस्था' मुक्त व्यापार जैसे मूल्यों का भी प्रतिनिधित्व करती है, जिसे विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ), अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाएं बरकरार रखती हैं। इसमें सबसे बड़ी धारणा ये वैचारिक मान्यता है कि पश्चिमी उदार लोकतंत्र, सरकार के सर्वश्रेष्ठ मॉडल का प्रतिनिधित्व करता है। अंतरराष्ट्रीय क़ानून के उल्लंघन को संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्तावों या अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसलों के ज़रिए आधिकारिक रूप से उठाया जा सकता है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद आर्थिक प्रतिबंध लगा सकती है या चरम मामलों में सैन्य कार्रवाई को अधिकृत कर सकती है।

अमेरिका में ही उठ रहे सवाल

ट्रंप के नए फैसले व व्यवहार से उदार विश्व व्यवस्था के अंत की घोषणा करना जल्दबाजी होगी। रूस पर अभी भी अमेरिकी प्रतिबंध लागू हैं और ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि उन्हें तभी हटाया जाएगा, जब रूस यूक्रेन में युद्ध खत्म कर देगा। ट्रंप की नीतियों को लेकर न केवल पूरी दुनिया में उथल-पुथल की स्थिति है बल्कि अमेरिका के भीतर भी कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। ट्रंप की नीतियों से केवल यूरोप और अमेरिकी सहयोगी ही प्रभावित नहीं होंगे बल्कि भारत के लिए भी चुनौतियां बढ़ेंगी। दूसरे विश्व युद्ध के बाद आख़िरकार अमेरिका ने विश्व व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कमोबेश एक ज़िम्मेदार देश की भूमिका निभाई है। अब ट्रंप ने उन सारे अंतरराष्ट्रीय नियमों को ठंडे बस्ते में डाल दिया है, जिसकी अमेरिका वकालत करता था। 'मिसाल के तौर पर ट्रंप पनामा नहर पर अमेरिका का नियंत्रण चाहते हैं और ग्रीनलैंड को जबरन लेना चाहते हैं। ये सारी बातें संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन हैं। दूसरी तरफ़ अमेरिका कहता था कि यूक्रेन पर रूस का हमला अवैध है। ऐसे में ट्रंप अगले चार सालों में क्या करेंगे। यह बहुत बड़ा सवाल है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत के लिए यही अच्छा होगा कि अमेरिकी सहयोगी बनने की बजाय अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के साथ रहे। भारत अपनी बुद्धिमत्ता से काम ले रहा है क्योंकि उसने क्वॉड और ब्रिक्स दोनों में रहकर विकल्प खुला रखा है।

भारत में सरकारें बदलती हैं लेकिन विदेश नीति में एक किस्म की निरंतरता है। अमेरिका की तरह नहीं है कि बाइडन रूस के ख़िलाफ़ हैं और ट्रंप आए तो रूस के दोस्त बन गए। भारत की विदेश नीति की बुनियाद गुट निरपेक्षता में रखी गई थी यानी भारत किसी गुट में नहीं होगा। भारत की इस विदेश नीति का पालन सभी सरकारों ने किया। पिछले 11 सालों से बीजेपी की सरकार है और यह सरकार बहुध्रुवीय दुनिया की वकालत कर रही है। भारत किसी गुट में नहीं है और भारत सभी गुटों में है। भारत पारंपरिक रूप से बहुपक्षीय वैश्विक संस्थानों और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थक रहा है। भारत नहीं चाहता है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद जो ग्लोबल ऑर्डर बना था, वो ध्वस्त हो जाए। भारत ने इसी ग्लोबल ऑर्डर में अपनी पकड़ मज़बूत बनाने की कोशिश की, लेकिन ज़रूरी नहीं है कि यह व्यवस्था नष्ट होती है तो भारत के ख़िलाफ़ ही जाएगा। भारत समेत उन सभी देशों के लिए संदेश है कि आप किसी की पीठ थपथपाने से बैटल ग्राउंड मत बनिए। भारत को इस सच का सामना करना होगा कि पुरानी दोस्ती और साझेदारी शायद भविष्य में काम न आए। भारत रूस पर भी आश्रित नहीं रह सकता है क्योंकि पुतिन और ट्रंप अब एक ही पाले में हैं। चीन की क़रीबी पाकिस्तान से बढ़ रही है और ग्लोबल साउथ की अहम शक्तियां ब्राज़ील और दक्षिण अफ़्रीका भी दिल्ली की तुलना में बीजिंग के क़रीब हैं।

क्या होगा जब अमेरिका नाटो से हटेगा

नाटो के लिए अमेरिका इसलिए जरूरी है कि पूरे यूरोप में एक लाख से अधिक अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। इनमें से कुछ अमेरिकी गैर नाटो अभियानों में भी सहायता करते हैं। इस वक्त यूरोपीय देशों में से जर्मनी में सबसे अधिक अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। इसके बाद इटली और ब्रिटेन में अमेरिकी सेना है। फिर पूरी दुनिया को पता है कि अमेरिका वैश्विक महाशक्ति है, जिसकी जीडीपी साल 2024 में बाकी सभी नाटो सदस्य देशों के बराबर थी। रक्षा पर अमेरिका का कुल खर्च नाटो के कुल खर्च का दो तिहाई है। इन सबसे जाहिर है कि अगर अमेरिका नाटो का साथ छोड़ता है तो सदस्य देशों की सैन्य क्षमता में कमी आएगी। नाटो में अमेरिका के नहीं होने से संगठन की सैन्य क्षमता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अलग हो जाएगा। इससे सदस्य देशों की सामूहिक सुरक्षा की स्थिति कमजोर होगी। हालांकि, जर्मनी के होने वाले चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने यूरोप के सभी देशों से कहा है कि जितनी जल्द संभव हो यूरोप को और मजबूत करने की जरूरत है, जिससे अमेरिका से आजादी मिल सके। अमेरिका से नाटो को मिलने वाली फंडिंग भी रुक जाएगी और बाकी सदस्य देशों के लिए खर्च चलाना मुश्किल हो जाएगा। नाटो के बाकी देशों के पास कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम, स्पेस वेपंस और हथियारों की सप्लाई का भी विकल्प नहीं है। ऐसे में यूरोप को खतरे का सामना करना पड़ेगा, खासकर रूस यूरोप पर हमलावर हो सकता है, जिसके लिए यूरोप न तो तैयार है और न ही सालों में तैयारी कर पाएगा। अमेरिका के साथ छोड़ने के बाद यूरोप के देशों को अपनी सैन्य ताकत अपने देश की रक्षा में लगानी होगी और यूक्रेन को तुरंत ही हथियारों की कमी का सामना करना पड़ेगा।

अमेरिका का प्रभुत्व भी घटेगा

यूएन से अमेरिका के हटने से खुद ट्रंप के लिए आसान नहीं होगा, बल्कि इससे अंकल सैम के सामने समस्या ही आएगी। यूरोप के देश अपने यहां ही नहीं, अफ्रीका और पश्चिमी एशिया में भी अमेरिका को ठहरने नहीं देंगे। इनमें से बहुत से देश रूस और चीन के करीब चले जाएंगे।

सबसे पहले तो यही होगा कि वैश्विक मंच से अमेरिका नदारद हो जाएगा। उसका वीटो का अधिकार खत्म हो जाएगा। यूएन सिक्योरिटी काउंसिल के पांच स्थायी सदस्यों में से एक अमेरिका को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ेगी। यूएन का साथ छोड़ने से वैश्विक स्तर पर अमेरिका का वार्ता और मध्यस्थता का अधिकार खत्म होगा ही, वैश्विक मुद्दों पर इसकी पकड़ कमजोर होगी और चीन की पकड़ बढ़ती जाएगी। अमेरिका के साथ छोड़ने पर यूएन की एजेंसियों की मजबूरी होगी कि वे चीन के झंडे के नीचे आ जाएं। चीन इसे अवसर की तरह लपकेगा।

टैरिफ से मुकाबले में भारत की रणनीति

ट्रेड वार

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

ख्यात अर्थशास्त्री

हाल ही में 5 मार्च को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 2 अप्रैल से रेसिप्रोकल टैरिफ (जवाबी शुल्क) लगाने का ऐलान किया है। ट्रंप के द्वारा 4 मार्च से कनाडा और मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीन के आयात पर भी 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ प्रभावी किए जाने के बाद इन देशों के द्वारा भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाए जाने से नया ट्रेड वॉर शुरू हो गया है। यद्यपि अभी ट्रंप ने भारत पर टैरिफ रेट का ऐलान नहीं किया है, किन्तु भारत पर टैरिफ वृद्धि चीन और कनाडा से कम ही होगी।

यह स्थिति भारत के पक्ष में है। भारत अभी अमेरिका से आयात होने वाले उत्पादों पर औसतन 9 फीसदी का टैरिफ लगाता है। ऐसे में अमेरिका भारत पर रेसिप्रोकल टैरिफ के आधार पर 9 फीसदी से अधिक टैरिफ नहीं लगाएगा। गोल्डमैन सॉक्स के मुताबिक अमेरिकी टैरिफ से भारत की जीडीपी पर अधिकतम 0.6 फीसदी तक असर संभव है, जोकि बेहद कम है।

उपयुक्त टैरिफ रियायतें

सिटी रिसर्च के अनुसार भारत को करीब 7 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है, जबकि अमेरिका के साथ व्यापार लक्ष्य 500 अरब डॉलर सुनिश्चित किया गया है। जहां भारत में अमेरिकी टैरिफ से टेक्सटाइल, दवाई, ऑटोमोबाइल, इस्पात, एल्युमिनियम और सेमीकंडक्टर जैसे सेक्टर्स में चिंताएं हैं, वहीं भारतीय शेयर बाजार के दोनों सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बड़ी गिरावट के दौर में हैं। निःसंदेह टैरिफ वार की इन चुनौतियों के बीच भारत अमेरिका के लिए उपयुक्त टैरिफ रियायतों के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं की भी नई रणनीति के साथ ट्रंप की टैरिफ मार से मुकाबला करने की डगर पर सुनियोजित रूप से आगे बढ़ रहा है। खास बात यह भी है कि जहाँ अमेरिका से निर्मित टैरिफ चुनौतियों के बीच अब भारत को निर्यात के नए मौके मिलने की उम्मीद हैं, वहीं ट्रंप की नीति से भारत को चीन प्लस वन के रूप में दुनिया के वैश्विक व्यापार में तेजी से बढ़ने का मौका भी मिलते हुए दिखाई दे सकेगा।

यहां यह उल्लेखनीय है कि 4 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया का हर देश भारत के साथ आर्थिक कारोबारी साझेदारी मजबूत करना चाहता है। ऐसे में भारत के उद्योग-कारोबार क्षेत्र के द्वारा नए मौकों को मुट्ठी में करने के लिए तत्परता के साथ आगे बढ़ना चाहिए। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि ट्रंप के द्वारा अपनाई जा रही अमेरिका फर्स्ट और रेसिप्रोकल टैरिफ की नीति के कारण दुनिया में बहुत तेजी के साथ आर्थिक और कारोबारी उठापटक चल रही है।

डब्ल्यूटीओ अब मुख्य स्तम्भ नहीं

नया व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। दुनिया में वैश्विक व्यापार नए सिरे से दोबारा स्थापित होने जा रहा है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) अब मुख्य स्तम्भ के रूप में नहीं बचा है और सबसे पसंदीदा राष्ट्र (एमएफएन) के दर्जे के तहत गैर-भेदभावपूर्ण शुल्क खत्म हो रहे हैं।

ऐसे में भारत ने इस नए बदलाव को समझते हुए रणनीतिपूर्वक एक अप्रैल से प्रभावी होने वाले वर्ष 2025-26 के बजट में अमेरिका से आने

वाली वस्तुओं पर शुल्क घटा दिए हैं। साथ ही मित्र देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की ऐसी नई रणनीति पर आगे बढ़ना शुरू कर दिया है, जिसमें मित्र देशों को पर्याप्त रियायतें भी हैं।

इसी परिप्रेक्ष्य में विगत 28 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग (ईयू) की प्रेसिडेंट उर्सला वोन लेयेन ने दोनों पक्षों के बीच कारोबार एवं आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए मुक्त व्यापार समझौता को लेकर जारी किंतु-परंतु को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। उल्लेखनीय है कि विगत 13 फरवरी को नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई वार्ता के दौरान द्विपक्षीय कारोबार को वर्ष 2030 तक 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है। इसी प्रकार भारत के दौरे पर आए ब्रिटेन के व्यवसाय व कारोबार मंत्री जोनाथन रेनाल्ड्स ने कहा कि व्यापारिक समझौते का उद्देश्य पांच से छह वर्षों में द्विपक्षीय कारोबार को तीन गुना करना है।

इसी तरह अमेरिका और ब्रिटेन के साथ भी मुक्त व्यापार व निवेश समझौते को इसी साल 2025 में पूर्ण किए जाने के मद्देनजर भी भारत ने रणनीति तय की है। यह बात महत्वपूर्ण है कि अमेरिका, यूरोपीय आयोग और ब्रिटेन इन तीनों का भारत के कुल द्विपक्षीय वैश्विक कारोबार में एक तिहाई से भी ज्यादा का हिस्सा है। वर्ष 2030 तक भारत इन तीनों के साथ अपने द्विपक्षीय कारोबार को तीन गुना बढ़ाने की डगर पर आगे बढ़ा है। निश्चित रूप से इस समय ट्रंप के टैरिफ तूफान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं की डगर को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। पिछले वर्ष से ही इस रणनीति से द्विपक्षीय व्यापार के अच्छे अध्याय लिखे गए हैं। निश्चित रूप से अमेरिका के टैरिफ वार के मुकाबले के लिए भारत की नई द्विपक्षीय व्यापार वार्ताएँ भारत की मुठ्ठी में एक असरकार हथियार है। भारत के लिए ट्रंप की चुनौतियों के बीच वैश्विक कारोबार के नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। एक ओर अमेरिका में भारत के निर्यात बढ़ सकते हैं, वहीं भारत को वैश्विक निर्यात में भी बढ़त मिल सकती है। अब चीन पर अमेरिका द्वारा भारी टैरिफ लगाने से अमेरिका चीन टैरिफ वॉर के कारण जिन क्षेत्रों में चीन अमेरिका को प्रमुखता से निर्यात करता है, उनमे से कई क्षेत्रों में अमेरिका को भारत अपना निर्यात सरलता से बढ़ा सकता है।

वैश्विक व्यापार में बढ़ने के मौके

इन क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल उपकरण, मोबाइल फोन, फुटवीयर, टेक्सटाइल और गार्मेंट्स, फर्नीचर और घर के सजावटी सामान, वाहनों के कल पुर्जे, खिलौने और रसायन आदि शामिल हैं। इस परिप्रेक्ष्य में भारतीय निर्यातकों को अमेरिका बाजार में पहुंच बढ़ाने के लिए वर्ष 2025-26 के बजट में स्वीकृत किया गया एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन अहम भूमिका निभाएगा। इतना ही नहीं, ट्रंप के रुख और उनकी नीति से भारत को चीन प्लस वन के रूप में दुनिया के वैश्विक व्यापार में तेजी से बढ़ने का मौका भी मिलते हुए दिखाई दे रहा है।

चीन में मैन्यूफैक्चरिंग करने वाली कई विदेशी कंपनियां भी भारत का रुख कर सकती हैं। इन सबके साथ जिस तरह ट्रंप अमेरिका फर्स्ट की रणनीति के साथ अमेरिका को तेजी से आर्थिक मजबूती देने का प्रयास कर रहे हैं, उसी तरह भारत में भी प्रधानमंत्री मोदी इंडिया फर्स्ट की रणनीति को तेजी से आगे बढ़ाकर घरेलू उद्योग कारोबार और अर्थव्यवस्था को तेजी से बेरोकटोक आगे बढ़ाने के मौके को मुट्ठी में ले सकते हैं। हम उम्मीद करें कि सरकार अमेरिकी टैरिफ की नई चुनौतियों के बीच नई द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं और नए मुक्त व्यापार समझौतों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी और अमेरिका सहित अन्य देशों में कारोबार की नई संभावनाओं को मुट्ठियों में लेते हुए वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ाने में सफल होगी।

वैश्विक व्यापारिक संबंधों में महत्वपूर्ण मोड़

टैरिफ नीति

डॉ. मोनिका राज

शोधार्थी , नव नालन्दा महाविहार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित पारस्परिक टैरिफ नीति वैश्विक व्यापारिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। यह निर्णय विशेष रूप से उन देशों के खिलाफ लक्षित है जो अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च शुल्क लगाते हैं, जिनमें भारत भी शामिल है। ट्रंप प्रशासन का यह कदम भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों के साथ-साथ वैश्विक व्यापार पर भी गहरा प्रभाव डालेगा। इस नीति के तहत यदि कोई देश अमेरिकी उत्पादों पर उच्च शुल्क लगाता है, तो अमेरिका भी उनके निर्यात उत्पादों पर समान या अधिक शुल्क लगाएगा।

व्यापारिक संबंध और असंतुलन

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध दशकों से मजबूत रहे हैं। भारत अमेरिका को 52.9 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात करता है, जबकि अमेरिका से भारत में 29.6 अरब डॉलर का आयात होता है। इस व्यापार असंतुलन के चलते अमेरिका को घाटा होता है, और ट्रंप प्रशासन इसे संतुलित करने के प्रयास में पारस्परिक टैरिफ लागू करने की नीति अपना रहा है। अमेरिका का कहना है कि भारत अमेरिकी ऑटोमोबाइल और अन्य वस्तुओं पर 100 प्रतिशत से अधिक शुल्क लगाता है, जो अनुचित है। ट्रंप प्रशासन की यह शिकायत केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन, यूरोपीय संघ, ब्राजील, कनाडा, मैक्सिको जैसे अन्य देशों के खिलाफ भी इस तरह के आरोप लगाए गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसे अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा है कि अब अमेरिका को भी ऐसे देशों के खिलाफ कड़े व्यापारिक कदम उठाने होंगे।

भारतीय निर्यातकों को कठिनाई

अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाने से भारतीय निर्यातकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा अमेरिकी बाजार पर निर्भर है, विशेष रूप से आईटी, फार्मास्युटिकल्स, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों में। यदि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर उच्च शुल्क लगाता है, तो इन उद्योगों के लिए अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो जाएगा। भारतीय आईटी कंपनियां अमेरिका में बड़ी संख्या में सेवाएं प्रदान करती हैं। अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियां भी भारतीय टैलेंट और आईटी सेवाओं पर निर्भर हैं। हालांकि, यदि अमेरिका व्यापार नीतियों को सख्त करता है और भारतीय आईटी कंपनियों पर अतिरिक्त टैक्स या शुल्क लगाता है, तो इससे भारत के आईटी क्षेत्र को झटका लग सकता है।

कम होगी प्रतिस्पर्धात्मकता

भारत दुनिया के सबसे बड़े जेनेरिक दवा निर्यातकों में से एक है। अमेरिका भारतीय दवाओं का एक प्रमुख खरीदार है। यदि इस क्षेत्र पर टैरिफ बढ़ाया जाता है, तो भारतीय दवा कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो सकती है और अमेरिकी दवा कंपनियों को इसका फायदा मिल सकता है। अमेरिका ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अमेरिकी ऑटोमोबाइल पर 100 प्रतिशत से अधिक शुल्क

लगाता है। इस नीति के कारण अमेरिका भी भारतीय ऑटोमोबाइल और मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों पर भारी टैरिफ लगा सकता है, जिससे भारतीय कंपनियों की अमेरिकी बाजार में बिक्री कम हो सकती है। अमेरिका द्वारा पारस्परिक टैरिफ नीति लागू करने से वैश्विक व्यापार पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। यह नीति केवल भारत ही नहीं, बल्कि चीन, यूरोपीय संघ, कनाडा, मैक्सिको और ब्राजील जैसे देशों को भी प्रभावित करेगी। अगर ये देश भी जवाबी कदम उठाते हैं, तो यह एक व्यापार युद्ध का रूप ले सकता है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। चीन और अमेरिका के बीच पहले से ही व्यापार युद्ध चल रहा है। अगर अमेरिका अपनी टैरिफ नीति को और सख्त करता है, तो चीन भी जवाबी कार्रवाई कर सकता है। इससे दुनिया भर में कच्चे माल और उत्पादों की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिससे वैश्विक व्यापार अस्थिर हो सकता है। यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच भी व्यापारिक मतभेद हैं। यूरोप भी अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाता है, और अगर अमेरिका यूरोपीय देशों के खिलाफ इस नीति को लागू करता है, तो व्यापारिक संबंधों में तनाव बढ़ सकता है। अगर विभिन्न देश एक-दूसरे के खिलाफ टैरिफ बढ़ाते हैं, तो यह वैश्विक व्यापार को धीमा कर सकता है और आर्थिक मंदी को बढ़ावा दे सकता है। 2008 की आर्थिक मंदी के बाद दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले ही कई चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में यह व्यापार युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक और बड़ा झटका साबित हो सकता है।

भारत क्या रणनीति अपनाए?

भारत को अमेरिका के इस कदम का जवाब सोच-समझकर और कूटनीतिक तरीके से देना होगा। कुछ संभावित रणनीतियों पर विचार किया जा सकता है। भारत को अमेरिका के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को बनाए रखने के लिए कूटनीतिक स्तर पर बातचीत करनी चाहिए। उच्चस्तरीय बैठकों और व्यापारिक वार्ताओं के माध्यम से समाधान निकालने की जरूरत होगी। भारत को अपनी निर्यात नीति को विविधता प्रदान करनी होगी। वर्तमान में भारत का व्यापारिक ध्यान मुख्य रूप से अमेरिका और यूरोप पर केंद्रित है, लेकिन अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण एशिया में भी नए व्यापारिक अवसर तलाशने होंगे। अगर अमेरिका भारतीय उत्पादों पर टैरिफ लगाता है, तो भारत को अपने घरेलू उद्योगों को मजबूत करने की जरूरत होगी।

स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा दें

स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना और नए बाजारों में विस्तार करना इस समस्या का एक समाधान हो सकता है। अमेरिका द्वारा पारस्परिक टैरिफ लगाने की घोषणा भारत और वैश्विक व्यापार पर व्यापक प्रभाव डाल सकती है। इससे भारतीय निर्यातकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, और अमेरिका के साथ व्यापार घाटा कम करने की दिशा में भारत को नई रणनीति अपनानी होगी। इसके साथ ही, यह नीति वैश्विक व्यापारिक संबंधों में तनाव पैदा कर सकती है और अन्य देशों को भी अमेरिकी नीतियों के खिलाफ कदम उठाने के लिए प्रेरित कर सकती है। भारत को अपनी निर्यात रणनीति को मजबूत करने, नई तकनीकों को अपनाने और व्यापार विविधता लाने की दिशा में काम करना होगा, ताकि इस तरह के आर्थिक झटकों से बचा जा सके। इसके साथ ही, सरकार को अमेरिका के साथ संवाद बढ़ाकर व्यापारिक संबंधों को संतुलित बनाने की दिशा में प्रयास करने चाहिए। इस पूरी स्थिति में भारत को अपनी कूटनीतिक शक्ति और आर्थिक नीतियों को संतुलित करने की आवश्यकता होगी। यदि भारत सही रणनीति अपनाता है, तो वह इस संकट को अवसर में बदल सकता है और वैश्विक व्यापार में अपनी स्थिति को और मजबूत कर सकता है।

निवेश करने से पहले खुद से पूछें ये सवाल

सफल निवेशक बनने के लिए बचत के पैसों का सही जगह निवेश जरूरी

●

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन कहा जाता है

- पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा
- निवेश की रकम तय करते समय सावधान और वास्तविकतावादी बनें

निवेश मंत्रा

शंभू भद्र

सही जगह निवेश करना हर निवेशक का मकसद होता है। किसी भी तरह के निवेश के लिए बचत करना जरूरी है, लेकिन सिर्फ बचत के पैसे से आप अपनी सारी जरूरतें पूरी नहीं कर पाएंगे। एक सफल निवेशक बनने के लिए, बचत के पैसों को सही जगह निवेश करना जरूरी होता है। एक प्रभावशाली निवेश रणनीति के लिए, अपने आपसे कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछना बहुत जरूरी है। किसी अन्य काम की तरह, आपको अपने आपसे पूछना चाहिए कि आप क्यों निवेश कर रहे हैं। आपको अपना मकसद साफ कर लेना चाहिए। क्या आप पैसे बनाने के लिए, रिटायरमेंट के लिए, कोई संपत्ति खरीदने के लिए, या कोई और काम करने के लिए निवेश कर रहे हैं? यह तय हो जाने के बाद आपको यह सोचना चाहिए कि आपको कितने समय के लिए निवेश करना है, कितना पैसा निवेश करना है, और निवेश करते समय पैसों के मामले में आपको किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? अपने उद्देश्य की रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद आपको इसके लिए एक अल्पकालिक, मध्यकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

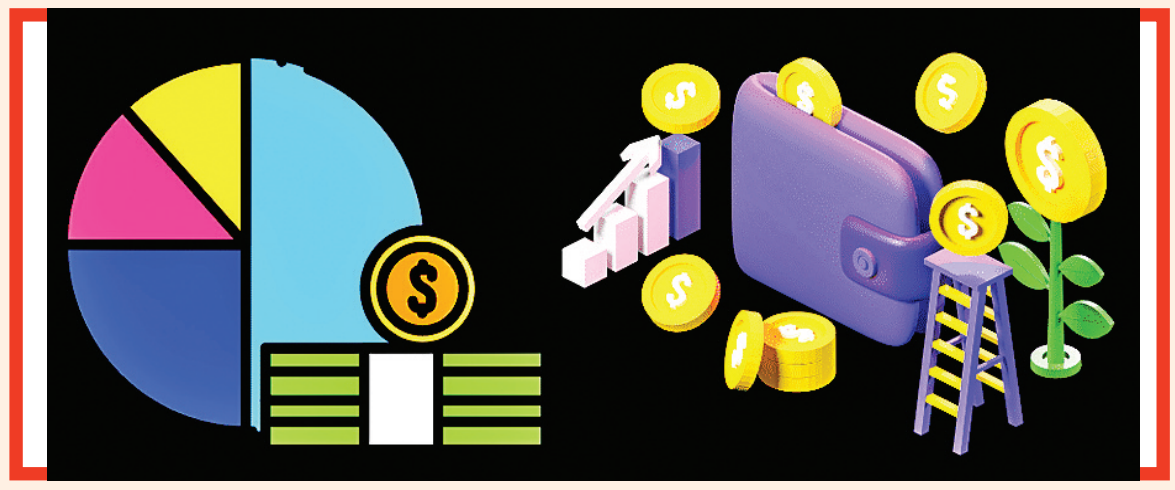

अवधि क्या है

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन भी कहा जाता है। इससे निवेश की अवधि तय करने में मदद मिलेगी। इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको एक पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा। समय-समय पर इस अवधि का मूल्यांकन करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसमें फेरबदल भी करना चाहिए। इसका मतलब यही है कि किसी भी निवेश की अवधि ऐसी होनी चाहिए कि आप अपने निर्धारित उद्देश्य के अनुसार उसका लाभ उठा सकें।

मासिक क्षमता कितनी है

आप अपने निवेश के लिए अपनी आमदनी में से कितना पैसा निकाल सकते हैं। आप इसे एकमुश्त भुगतान के रूप में एक बार में ही निवेश करना चाहते हैं या हर महीने थोड़ा-थोड़ा करके। निवेश की रकम तय करते समय आपको सावधान और वास्तविकतावादी होना चाहिए और अपने पैसों को धीरे-धीरे बढ़ने देना चाहिए। अपने संसाधनों के साथ-साथ अपनी निवेश क्षमता के बारे में सबसे ज्यादा जानकारी आपको ही होती है। एकमुश्त भुगतान, इक्विटी में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, फायदेमंद हो सकता है लेकिन हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करने से सहज तरीके से निवेश कर सकते हैं।

कौन से जोखिम उठाने पड़ेंगे

क्या आपको जोखिम उठाना पसंद है या आप उनसे बचना चाहते हैं। ये जोखिम कई तरह के हो सकते हैं - बाजार, मुद्रास्फीति, रिटर्न, गलत-बिक्री, ब्याज दर, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, इत्यादि। शायद ही कोई ऐसा निवेश हो जो कि जोखिम मुक्त हो। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार सम्बन्धी जोखिम होता है जो बहुत कम समय में आपका सारा पैसा ख़त्म कर सकता है। एंडोमेंट इंश्योरेंस प्लान में रिटर्न सम्बन्धी जोखिम होता है जहां आपको प्रचलित मुद्रास्फीति दर की तुलना में कम रिटर्न मिल सकता है। डेट म्यूचुअल फंड्स, ब्याज दर में हलचल से प्रभावित हो जाते हैं। आपको इनमें से किसी में भी निवेश करने से पहले निवेश से जुड़े जोखिमों के बारे में अच्छी तरह जान लेना चाहिए।

क्या टैक्स की बचत होती है

आपको निवेश से टैक्स की बचत के बारे में पूछना चाहिए। अधिकांश निवेशों पर मिलने वाले रिटर्न पर अलग-अलग मानदंडों के आधार पर टैक्स लगता है। टैक्स देने के बाद आपको कितना रिटर्न मिलेगा। उदाहरण के लिए, फिक्स्ड डिपोजिट में आपको 7% प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलता है, लेकिन यदि आप 30% टैक्स देते हैं तो टैक्स देने के बाद आपको 4.9% रिटर्न मिलेगा, जो कि बहुत कम है। आपको ऐसे निवेश साधनों पर विचार करना चाहिए जो आपके टैक्स के बोझ को कम कर सके। उदाहरण के लिए, दीर्घकालिक ऋण निवेश के लिए, पब्लिक प्रोविडेंट फंड आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि इसमें किया जाने वाला निवेश टैक्स-फ्री होता है। इक्विटी में किया जाने वाला निवेश जिसकी अवधि एक साल से अधिक होती है, दीर्घकालिक टैक्स लाभ की दृष्टि से फायदेमंद नहीं है। यदि आप धारा 80C के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं और बाजार से जुड़े रिटर्न पाना चाहते हैं तो आप इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम्स (ईएलएसएस) में निवेश कर सकते हैं क्योंकि यह भी टैक्स-फ्री रिटर्न देता है। निवेश जितना अधिक टैक्स बचानेवाला होगा, आप उतनी जल्दी अपना उद्देश्य पूरा कर पाएंगे।

किस तरह चार्ज देना होगा

एक निवेशक होने के नाते आपको यह जानने का पूरा हक है कि निवेश करने पर कितनी आमदनी होगी। कभी भी जल्दबाजी में निवेश करने की गलती न करें। क्योंकि तरह-तरह के निवेश में तरह-तरह के चार्ज लगते हैं। इसलिए, आपको पूछना चाहिए कि ये चार्ज क्यों लग रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि आपके निवेश की रकम का कितना हिस्सा इस तरह का चार्ज और कमिशन देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, और इस तरह के खर्च के बाद आपको कुल कितना रिटर्न मिलेगा।

निवेश से कैसे बाहर निकलूं

निवेश करने का अंतिम फैसला लेने से पहले, आप पूछें कि इससे कैसे बाहर निकल सकते हैं। आपको कई कारणों से इस निवेश से बाहर निकलना पड़ सकता है। आपको कुछ समय के लिए पैसों की जरूरत पड़ सकती है, आप इस निवेश साधन से खुश नहीं हैं, आपको इससे बेहतर निवेश साधन मिल गया है, इत्यादि। आपको यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आप इसे कब और कैसे छोड़ सकते हैं ताकि जरूरत के समय अफ़सोस न करना पड़े। निवेश साधन बेचने वाले व्यक्ति के मौखिक आश्वासन पर भरोसा करना काफी नहीं है। आपको लिखित में जानने का पूरा हक़ है।

निवेश से पहले एडवाइजर की मदद लें, फायदे में रहेंगे व बनेंगे धनवान

- स्टॉक मार्केट में निवेश करते वक्त सही स्टॉक एडवाइजर से सलाह लेना जरूरी
- स्टॉक मार्केट में जबरदस्त मुनाफे के लिए सही कंपनी में निवेश करना बेहद जरूरी
- बैंकिंग व फाइनेंस कंपनियों में निवेश करें लॉन्ग टर्म निवेश से जबरदस्त मुनाफा

सलाह

बिजनेस डेस्क

एक्सपर्ट बताते हैं, जब आप इन्वेस्ट करते हैं, तो एक बात अपने दिल दिमाग में अच्छे से बैठा ले की स्टॉक मार्केट में आप रातों रात करोड़पति नहीं बन सकते हैं और ना ही आपको एक या 2 साल में ही बंपर मुनाफा होगा। बल्कि, अगर आपको सही मायने में स्टॉक मार्केट में खेलना है तो 8 से 10 साल थोड़ा तसल्ली के साथ सब्र करना पड़ेगा, नींव बनने में टाइम लगता है। अगर आपने 8 से 10 साल इंतजार कर लिया तो गारंटी है, उसके बाद आपको बंपर मुनाफा होगा जो आप सोच भी नहीं सकते।

अगर आप भी स्टॉक मार्केट में निवेश करते हैं या करने जा रहे हैं तो एक बात पल्ले बांध लें, फिर आपको मुनाफा कमाने से कोई नहीं रोक सकता। स्टॉक मार्केट ऐसा चीज है, जहां पर हर कोई इंवेस्टमेंट करके अच्छा खासा पैसा कमाना चाहता है। आजकल के युवा खासतौर पर स्टॉक मार्केट में पैसा लगाकर कई बार रातों रात करोड़पति बनने का भी सपना देख लेते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो स्टॉक मार्केट के जरिए अच्छा पैसा कमाकर आज अच्छी लाइफ जी रहे हैं। ऐसे में यह पता होना बहुत जरूरी होता है कि आपको किस स्टॉक में और कब पैसा लगाना है, क्योंकि, एक भी गलत कदम आपके सारे पैसे डूबा सकती है। बाजार के कुछ जाने माने म्युचुअल फंड व स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट और एडवाइजरों काकहना है कि अगर आपको स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करना है, तो सबसे पहला काम आपको एक अच्छा स्टॉक एडवाइजर की जरूरत है। यूं ही अपने मन से आंकड़ों को देखकर कभी भी स्टॉक मार्केट में पैसा ना लगाए। ऐसा करने से कई बार नुकसान हो सकता है। निवेश करने से पहले एक बार एडवाइजर की मदद जरूर लें, उनसे सलाह मशवरा के बाद ही पैसा इन्वेस्ट करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे। हमेशा लंबी अवधी के निवेश का प्लान करें।

यह रखें ध्यान

जानकारों ने बताया कि जो फंडामेंटल कंपनी होती है, जैसे कि बैंकिंग कंपनी और फाइनेंस कंपनी इनमें आप पैसा आंख बंद करके लगा सकते हैं। उनके जो टॉप फाइव या टॉप 10 कंपनी है। उसको आप देख लें और उसमें पैसा लगाए और एक बात का ध्यान रखें। पैसा लगाने के बाद रातों-रात करोड़पति बनने का सपना छोड़ दें। क्योंकि, यहां पर अगर आप सही मायने में मुनाफा कमाना चाहते हैं, तो 8 से 10 साल इंतजार करना पड़ता है, तब आपको स्ट्रांग रिटर्न देखने को मिलेगा। ऐसा करनेद से आपको धनवान बनाने से कोई नहीं रोक पाएगा और आप आसानी से स्टॉक मार्केट में निवेश कर पैसा कमाएंगे और अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे।

मार्केट में फिलहाल बढ़ा है दबाव

बाजार के जानकारों का कहना है कि इस समय मार्केट थोड़ा सा डाउन चल रहा है, लेकिन अब यह केरेक्शन फेज में आ चुका है और धीरे-धीरे आगे की तरफ जाएगा, क्योंकि, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से मार्केट में दबाव देखने को मिला है। इसके अलावा अमेरिका इन्वेस्टर जो है। अब उनको अच्छा खासा रिटर्न अमेरिका में ही मिलने की उम्मीद है। ऐसे में वह भारतीय मार्केट से भी कुछ पैसे वापस लेंगे। हालांकि, सारे नहीं लेंगे, तो ऐसे में मार्केट में दबाव थोड़ा बढ़ गया है, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहने वाली। साथ ही, मार्केट का काम ही है ऊपर नीचे होना, कोई ना कोई पॉलिसी मार्केट को ऊपर ले जाता है तो कभी नीचे। इससे बहुत अधिक घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसा नहीं की मार्केट फिलहाल एकदम दबाव में है धीरे-धीरे ऊपर की तरफ जा रहा है। ऐसे में जो कंपनी के नाम बताया है उसमें अगर आप इन्वेस्ट करते हैं तो आपको लॉन्ग टर्म में जबरदस्त मुनाफा देखने को मिलेगा, क्योंकि इन कंपनी का फंडामेंटल्स बहुत मजबूत है।

रातों-रात नहीं करना होगा इंतजार

क्या है शेयर बाजार

शेयर बाजार एक केंद्रीकृत मंच है जहां सभी खरीदार और विक्रेता विभिन्न कंपनियों के शेयरों में व्यापार करने के लिए जमा होते हैं। व्यापारी भौतिक शेयर बाजार पर ऑफ़लाइन व्यापार कर सकते हैं या एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने ट्रेडों को ऑनलाइन रख सकते हैं। यदि आप ऑफ़लाइन व्यापार कर रहे हैं, तो आपको अपने ट्रेडों को पंजीकृत ब्रोकर के माध्यम से रखना होगा। एक शेयर बाजार को 'स्टॉकमार्केट' भी कहा जाता है। दोनों टर्मज़ को एक दूसरे के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में दो शेयर बाजार हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज। केवल सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों यानी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) आयोजित करने वाली कंपनियों के पास ऐसे शेयर हैं जिनका कारोबार किया जा सकता है।

फाइनेंशियल प्लानिंग में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं तभी तो कहलाती हैं 'गृहलक्ष्मी'

- महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम, देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसले लेती हैं
- भारत में निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60% से अधिक है, 56 महिलाएं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं

बचत

विनोद कौशिक

घर के साथ-साथ बच्चों, पैसों व फाइनेंशियल प्लानिंग के मामले में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं है, तभी तो उन्हें 'गृहलक्ष्मी' यानी घर की देवी भी कहा जाता है। वे जितना ध्यान बच्चों को संवारने में लगाती हैं उतना ही पैसा बढ़ाने में लगाती हैं। वे घर के खर्चों से भी कुछ न कुछ बचाकर रखती हैं और जरूरत पड़ने पर घर में आई आर्थिक विपदा को भी हर लेती हैं। इसलिए महिलाए पुरुषों से अधिक समझदार निवेशक हैं। अगर वे बचत को सही जगह निवेश कर दें तो पुरुषों के मुकाबले कहीं जल्दी पैसों को दोगुना करने की क्षमता रखती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक का दर्जा दिया है। आजकल महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। महिलाएं अब घर-परिवार और बच्चे के लिए यहां तक की अपने रिटायरमेंट की भी प्लानिंग कर रही हैं। वे पैसा बचाकर गोल्ड, एफडी, शेयर बाजार और म्युचुअल फंड जैसे कई विकल्पों में निवेश कर रही है। इस रिपोर्ट के जरिये हम जानेंगे कि महिलाएं बेहतर निवेशक क्यों हैं और वे कैसे अपने फंड और पोर्टफोलियो को मैनेज कर सकती हैं। घर संभालने के साथ साथ परिवार को आर्थिक संकट से कैसे बचाती हैं।

वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम

एक रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम होती हैं। देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं, जो घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसला लेती हैं। निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी है। लगभग 56 महिलाओं का कहना है कि वे भविष्य की वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए निवेश करती हैं।

रिटायरमेंट की प्लानिंग में भी पीछे नहीं

अधिकतर महिलाओं का कहना है कि वे इमरजेंसी की हालत से निपटने के लिए भी अलग से बचत करती हैं, ताकि जरूरत के समय उन्हें परेशान नहीं होना पड़े। इसके साथ ही रिटायर होने के बाद का समय अच्छे से बीते इसके लिए भी महिलाएं निवेश कर रही है। लगभग 83 फीसदी महिलाओं का कहना है कि रिटायर होने के बाद वे अच्छे से जीवन जीना चाहती हैं, इसलिए इसके लिए अलग से बचत कर रही हैं।

विशेषज्ञों से सलाह

महिलाएं निवेश करने से पहले विशेषज्ञों से सलाह लेना बेहतर मानती हैं। पांच में से तीन महिलाएं ऐसा करती हैं। उनका कहना है कि वित्तीय निवेशकों की बात माननी चाहिए, ताकि उनका निवेश का फैसला गलत साबित नहीं हो। इसमें वे विशेषज्ञों को अपने वित्तीय लक्ष्य और जरूरतों के बारे में अच्छे से बताकर सही जगह निवेश करती हैं। इससे वे आसानी से अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक माना गया है। वे परिवार को लेकर भी चिंतित रहती हैं।

जमकर कर रही निवेश

कहते हैं महिलाएं घर, बच्चे और अपने काम सभी की जिम्मेदारी अच्छे से निभा लेती हैं। अपने परिवार और बच्चों के भविष्य की वित्तीय जरूरतों को समझते हुए भी महिलाएं निवेश कर रही हैं। रिपोर्ट में सामने आया है की लगभग 37 फीसदी महिलाएं बच्चों के साथ अपने घर के बुजुर्गों के लिए भी निवेश कर रही हैं। अपने परिवार के सदस्यों पर वे बिना संकोच के खर्च करती हैं।

ये निवेश का पसंदीदा विकल्प

महिलाएं सबसे ज्यादा म्युच्युअल फंड, गोल्ड और एफडी में निवेश करती हैं। बैंक बाजार द्वारा किए गए एक सर्वे में यह सामने आया कि म्युच्युअल फंड में निवेश करने में महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। देश के 6 मेट्रो शहरों की महिलाओं पर किए गए सर्वे में यह सामने आया कि महिलाएं न निवेश कर रही है, बल्कि खुद का बीमा कराने में भी पीछे नहीं है।

सोने में निवेश

महिलाओं के निवेश करने के लिए सोना पहले से ही चला आ रहा है। पुराने जमाने में महिलाएं सोने में ही निवेश करती है। वहीं आज के समय में भी सोने में निवेश करना काफी समझदारी वाली बात है क्योंकि सोने की कीमत कभी घटती नहीं हैं। साल दर साल सोने के दाम बढ़ ही रहे हैं। ऐसे में सोने में महिलाओं को निवेश जरूर करना चाहिए।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

बेहतर रिटर्न पाने के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करना सबसे बेस्ट ऑप्शन होता है। महिलाएं केवल हर महीने 500 रुपये से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश शुरू कर सकती है। अगर महिलाएं हर महीने नियमित रूप से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करती हैं, तो कुछ ही सालों में महिलाएं काफी ज्यादा फंड इकट्ठा कर सकती हैं।

महिला सम्मान बचत योजना

अगर किसी महिला के पास इकट्ठा पैसा है, तो वह सरकारी महिला सम्मान बचत योजना में भी निवेश कर सकती है। सरकारी द्वारा चलाई जा रही महिला सम्मान बचत योजना में आप 2 साल के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकती है। इस योजना में आपको 7.5 प्रतिशत की दर से ब्याज का लाभ मिलेगा।

एलआईसी और एफडी जैसे ऑप्शन भी हैं बेस्ट

एलआईसी द्वारा महिलाओं के लिए कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं।महिलाएं इन योजना में निवेश करके भी अपना भविष्य सुरक्षित कर सकती हैं। इसके अलावा बैंक एफडी बेहतरीन निवेश का विकल्प है।

टॉप निवेश प्लान जो कुछ सालों में आपको दे सकते हैं अच्छा रिटर्न

- हमेशा धैर्य और संयम के साथ करते जाएं निवेश
- निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें

सुझाव

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या ऐसा प्लान बना रहे हैं तो कुछ नियम आपको अच्छी कमाई करवा सकते हैं। सिर्फ आपको लंबी अवधि के लिए संयम और धैर्य के साथ निवेश करना होगा। निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें। इससे आप बेहतर तरीके से निवेश कर पाएंगे। निवेशकों के पास अल्पकालिक वित्तीय लक्ष्य होते हैं। इसका विस्तार नई संपत्ति खरीदने से लेकर नया बिजनेस शुरू करने तक हो सकता है। वित्तीय लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। इसके लिए आपको निवेश को थोड़ा लंबी अवधि के लिए करना होगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं निवेश के कुछ ऐसे ही विकल्प जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकने मे सक्षम हैं और आपके वित्तीय लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं।

डायरेक्ट इक्विटी

अगर आपको फाइनेंशियल मार्केट की अच्छी जानकारी है, तो सही रिटर्न पाने के लिए डायरेक्ट इक्विटी में निवेश करना एक बेहतरीन निवेश हो सकता है। आप वित्तीय और आर्थिक परेशानियों को दूर करने और सही चुनाव करने के लिए उनकी रणनीतियों का मूल्यांकन करने के लिए अलग-अलग उद्योगों और उनके कार्य मॉडल को समझकर पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड ऐसे निवेशकों की मदद करते हैं, जिनका एक सामान्य वित्तीय उद्देश्य होता है, ताकि वे ज़्यादा रिटर्न के लिए वित्तीय साधनों में निवेश कर सकें। इसे एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एक पेशेवर द्वारा मैनेज किया जाता है और इसलिए इसे एक सुरक्षित निवेश साधन माना जाता है। आप स्टॉक, बॉन्ड या अन्य मनी मार्केट आधारित म्युचुअल फंडों में निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड को सेक्टर या मार्केट कैपिटलाइज़ेशन के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जा सकता है। कई तरह के म्यूचुअल फंड पांच सालों में रिटर्न पा सकते हैं, जैसे कि मल्टी-कैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मिड-कैप, शॉर्ट-ड्यूरेशन, गिल्ट आदि। अपने वित्तीय उद्देश्य का पता लगाएं और अपनी सामर्थ्य का विश्लेषण करें। फिर, मनचाहे रिटर्न पाने के लिए सबसे अच्छा म्यूचुअल फंड विकल्प का पता लगाने के लिए फंड की परफॉर्मेंस, खर्च का रेश्यो, और एंट्री और एग्जिट लोड का मूल्यांकन करें।

इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम

ईएलएसएस (इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम) एक सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान है जो म्यूचुअल फंड में आराम से और नियमित रूप से निवेश करने में मदद करता है, जैसे कि हर महीने पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान। यह सस्ता हो जाता है और पांच साल की पॉलिसी अवधि के दौरान निवेश पर रिटर्न देता है, बशर्ते आप सही चुनाव करें। मार्किट और आर्थिक उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए फ़ंड की विविधता अलग-अलग सेक्टरों में होनी चाहिए। ईएलएसएस में किए गए निवेश इनकम टैक्स अधिनियम, 1961 की धारा 80सी के तहत टैक्स कटौती के लिए भी पात्र होंगे।

यूलिप प्लान: यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) एक कॉम्प्रिहेंसिव लाइफ इंश्योरेंस प्लान है, जिसमें दोहरे फ़ायदे मिलते हैं. प्रीमियम का एक हिस्सा लाइफ कवर देता है, और दूसरा मेच्योरिटी होने पर बाजार से जुड़े रिटर्न के लिए वित्तीय सिक्योरिटीज में निवेश करने में मदद करता है। इसमें पांच साल का लॉक-इन पीरियड होता है और, लाइफ इंश्योरेंस प्लान में की गई सेविंग्स और भुगतान से मिलने वाले फ़ायदों पर इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की धारा 80सी और धारा 10 (10डी) के तहत टैक्स कटौती और छूट का फायदा मिलता है। लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर जोखिम कारकों के आधार पर फंड के कई विकल्प प्रदान करते हैं। इसलिए, जब आप यूलिप प्लान में निवेश करते हैं, तो आप जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर, निवेश के प्रकार, जैसे कि इक्विटी, डेब्ट या हाइब्रिड के बारे में फैसला कर सकते हैं।

गारंटीड रिटर्न प्लान्स : अगर आप मंथली इनकम वाले निवेश प्लान की तलाश में हैं, जो 5 साल में रिटर्न दे सके, तो गारंटीड रिटर्न इंश्योरेंस प्लान एक उपयुक्त विकल्प है। यह मैच्योरिटी बेनिफ़िट के तौर पर लाइफ़ कवर और गारंटीड रिटर्न दे सकता है। चूंकि रिटर्न की गारंटी होती है, आप अपने पैसे के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ज़रूरी फ़ंड की सीमा और पॉलिसी अवधि के बारे में फ़ैसला कर सकते हैं। इंश्योरर रेगुलर इनकम, लम्पसम या दोनों विकल्पों के कॉम्बिनेशन के तौर पर भुगतान प्राप्त करने का विकल्प प्रदान करते हैं।

रियल एस्टेट: पांच सालों में रिटर्न पाने के लिए भारत में रियल एस्टेट लाभदायक निवेश विकल्प है। रियल एस्टेट निवेश से रेंटल इनकम या पूंजी में बढ़ोतरी के तौर पर रिटर्न मिल सकता है। यह मूल्य व किराये से होने वाली इनकम का निर्धारण करने वाला कारक है।

गोल्ड : ज्वेलरी के तौर पर गोल्ड खरीदने के अलावा उसे अपने पास रखने के अलग-अलग तरीके हैं, जैसे कि गोल्ड के सिक्के, पेपर गोल्ड, आदि। यह एक और मूल्यवान रिटर्न निवेश विकल्प है, जिस पर 5 सालों में रिटर्न मिल सकता है। आप एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स को भी खरीद सकते हैं और बेहतर रिटर्न के लिए उन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड कर सकते हैं। हालांकि मूलभूत संपत्ति के तौर पर गोल्ड के साथ इन स्टॉक्स को खरीदने और बेचने के लिए कुछ जानकारी की आवश्यकता होती है, लेकिन अगर आपको यह सही लगे तो लंबी अवधि में इसके मूल्य में वृद्धि हो सकती है।

08- MAR- K&C- MAIN- Pg- 8 CLASSI-SEHSH_Layout 1 3/9/2025 12:20 AM Page 1

प्रथम पृष्ठ का शेष

रायपुर में मैच...

होने के बाद हर रन, चौके या छक्के के लिए सट्टा लगाया गया। हरिभूमि संवाददाता ने इस सट्टेबाजी की पड़ताल की। मुंबई में इंटरनेशनल मास्टर्स लीग की शुरुआत से ही ऑनलाइन सट्टे का बाजार भी गर्म हो गया था। रायपुर में भी ऑनलाइन सट्टेबाजों के साथ-साथ लोकल सट्टेबाज भी लीग मैचों पर दांव लगा रहे हैं। लीग मैच में भारत के क्रिकेट दिग्गज सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह, और यूसुफ पठान सहित विदेशी देशों के प्रमुख खिलाड़ी भी खेल रहे हैं। इसके कारण देश में सट्टा बाजार में करोड़ों का कारोबार बढ़ गया है। देश के बड़े सट्टेबाजों की नजरें सीधे इस लीग पर टिकी हुई हैं।

हर मिनट बदलता...

पैसे का मुनाफा हो सकता था। वहीं, टॉस के समय सट्टे का भाव दोगुना मिल रहा था। 1000 में सीधा मुनाफा 2 हजार का था। मैच के दौरान हर ओवर के साथ-साथ विकट, रन, चौके और छक्कों पर सट्टे का रेट हर मिनट बदलता रहा। यह दर्शाता है कि बड़ी संख्या में सट्टेबाज सक्रिय रूप से पैसे लगा रहे थे, जिससे सट्टेबाजों की सक्रियता और इस खेल पर उनकी निगाहें साफ तौर पर दिख रही थीं।

रायपुर में 16 मार्च...

के विभिन्न हिस्सों में सट्टे का कारोबार फिर से बढ़ने की संभावना है।

किसी ने कहा...

का कहना है कि लड़कियों की उम्र का सत्यापन कराया जा रहा है। वे सभी आर्केस्ट्रा में नाचने का काम कर रही थीं। हरिभूमि की टीम ग्राम थनौद पहुंची। एक नाबालिग के घर पहुंचे तो आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। नाबालिग के रिश्तेदार थे। घर पर उसकी मां थी। घर की हालत गरीबी और मजबूरी बयां कर रही थी। टूटा-फूटा और जर्जर क्वार्टर था। बताया कि डाक्टर नामक व्यक्ति अपने साथ आर्केस्ट्रा में काम के बहाने लेकर गया था। काम मिलने और रोजी रोटी के जुगाड़ की आस में वह बिहार चली गई। थनौद में दो नाबालिग बिहारी गई हैं। दोनों नाबालिग को बिहार पुलिस ने रेड लाइट एरिया से बरामद किया है। बिहार पुलिस से सूचना मिलने के बाद अंजोरा पुलिस टीम दोनों को दुर्ग जिला लाने बिहार के लिए रवाना हो गई है। दोनों नाबालिग अगस्त 2024 से बिहार गई हुई है जो होली पर्व में घर लौटकर आने वाली थी लेकिन रेड लाइट एरिया में मिलने के बाद तरह-तरह की चर्चाएं गांव में चल रही हैं। दोनों के घर लौटने के बाद ही स्पष्ट जानकारी मिल पाएगी। फिलहाल पुलिस इसे गंभीरता से लेते हुए जिले से लापता होने वाले लोगों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

दूसरी बार आर्केस्ट्रा में गई उस्कान.-उस्कान (बदला नाम) के परिजनों ने बताया कि साथ में पुष्पांजली भी गई हुई थी। उस्कान दूसरी बार आर्केस्ट्रा में नाचने के लेकर जाया गया। इसे दोनों बार एक्सट्रा रुप से लेकर जाया जाता था। पहले भी रुपए नहीं दिए थे, इस भी आर्केस्ट्रा के नाम पर लेकर गए। परिवार में 6 भाई और इकलौती बहन उस्कान है। इसके पिता का निधन पहले हो चुका है। परिवार कबाड़ का काम करता है। जैसे तैसे परिवार का खर्चा चलता है। थनौद में पुष्पांजली और उस्कान आसपास ही रहा करते है। डॉक्टर नामक व्यक्ति और उस्कान को अपने साथ लेकर गया। अब उसका मोबाइल भी नहीं लग रहा है। परिवार के लिए काफी चिंतित है। बेटी के आने का इंतजार कर रहें है। जांजगीर - चाम्पा। जिले की 3 नाबालिग लड़कियों को बिहार के रोहतास जिले के रेड लाइट एरिया से बरामद किया गया है। लड़कियों को सकुशल वापस लाने के लिए पुलिस की टीम भेजी गई है। दरअसल बिहार के रोहतास में पुलिस टीम ने गुरुवार को रेड लाइट एरिया में छापामार कार्रवाई की। इस दौरान छत्तीसगढ़ की 41 नाबालिग लड़कियां मौके से बरामद हुई। इनमें जांजगीर चाम्पा जिले की भी 3 नाबालिग लड़कियां शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इन लड़कियों को काम के बहाने ले जाया गया था और देह व्यापार में धकेल दिया गया था। अब लड़कियों को रोहतास से सकुशल लाने के लिए छत्तीसगढ़ से एक स्पेशल टीम भेजी गई है। लड़कियों के वापस आने के बाद पूछताछ करने पर स्पष्ट हो पाएगा कि उनको रोहतास लेकर कौन गया था, और वे इनके चंगुल में कैसे फंसी। पूछताछ के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर लड़कियों को उनके गृहग्राम भेजा जाएगा।

भेजी है टीम-जांजगीर चापा के एसपी विवेक शुक्ला ने बताया कि बिहार के रोहतास में जिले की 3 नाबालिग लड़कियां मिलने की जानकारी मिली है। लड़कियों को वापस लाने पुलिस की टीम भेजी गई है। लड़कियों से पूछताछ के बाद ही सारी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

बिलासपुर और मुंगेली की भी तीन लड़कियां-

रोहतास में एक आयोजन के दौरान पुलिस ने छापा मारकर नाबालिग जिन बच्चियों को पकड़ा गया है, उसमें एक बिलासपुर और तीन मुंगेली की बताई जा रही हैं। बिलासपुर एसपी रजनेश सिंह ने बताया जिले की बच्ची के होने जानकारी मिली है, अधिकारिक सूचना नहीं दी गई है। मुंगेली सरगांव की 3 नाबालिग बच्चियां हैं, सरगांव पुलिस ने पता किया तो परिजन उनके साथ में है। उनका काम डांस करना है, वह डांस करने हमेशा बाहर जाती रहती हैं।

मारो में हरिभूमि...

जाते हैं। बालिका उसी के लिए गई होंगी। हालांकि गांव में कई तरह की चर्चाएं भी चल रही हैं। ग्रामीण कुछ भी करने से बचते नजर आए। तफ्तीश में पाया कि जिस परिवार की किशोरियां बिहार गई उनकी आर्थिक हालात ठीक नहीं थी। पूरा परिवार रोजी रोटी के लिए बाहर जाता रहा है।

दीदी-जीजा के...

बात नहीं हो पाई है। पुष्पांजली के जीजा से हरिभूमि ने बातचीत करने पर उसने बताया कि वो काम पर गया था कुछ सामान लेने के लिए दुकान गई थी। जहां बिहार के रोहतास जिले के नटवार थाना क्षेत्र की पुलिस ने साली को लेकर गई। उसके साथ एक युवती और पकड़ाई है।

मार्च में ही सूखे...

को लेकर प्रदेश के कई इलाकों का मुआयना किया। जिसमें यह बात निकलकर सामने आई कि राजनांदगांव के सड़क अतरिया में कई गांव में पेय एवं निस्तारी जल की समस्या गंभीर हो गई है। क्षेत्र के सड़क अतरिया, बेलगांव, संड़ी, पंडरिया, ओटेबंद, रैमडवा, मानपुर, चकनार, दौजरी सहित ऐसे दर्जन भर से अधिक गांव हैं, जहां गांव के आधे से अधिक बोर से पानी निकलना बंद हो चुका है, कुआं सूखे चुके हैं। हैंड पम्प दम तोड़ रहे हैं। पैलीमेटा, जीराटोला जलासय के आस पास के गांव में अब तक जल स्तर बेहतर बना हुआ है। शेष गांवों में पेय एवं निस्तारी जल की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है।

भिलाई में किसानों ...

में जलसंकट की स्थिति अभी से साफ नजर आ रही है। धमधा ब्लाक के अधिकांश गांवों में तालाब सूखने लगे हैं और हैंडपंप के जलस्तर नीचे आ गए हैं। धमधा के विवेक अग्रवाल का कहना है कि उन्होंने घर में हैंडपंप का जलस्तर कम होने की वजह से पानी नहीं आने से नया हैंडपंप लगाने बोर के लिए मशीन लगवाई, लेकिन 450 फीट बोर कराने के बाद मात्र काम चलाने जल का स्रोत मिला है।

बेमेतरा में खेती-...

गया है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में 150 से 200 के बीच वाटर लेबल डाउन हो गया है। वाटर लेबल डाउन होने पर कृषि कार्य में पानी को लेकर समस्या उत्पन्न हो रही है। वे किसान सबसे ज्यादा परेशान हैं जो रवि की फसल ले रहे हैं, क्योंकि खेतों में सिंचाई के लिए लगे बोर पंप बंद हो गए हैं। फसलों को जीवित रखने किसानों के माथे पर चिंता की लकीर उत्पन्न हो गई है। ग्रामीण रामलाल, किशुन साहू, संतन सिंह का कहना है कि सरकार को गर्मी के दौरान धान की खेती करने पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में 50 प्रतिशत कृषक धान की खेती में लगे हैं। जिसके चलते वाटर लेबल नीचे चला जाता है। जिससे फसलों के साथ साथ पेयजल में भी संकट उत्पन्न हो जाता है।

यहां लाल पानी ने...

नीचे चले जाने से ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए मीलों पैदल दूरी तय करना पड़ता है, तब कही जाकर पीने का पानी नसीब हो पाता है। ओड़ आमामोरा के सिर्फ नगराल गांव में ही जल जीवन मिशन योजना का लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है, बाकी ओड़, आमामोरा, कुकराल, हथोड़ाडीह, जोकपारा में गर्मी के शुरूआती दिनों में ही पेयजल को लेकर गंभीर संकट है।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com
Classified
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- नमामी प्लास्टिक में HDPE पाईप के सेल्समेन कार्य हेतु अनुभवी व्यक्ति चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार पता- 72 सी, सेक्टर-बी, दैनिक भास्कर प्रेस के पास, इंडस्ट्रीयल एरिया सिरगिट्टी बिलासपुर 8098797774 **(37070)**

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है कम्प्यूटर जानकार एवं अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8349490519 **(37066)**

आवश्यकता है- इनोवा कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है अनुभवी, शिक्षित एवं नशा मुक्त, पत्नी के लिए भी काम, रहने का घर उपलब्ध। सम्पर्क करें- विद्या चरण वर्मा 7000785661 **(37062)**

आवश्यकता है- 60 वर्षीय वकील महिला की देखभाल हेतु 30 से 35 वर्षीय महिला चाहिए। वेतन 6000, कार्य समय शाम 5बजे से सुबह 7बजे तक सम्पर्क करें- सोनगंगा कॉलोनी बिलासपुर 869759897, 9893968977 **(37061)**

आवश्यकता है- घर में खाना एवं अन्य कार्यों हेतु लड़की/ महिला की आवश्यकता है (कार्य समय सुबह 7बजे से शाम 7बजे तक) निवास-शुभम विहार, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9668489148, 9424143327 **(37064)**

आवश्यकता है- रोजगार मेला छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के लिए मेल/फिमेल सुरक्षा गार्ड, बाउसंर, गनमैन, वेटर, हाउस किपिंग ड्राइवर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, मैनपावर, रिसेपनिस्ट, नर्सिंग स्टाफ, ऑफिस कार्य, होम केयर पता C.C. Secwity क्रोमा शोरूम में पीछे, भाटागांव रायपुर (छ.ग.) 7974947895, 6266525231 **(4904)**

आवश्यकता है-जिम और होटल में रिसेप्शनिस्ट, बिलिंग झाड़ू, पोंछा, बर्तन धोने हेतु लड़कों/ लड़कियों की वेतन 7000 से 10000 सम्पर्क- बॉडीलाइन फिटनेस जिम मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 7987619998, 95847 00660, 9907900881 **(37049)**

Wanted- Teacher Graduate in science, maths, arts with D.el.ed/ B.ed (English medium). experience in English medium CBSE pattern school. Contact- Rejoice public school, SVBP nagar sada colony korba west **70006 79799** rejoice.school korba@gmail.com. **(20775)**

आवश्यकता है- हॉस्टल साफ सफाई (सुबह 9 से शाम 5 तक) काम करने हेतु कर्मचारी चाहिए। सम्पर्क- मित्र विहार कालोनी, स्काई जिम के बगल वाली गली में, लिंक रोड बिलासपुर 9340969592, 7828803577 **(37063)**

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में आर्डर बुकिंग, पेमेंट कलेक्शन हेतु सेल्समैन की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर 98274 97711 **(37067)**

आवश्यकता है-महिलाओं के लिए खास बीमा सखी बनने का अवसर। मानदेय 7000 रुपए प्रतिमाह सम्पर्क करें- स्मिता तिवारी दुबे 8839185098 **(37057)**

आवश्यकता है-विज्ञापन एजेंसी में सुपरवाइजर, प्यून, ड्राईवर, इलेक्ट्रीशियन, फ्लैक्स माउंटिंग हेतु लड़के, एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- यूनिवर्सल ट्रेडर्स, मेडिकल काम्प्लेक्स बिलासपुर **(37047)**

आवश्यकता है-अनुभवी नशामुक्त कार ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 15000 प्रतिमाह सम्पर्क करें- लक्ष्मण सीमेंट सदर बाजार, करोना चौक बिलासपुर **(36997)**

आवश्यकता है-तिफरा इंडस्ट्रीयल एरिया में स्थित फ्रिज, टीवी के थोक व्यवसाय के गोदाम में काम करने हेतु एक सुपरवाइजर एवं हमाली कार्य करने वाले हमाल की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7898204420 **(37053)**

आवश्यकता है-इनोवा ऑटोमैटिक कार चलाने के लिए 1 ड्राइवर की आवश्यकता है। गाड़ी अनिवार्य। अनुभव 3 से 5वर्ष। सम्पर्क करें- नर्मदा नगर, बिलासपुर 9131312593 **(37046)**

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़के और लड़कियां,कार्य-पिकर, चेकर,लोकल डिलीवरी,पैकर, की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, मेडिकल काम्प्लेक्स होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर **(37050)**

Wanted-Bilaspur based road construction company requires Qualified Senior Civil Engineer (Exp 7-10 years in Road & structure). Contact--11am to 6pm **91744 70000**Email-resume.anandi@gmail.com **(37044)**

आवश्यकता है-ऑफिस मैनेजमेंट के लिए लड़की सुशिक्षित एवं कंप्यूटर अनुभवी की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्रीबालाजी कंस्ट्रक्शनस होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर 7974086925 **(37051)**

आवश्यकता है-विद्यालय में कार्य करने हेतु टीचर्स, ड्राइवर, गार्ड, एवं मार्केटिंग हेतु फ्रेशर लड़के लड़कियों की। सम्पर्क करें- सुबह 9 से 2बजे संस्कार स्कूल बाजार के सामने उसलापुर 7440549466, 7000737657 **(37039)**

आवश्यकता है-ट्रेक्टर ट्राली, वाटर टैंकर एवं अन्य कृषि उपकरण बनाने हेतु अनुभवी मिस्त्री या ठेकेदार की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9827683510, 98278 92413 **(37012)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में बिजली रिपेरिंग, फिटिंग साईड में कार्य हेतु लड़के एवं कम्प्युटर वर्क हेतु लड़की, लड़के की सम्पर्क- अरूण इलेक्ट्रीकल्स चंद्रा पार्क के सामने बृहस्पति बाजार रोड बिलासपुर 78691 02080 **(37043)**

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड हाऊस कीपिंग की तत्काल भर्ती बिलासपुर, पुराना बस स्टैण्ड, कोनी, तिफरा, व्यापार विहार बिल्हा मोड़, हेतु वेतन 9000 से 12000, आवास मुफ्त सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें-9993336942, 9589316942 **(37037)**

आवश्यकता है-सीमेन्ट की मार्केटिंग करने हेतु अनुभवी सेल्समैन की जो 3वर्ष का अनुभव हों को प्राथमिकता आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क ममता ट्रेडर्स मोपका बिलासपुर 99934 43207, 9300307926 **(37042)**

आवश्यकता है-मंत्रा इलेक्ट्रीक ऑटो शोरूम में निम्न पदों की आवश्यकता है सेल्समैन-5, मैकेनिक-5, ड्राइवर-2, हेल्पर-5 सम्पर्क करें- 9039140362, 73891 45700, 7898869370, 9303555032 **(37038)**

आवश्यकता है-स्पा एण्ड सेलून में काम करने के लिए तोरवा और व्यापार विहार में महिला टेलीकॉलर, महिला थैरेपिस्ट एवं महिला हाउस कीपिंग की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क कर रें - 6399166000 **(37041)**

आवश्यकता है-फैक्ट्री होटल हेतु सुपरवाइजर, सुरक्षागार्ड, लेडीगार्ड, मार्केटिंग अधिकारी योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर गार्ड ऊंचाई 5'7" वेतन 12000 से 15000 सम्पर्क-Alert SGS Private Limited, 434, चतुर्थ तल, प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर 77460 00016, 8720005500 **(3160)**

आवश्यकता है-दवाई दुकान हेतु कम्प्यूटर में दक्ष कर्मचारी फार्मासिस्ट को प्राथमिकता सेलरी योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुबह 9-10 बजे दुर्गा मेडिकल स्टोर जय अम्बे नेत्रालय रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर 9407728300, 8085521180 **(37045)**

आवश्यकता है-टेलीकॉलिंग, ऑफिस कार्य हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़कियां, महिलाएं चाहिए सैलरी 5000 +कमीशन +वीकली +बोनस काम सीखने के बाद 20000 से 30000 पता-सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर 93434 25005, 7489824791 **(37054)**

आवश्यकता है-मॉट्रिमोनी में कार्य हेतु 18 से 30 वर्ष की युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी- 5000 से 20000 कमाने का अवसर, सम्पर्क करें- पत्रकार कॉलोनी आरबी हॉस्पिटल के पास 6268331784, 7987392821 **(3353)**

आवश्यकता है-नौकरी ही नौकरी तहसील स्तरीय भर्ती पद संख्या 975 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली सिपाही ड्राइवर वेतन 27500+52400 तक आवेदन करने के लिए आधार कार्ड मार्कशीट पैन कार्ड व्हाट्सएप करे 7460994309 **(716)**

आवश्यकता है-कपड़े के शोरूम में कार्य करने के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 11000 तक सम्पर्क करें:- रूपवर्षा,गोल बाजार सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827163669 **(37013)**

आवश्यकता है-सीमेंट मार्केटिंग एवं बिजनेस बढ़ाने हेतु अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है न्यूनतम अनुभव 3वर्ष, आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार। शीघ्र सम्पर्क करें- मीनाक्षी सेल्स, पुराना हाईकोर्ट के सामने, बिलासपुर 9754002100 **(36865)**

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 7866031540 **(721)**

आवश्यकता है-थोक दवाई दुकान में माल निकालने/ जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सलुजा मेडिकल एजेंसी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर **(3350)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28वर्ष की लड़कियां एवं महिलाएं चाहिए सैलरी 5000+ कमीशन, समय 10 से 5:30 सम्पर्क करें- अमेरी चौक बिलासपुर 6264979081 **(3358)**

Wanted-Hiring a Business Development Officer (Manager /Deputy Manager) Key Responsibilities- Identify new business opportunities and drive growth Develop strategies to increase revenue Collaborate with teams on proposals and solutions Requirements- Degree in Business/ Marketing or related field Proven 5+ Years of sales experience and strong communication skills Why Join us- Competitive salary & incentives and other benefits Opportunity for career growth location-Korba, Champa, Raigarh, Manen-dragarh Contact-79700 10958 **(3351)**

बेचना है

बेचना है-नेहरू नगर में प्लाट 5800 फिट 3 मंजिल मकान इमलीपारा 700 फिट प्लाट, 2 मंजिल मकान वृंदावन कॉम्प्लेक्स 3 दुकान तेलीपारा में प्लाट 16×88 मैग्नेटो मॉल के सामने फर्स्ट फ्लोर 556 फीट फुली फर्निश्ड ऑफिस सरकंडा पूजा पार्क 3BHK फ्लेट सम्पर्क करें- 9302855022 **(37048)**

बेचना है-वैष्णव देवी मंदिर, एसएस हायर सेकेंडरी स्कूल निर्माणाधीन सेंट्रल जेल के आगे डामर रोड ऊपर पौसरा नगोई बिलासपुर में 5.44 एकड़ बोर पंप सहित, तत्काल खरीदी में रजिस्ट्री खर्च फ्री सम्पर्क- 9575788444, 98279 73060 **(3355)**

बेचना है- बिक्री (सुसज्जित ऑफिस) एज कमर्शियल कॉम्प्लेक्स (एज बिल्डिंग) विधान सभा रोड, मोवा रायपुर में स्थित सुसज्जित ऑफिस (386 वर्गफीट) बेचना है। खरीददार संपर्क करें 70679 25702,9425532376 कृपया ब्रोकर संपर्क न करें। **(4903)**

बेचना है-बिलासपुर में गोकुल धाम में सर्वसुविधायुक्त 2BHK, 25×40= 1000 वर्ग फीट में बना हुआ नव निर्मित मकान 28 लाख रुपए में बेचना है सम्पर्क करें- 9340252857 **(36988)**

बेचना है- मोपका से 10 किलो मीटर आगे सीपत में मेन हाइवे में 1000, 2000, 3000 वर्गफीट के शानदार प्लॉट बेचना है बैंक, ढाबा या शॉप के लिए उपयुक्त सम्पर्क करें- 6399166000 **(37056)**

बेचना है- टिकरापारा मन्नू चौक स्थित वैशाली वैलेन्सिया में 4th फ्लोर 3BHK फ्लैट नम्बर 405, बिल्टअप एरिया-101.68 वर्गमीटर पूरा इंटीरियर किया हुआ फ्लैट बेचना है। सम्पर्क करें- 8377001716, 9643808995 **(37068)**

बेचना है- ओम नगर, जरहाभाठा जेपी वर्मा कालेज के पीछे मेन रोड पर 3000 वर्गफुट में बना 4BHK स्वतंत्र मकान खुली जमीन के साथ बेचना है। सम्पर्क करें- 7988955111, 7024058735 **(37060)**

किराया

किराया- बिलासपुर नेहरू नगर में परिजात एक्सटेंशन में स्थित 1BHK, 2BHK, 3BHK, 4BHK, 5bhk बिजली पानी सुरक्षा पार्किंग की उत्तम व्यवस्था के साथ मकान किराए से देना है सम्पर्क करें- 8817680657 **(37069)**

किराया-VR Plaza Link Road में First Floor में 250 वर्गफुट शानदार आफिस किराये से देना है सम्पर्क करें- 7412933333 **(36987)**

किराया-प्राइम लोकेशन विजयापुरम फेस-2 हेल्थ एंड वॉच जिम, एसईसीएल हेड ऑफिस साइंस कॉलेज के सामने सीपत रोड बिलासपुर में 1BHK, 2BHK सर्वसुविधा युक्त मकान/ फ्लैट किराए से देना है। सम्पर्क करें- 93008 78897 **(3354)**

किराया- तिफरा में 10000 वर्गफुट का गोडाउन (बेस्ट लोकेशन टाइल्स शोरूम) टाइल्स अथवा अन्य व्यावसायिक उपयोग हेतु किराए से देना है सम्पर्क करें- 9826191897 **(37065)**

व्यापार

व्यापार-अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं 30000 से 50000 प्रति माह कमाएं आटो मेटिक मशीन द्वारा दोना पत्तल डिस्पोजल बनायें कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट सम्पर्क करें-APS इंटरप्राईजेस रायपुर- 9111760925, 7477221345, बिलासपुर- 8359913999, 95892 88936 रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871 **(3194)**

वधु चाहिए

वधु चाहिए
गुजराती 44/ 5'11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000/- मासिक, युवक हेतु, उच्च जाति बंधन नहीं (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें)
सम्पर्क करें
9827114645
9131139179

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

Medicare Specialists
चिकित्सा मे अचूक प्रामाणिक प्रयोग
यदि आप सभी उपाय एवं ईलाज कराकर थक गये हो। ना ही दवा को आप छोड़ पाते है ना ही दवा आपको छोड़ता हो बीमारी बार-बार होता हो तो रस रसायन एकमात्र उपाय है। ये सदा के लिए रोग से मुक्ति दिलाकर नवजीवन प्रदान करता है। क्योंकि यह वीर्य के निर्माण के साथ इम्यून सिस्टम में काम करता है जो अचूक है। यह रोग ही नही कारण को दूर करता है।
रस-रसायन अर्थात आयुर्वेद के रस भस्म थोड़ा महंगा परंतु सटिक प्रमाणिक चिकित्सा है। जो रोगी के शरीर मे जाने पर चूक नहीं सकता परंतु वात पित्त कफ से सबंधित रोग का निर्णय दवा का गुण एवं सटिक मात्रा की जानकारी होना आवश्यक है।
(1) समस्त प्रकार के लाईलाज चमड़ी रोग सोरायसिस, जोड़ो में दर्द, उंगलियों का टेढ़ा होना, नाखूनों का सड़ना।
(2) समस्त प्रकार के वायरस-जन्य रोग हेपाटाइटिस (ABC) हर्पिस रोग (स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने-फुंसी, छाले चमड़ी का फटना, लाल होना, रुबेला) जीवाणु जन्य रोग, सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक)
(3) समस्त प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी एवं यौन रोग। नोट: पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग(इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आजतक कोई भी उपाय नहीं है। सावधान!
बायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल
फार्मा साईंटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग,।
मोबा.: 9425555659, 9617789223, 9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

तरकश

संजय के दीक्षित

सड़क पर अफसर, बंगले में मंत्री

पिछली कांग्रेस सरकार में चीफ सेक्रेटरी का इयरमार्क बंगला एक मंत्री को दिया गया तो ब्यूरोक्रेसी स्तब्ध रह गई थी. चीफ सेक्रेटरी सिर्फ प्रशासनिक मुखिया नहीं नौकरशाही का गुरुर होता है, उसका आवास छीन जाने पर ब्यूरोक्रेसी पर क़्या गुजरी, उसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता. इसी तरह का एक वाक्या रायपुर से सटे जिले में हुआ है. मंत्री जी के लिए जिला पंचायत के सीईओ को बंगले से रुख़सत होना पड़ गया. चीफ सेक्रेटरी एपिसोड में राहत की बात ये थी कि अजय सिंह पद से हट चुके थे. इसी बीच बंगले का बोर्ड बदल दिया गया. यह मामला ज्यादा संजीदा है. जिला पंचायत सीईओ हाल ही में ट्रांसफर होकर आए थे. सरकारी बंगले में जैसे ही सामान जमाकर उसका सुख लेते, तब तक बेदखली का फरमान आ गया. दूसरा कोई कलेक्टर होता तो अपने सीईओ के सम्मान के लिए कुछ प्रयास करता, मगर उन्होंने तगादा कर और जल्दी मकान खाली करा दिया. ऐसे में सीईओ बेचारे क़्या करते. गृहस्थी का सामान क्लब में रखवा सर्किट हाउस में शरण लिए हैं.

सस्पेंशन...सजा या मजा

सरकारी मुलाजिमों के कदाचरण के केस में सस्पेंशन उस दौर में कार्रवाई मानी जाती थी, जिस समय सामाजिक प्रतिष्ठा नाम की कोई चीज होती थी। अब तो सस्पेंशन में अधिकारियों, कर्मचारियों को आधा वेतन मिल जाता है और जो पैसे कमाए हैं, उसे ठिकाने लगाने के लिए समय भी। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 साल से यही देखने में आ रहा...किसी बड़े स्कैम में अगर कोई अफसर 25-50 करोड़ कमा लिया तो इसमें से दो करोड़ खर्च करके रिस्टेट हो जाएगा और फिर अच्छी पोस्टिंग भी मिल जाएगी। राज्य प्रशासनिक सेवा का अफसर अगर सस्पेंड हुआ तो आगे चलकर आईएएस भी बन जाता है। अभनपुर के चर्चित भारतमाला परियोजना मुआवजा स्कैम में सस्पेंड हुए एसडीएम जोर-जुगाड़ लगाकर जगदलपुर जैसे नगर निगम कमिश्नर की पोस्टिंग पा गए थे। आगे चलकर वे आईएएस भी बन जाए, तो कोई आश्चर्य नहीं। रायगढ़ के एनटीपीसी के लारा मुआजवा स्कैम में तत्कालीन एसडीएम सस्पेंड हुए, फरारी काट कर आए। बाद में उन्हें क्लीन चिट मिल गया। अब वे आईएएस भी बन जाएंगे। क्योंकि, उसी क्लीन चिट के आधार पर यूपीएससी ने उनका आईएएस अवार्ड रोका नहीं, बल्कि उनकी सीट रिजर्व रख दिया है। बहरहाल, ये स्थिति पूरे देश की अफसरशाही की है। करप्शन उजागर होता है, मीडिया में खबरें छपती है...अच्छी सेटिंग नहीं तो अफसर सस्पेंड होता है। उसके बाद बहाल होकर फिर वही काम। छत्तीसगढ़ में कौवा मारकर टांगने का मुहावरा भी फेल हो गया है। दो आईएएस समेत दर्जन भर अफसर इस समय जेल में हैं, उसके बाद कौन सा करप्शन रुक गया। सरकार में बैठे लोगों को अब कुछ नया सोचना पड़ेगा.

राडार पर मंत्रियों के पीएस

10 में से करीब आधे मंत्रियों के यहां ई-ऑफिस पर काम होने लगा है। याने नोटशीट से लेकर आदेश अब ऑनलाईन हो गए हैं। मगर अभी भी कुछ मंत्री इसमें दिलचस्पी नहीं दिखा रहे। कुछ मंत्रियों के पीए नहीं चाहते कि सिस्टम ऑनलाइन हो। इसमें सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि ई-ऑफिस के बाद मंत्रियों के यहां फाइलें रोकी नहीं जा सकेंगी। इस समय सबसे तेज काम सीएम सचिवालय में हो रहा है। सीएम के यहां फाइलें इतनी फास्ट हो रहीं कि एक से डेढ़ दिन में उसे डिस्पोज कर दिया जा रहा। पीएस टू सीएम सुबोध सिंह खुद देख रहे हैं कि फाइलों में अनावश्यक विलंब न हो। मगर कई मंत्रियों के यहां अभी भी फाइलें डंप हो रही हैं। मंत्रियों के पीए की कारस्तानियां सीएम सचिवालय की नोटिस में है। पता चला है, विधानसभा सत्र के बाद इस पर कार्रवाई होगी। पहले मंत्रियों की नोटिस में इसे लाया जाएगा। यदि इसमें सुधार नहीं हुआ तो जीएडी उनकी छुट्टी करेगा। जाहिर है, शिकायत मिलने पर सरकार इससे पहले दो मंत्रियों के पीएस को हटा चुकी है।

मंत्रियों का प्रदर्शन

पिछले हफ्ते तरकश में एक सवाल था...10 में से आठ मंत्री सरकार के लिए लायबिलिटी हो गए हैं। खैर इस पर चर्चा कभी बाद में। अभी हम विधानसभा में मंत्रियों के प्रदर्शन की बात कर रहे हैं। सदन में जो हाल भूपेश बघेल के मंत्रियों का था, वही हाल विष्णुदेव मंत्रिमंडल का है। खासकर, तीन मंत्रियों का परफार्मेंस इतना खराब है कि प्रश्नकाल में उनकी निरीह हालत देखकर दया आ जाएगी। तीनों हर सवाल में घिरते हैं। इस सत्र में मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का प्रदर्शन काफी सुधरा है। उनका हेल्थ विभाग जैसा भी हो मगर सदन में कंफिडेंस के साथ जवाब देने में वे निपुण हो गए हैं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री से लेकर कई मंत्रियां की गैर मौजूदगी में श्यामबिहारी को प्रश्नकाल में जवाब देने का दायित्व सौंपा जा रहा है। 7 मार्च के प्रश्नकाल पर सबकी नजर थी। सवाल सबसे चर्चित स्कैम सीजीएमएससी के रीएजेंट खरीदी से जुड़ा था। इस पर वे अजय चंद्राकर जैसे विधानसभा के सबसे फास्ट बॉलर को झेल गए। विपक्ष के विधायकों की बात करें तो बजट सत्र में उमेश पटेल का आश्चर्यजनक ढंग से प्रादुर्भाव हुआ है। उमेश बिना उत्तेजित या धैर्य खोते हुए टू द प्वाइंट प्रश्न पूछ रहे हैं, बल्कि दूसरे के प्रश्नों में पूरक प्रश्न भी कर रहे। बुजुर्ग महिलाओं को महतारी वंदन में 500 रुपए काटकर भुगतान करने का उन्होने प्रश्न उठाया और महिला विकास मंत्री ने कहा कि वे इसे ठीक कराएंगी। इसी तरह सत्ता पक्ष के सुशांत शुक्ला ने भी सर्पदंश की आड़ में करोड़ों के मुआवजा बांटने का मुद्दा उठाकर ध्यान खींचा।

मई के बाद बड़ी सर्जरी?

जैसी खबरें थीं, सरकार ने दो कलेक्टरों ही की पोस्टिंग की। वो भी दोनों जिलों के कलेक्टरों के डेपुटेशन पर जाने की वजह से। बहरहाल, 21 मार्च तक विधानसभा का बजट सत्र चलेगा। 24 को राष्ट्रपति आ रही हैं। 30 मार्च को पीएम नरेंद्र मोदी आएंगे। इसके बाद अप्रैल में सरकार गांवों में विकास कार्यों की मानिटरिंग से संबंधित योजना पर विचार कर रही है। इसमें मुख्यमंत्री के साथ ही अफसरों की चौपाल लगाई जा सकती है। चौपाल योजना यदि शुरू हुई तो फिर कलेक्टर लेवल पर बड़ी सर्जरी फिर मई के बाद ही होगा। तब तक इक्का-दुक्का, या कोई हिट विकेट हो जाए, तो बात अलग है।

आईजी पोस्टिंग

ब्यूरोक्रेसी के संदर्भ में विष्णुदेव साय सरकार की खास बात यह रही कि भारत सरकार से डेपुटेशन से जो भी आईएएस, आईपीएस अफसर लौटे, उन्हें महत्वपूर्ण पोस्टिंग से नवाजा गया। अमित कुमार से लेकर सोनमणि बोरा, रोहित यादव, मुकेश बंसल, रजत कुमार, अमरेश मिश्रा, अविनाश चंपावत सभी को अच्छी पोस्टिंग मिली। सीबीआई से लौटे आईपीएस अमित कुमार को खुफिया चीफ बनाया गया तो एनआईएस से आए अमरेश मिश्रा को रायपुर रेंज आईजी के साथ खुफिया चीफ की जिम्मेदारी दी गई। मगर सीबीआई से लौटे अभिषेक शांडिल्य को अभी इंटेलिजेंस में बिठाकर रखा गया है। इंटेलिजेंस में जबकि आईजी का कोई पद नहीं है। अभी तक आईजी या एडीजी लेवल के इंटेलिजेंस चीफ होते थे, जिनके नीचे एकाध डीआईजी, एआईजी का सेटअप था। मगर पांच साल सीबीआई में काम कर के लौटे अभिषेक की तरह गृह विभाग का ध्यान कैसे नहीं जा रहा, आश्चर्य की बात है। वैसे संभावना है, विधानसभा सत्र तथा प्रेसिडेंट और प्राइम मिनिस्टर विजिट के बाद आईजी लेवल पर कुछ तब्दिलियां की जाए, उसमें अभिषेक शांडिल्य को किसी रेंज में पोस्टिंग मिल जाए।

लाल बत्ती और अटैची

विधानसभा सत्र के बाद निगम, मंडलों में नियुक्तियां होंगी. अब कोई ब्रेकर भी नहीं है. पंचायत चुनाव तक निबट गया है. नगरीय और पंचायत दोनों मे रिजल्ट भी अच्छे आएं हैं, सो अब इसे और टालने की गुंजाइश नहीं हैं. बीजेपी के भीतर भी लाल बत्ती को लेकर सरगर्मिया बढ़ गई है. पार्टी के लिए पसीना बहाने वाले लोग तो लाइन में हैं ही, कुछ ठेकेदार और कारोबारी नेता अटैची लेकर नेताओं के चौखटो पर दस्तक दे रहे हैं. इनमें कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें पैसा नहीं कमाना. उन्हें स्टेटस सिम्बल के लिए लाल बत्ती चाहिए.

प्रदेश प्रभारी की फटकार

पिछले कई साल से सिस्टम को जेब में लेकर घूमने वाले मोक्षित कारपोरेशन के मालिक ने नहीं सोचा कि आदमी नहीं बक्त बलवान होता है. वो तो सीजीएमएससी के एमडी तक की पोस्टिंग कराता था. उसके बारे में बताते हैं, नेताओं या अफसरों से मिलने जाता था तो दो खोखा छोड़ कर आ जाता था. इसी गुमान में उसने छः सौ करोड़ से ऊपर का घोटाला कर डाला. मगर समय का पहिया घूमा तो सभी चौखटों से उसे निराशा ही मिली. वो समझा कि पैसे से सबको खरीद लेगा, यही ओवर कॉन्फिडेंस उसे भारी पड़ गया. वह प्रदेश प्रभारी नीतिन नबीन से मिलने पटना पहुंच गया. नीतिन को इस चर्चित स्कैम की भनक लग गई थी. सो उन्होंने बिना मिले भगा दिया. नीतिन ने छत्तीसगढ़ के लोगों को ये बात बता भी दिए. इसका नतीजा यह हुआ कि जो नेता मोक्षित को बचाने या उसका बचा पेमेंट कराने के लिए सहानुभूति रखते थे, वे भी हाथ खींच लिए.

अंत में दो सवाल आपसे

1. कमाई की दृष्टि से सूखाग्रस्त माने जाने वाले सरकारी प्रेस की रेटिंग किस आईएएस अफसर ने बढ़ा दी?
2. इस खबर में कितनी सच्चाई है कि सरकार आईएएस रेणु पिल्ले को मुख्य सचिव बनाने जा रही है?

मुखर्जी ने एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पदभार संभाला

हैदराबाद। अमिताभ मुखर्जी ने 6 मार्च 2025 से एनएमडीसी के चेयरमैन सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के पद पर कार्यभार संभाल लिया है। भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) के 1996 बैच के अनुभवी अधिकारी श्री मुखर्जी ने भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुँचने से पहले भारत सरकार में विभिन्न पदों पर सेवाएं दी हैं। अपने दूरदर्शी नेतृत्व के साथ, श्री मुखर्जी मार्च 2023 से सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) और नवंबर 2018 से निदेशक (वित्त) के रूप में एनएमडीसी का मार्गदर्शन कर रहे हैं। वे एनएमडीसी स्टील लिमिटेड तथा लिगेसी आयरन ओर लिमिटेड के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में, एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2024 में 45 मिलियन टन उत्पादन को पार करने वाली भारत की पहली लौह अयस्क खनन कंपनी बनकर ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है। उन्होंने एनएमडीसी को कंपनी के इतिहास में अब तक के सबसे अधिक टर्नओवर और नेटवर्थ तक पहुंचाया है। अत्याधुनिक डिजिटल और तकनीकी इंफ्रास्ट्रकचर को अपनाया और देश की एकमात्र मशीनीकृत हीरा खदान में प्रचालन फिर से प्रारंभ किया।

कौशल एचपीसीएल के चेयरमैन नियुक्त

नई दिल्ली। सरकार ने निजी क्षेत्र के सलाहकार श्री विकास कौशल को पांच साल के लिए हिंदुस्तान पेट्रोलियम. कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। श्री विकास कौशल (53 वर्ष) ने इससे पहले प्रबंधन परामर्शदाता केर्नी में ऊर्जा और प्रक्रिया उद्योगों के लिए वैधिक गए के रूप में काम किया है। इन्होंने केर्नी इंडिया के प्रबंध निदेशक और क्षेत्रीय प्रमुख के रूप में भी काम किया है।

जिस खसरा-रकबा भूमि का 28 लाख मुआवजा बनना था उसी भूमि का 2 करोड़ 47 लाख से अधिक का भुगतान

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

रायपुर जिले के अभनपुर क्षेत्र के ग्राम टोकरो में भी भारत माला परियोजना के तहत अधिग्रहित की गई भूमि के बदले मुआवजा देने में बड़ा फर्जीवाड़ा किया गया है। एसडीएम, तहसीलदार एवं पटवारी की मिलीभगत से इस गांव के 4 किसानों की बिना बटांकन हुई भूमि को अधिग्रहित किया गया है। यह चारों भूमि गांव के अलग-अलग परिवार के मुखिया के नाम पर दर्ज थी, लेकिन भारत सरकार के राजपत्र सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी होने के बाद इन चारों किसानों के नाम ऑनलाइन रिकार्ड से हटाए गए और फिर परिवार के प्रत्येक सदस्यों के नाम पर टुकड़ों में विभाजित कर चढ़ा दिया गया। यह पूरा काम अधिसूचना जारी होने की तारीख से पहले यानी बैक डेट पर किया गया। इस पूरे फर्जीवाड़ा में चौंकाने वाली बात यह है कि जिस परिवार के सदस्यों के नाम पर टुकड़ों में भूमि चढ़ाई गई हैं, उन परिवारों के प्रत्येक सदस्य दो से ज्यादा भूमि के मालिक बन गए हैं। यानी एक सदस्य के नाम पर अलग-अलग खसरा नंबर व रकबा की 3 से 4 भूमि को ऑनलाइन रिकॉर्ड में चढ़ा दिया गया है।हरिभूमि की पड़ताल में पता चला कि है कि ग्राम टोकरो में खसरा नंबर 1/5 से लेकर 1/14 तक कुल रकबा 0.460 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। अधिग्रहण से पूर्व यह पूरी भूमि रामआसरा साहू के नाम पर दर्ज थी, लेकिन अधिक मुआवजा दिलाने के लिए इस भूमि को कई टुकड़ों में विभाजित कर दिया गया। इस तरह कुल खसरा नंबर की भूमि को 0.050 हेक्टेयर से लेकर 0.040 हेक्टेयर में 10 टुकड़ों में विभाजित कर रामआसरा पिता भुखउ साहू, तिजिया बाई पति रामआसरा साहू, नीरंजन पिता रामआसरा साहू एवं लगनी पिता रामआरा साहू के नाम पर चढ़ा दी गई।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विनाइल रैपिंग/स्टीकर एवं व्यावसायिक प्रचार हेतु लाइसेंस हेतु ई–नीलामी

कार्य विवरण : बिलासपुर मंडल की गाड़ी क्रमांक 20825/20826 के डिब्बों के आंतरिक भाग पर विनाइल रैपिंग/स्टीकर एवं व्यावसायिक प्रचार हेतु लाइसेंस के आवंटन हेतु ई–नीलामी। 5 साल की अवधि के लिए बिलासपुर मंडल की गाड़ी क्रमांक 20825/20826 के डिब्बों के आंतरिक भाग पर विनाइल रैपिंग/स्टीकर एवं व्यावसायिक प्रचार हेतु लाइसेंस के आवंटन हेतु ई–नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटेलॉग पहले ही दिनांक **03.03.2025** को IREPS वेबसाइट (**https://www.ireps.gov.in**) पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण इस प्रकार है :–

कैटेलॉग क्रमांक	श्रेणी	नीलामी आरंभ दिनांक/समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
COM-BSP-HYBRID	Hybrid NFR - On board Hybrid	21.03.2025 13:30:00	HyB-OnB-173247-25-2	बिलासपुर मंडल की गाड़ी क्रमांक 20825/20826 के डिब्बों के आंतरिक भाग पर विनाइल रैपिंग/स्टीकर एवं व्यावसायिक प्रचार हेतु लाइसेंस के आवंटन हेतु ई–नीलामी	1826 दिनों

सीपीआर/10/543 सहायक वाणिज्य प्रबंधक (गुड्स), द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय अधिष्ठाता
भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति, चिकित्सा महाविद्यालय, राजनांदगॉव (छ.ग.)

Office Phone : 07744-296105, Website : abvmgmcrajnandgaon.ac.in
Email : gmc.rjn@gmail.com

क्रमांक/1045/ चिकि./स्था./2025 राजनांदगाँव, दिनांक 5/3/2025

// संविदा भर्ती सूचना //

भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) के विभिन्न विभागों में चिकित्सा शिक्षक/ चिकित्सकों के वर्तमान में रिक्त पदो पर छ.ग. सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम 2012 में उल्लेखित शर्तो के अधीन संविदा आधार पर भर्ती किये जाने हेतु प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ बुधवार को एवं अवकाश होने की स्थिति में अगले कार्य दिवस में भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) में ''वॉक इन इन्टरव्यू'' आयोजित किया जाना है।

उक्त विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी हेतु भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) के वेबसाईट abvmgmcrajnandgaon.ac.in से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता हैं।

अधिष्ठाता
भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति,
चिकित्सा महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छत्तीसगढ़)

जी.– 242505821/1

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई–प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 164766/निविदा सूचना क्रमांक 09/वलेलि/2024–25, डोंगरगांव, दिनांक 06.03.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 27.03.2025 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : – राजनांदगांव जिले (वर्तमान मोहला–मानपुर अम्बागढ़ चौकी) के विकासखण्ड अंबागढ़ चौकी की मोंगरा बैराज परियोजना के दांयी तट की सी.सी. लाईनिंग आर.डी. 0 मी. से 7775 मी. तक 30 नग कुलापा फिक्सिंग कार्य तथा 10 नग आउटलेट का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 713.46 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई–प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 13.03.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, डोंगरगांव
कृते, मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर, (छ.ग)

जी– 242505829/5

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD

अंचल कार्यालय - प्रथम तल, कुशल वाटिका, न्यू शांति नगर, रायपुर, छ.ग. 492007

परिसर की आवश्यकता

इंडियन बैंक को विभिन्न केन्द्रों में नई शाखा खोलने के लिए मुख्य स्थान व उचित फ्रंटेज, और पर्याप्त पार्किंग स्थान के साथ भूतल पर उपयुक्त परिसर (तैयार / निर्माणाधीन परिसर) की आवश्यकता।

केंद्र का नाम	जिला	राज्य	आवश्यक क्षेत्र (वर्गफीट में)
बलौदा बाज़ार (अर्धशहरी)	बलौदाबाजार	(छ.ग.)	1100 -1200
सक्ती (अर्धशहरी)	सक्ती	(छ.ग.)	1100-1200
कोंडागांव (अर्धशहरी)	कोंडागांव	(छ.ग.)	1100-1200
जशपुर नगर (अर्धशहरी)	जशपुर	(छ.ग.)	1100-1200
सरायपाली (अर्धशहरी)	महासमुंद	(छ.ग.)	1100-1200
नारायणपुर (अर्धशहरी)	नारायणपुर	(छ.ग.)	1100-1200
बलरामपुर (ग्रामीण)	बलरामपुर	(छ.ग.)	1100-1200
नैला - जांजगीर (अर्धशहरी)	जांजगीर-चांपा	(छ.ग.)	1100-1200
मनेन्द्रगढ़ (अर्धशहरी)	मनेन्द्रगढ़	(छ.ग.)	1100-1200
खैरागढ़ (अर्धशहरी)	खैरागढ़	(छ.ग.)	1100-1200
दंतेवाड़ा (अर्धशहरी)	दंतेवाड़ा	(छ.ग.)	1100-1200
गरियाबंद (अर्धशहरी)	गरियाबंद	(छ.ग.)	1100-1200
सारंगढ़ (अर्धशहरी)	भियालीगढ़-सारंगढ़	(छ.ग.)	1100-1200
मुंगेली (अर्धशहरी)	मुंगेली	(छ.ग.)	1100-1200
सूरजपुर (अर्धशहरी)	सूरजपुर	(छ.ग.)	1100-1200
पत्थलगांव (अर्धशहरी)	जशपुर	(छ.ग.)	1100-1200

परिसर एक अनुमोदित भवन में होना चाहिए जो वाणिज्यिक उपयोग के लिए सरकारी प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित शर्तों की पुष्टि करता हो। परिसर का स्पष्ट स्वामित्व रखने वाले इच्छुक मालिक निर्धारित प्रारूप में दो बोली प्रणाली में अपने सीलबंद प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं। (1) तकनीकी बोली (2) वित्तीय बोली दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफे में **इंडियन बैंक, अंचल कार्यालय, 18/1421, प्रथम तल, कुशल वाटिका, न्यू शांति नगर, रायपुर, 492007, छत्तीसगढ़, दिनांक 10.03.2025, प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 02.04.2025, दोपहर 5.00 बजे तक.** निविदा दस्तावेज प्रस्तुत करते समय शाखा के लिए निविदा फार्म की लागत **250 रुपये** (अप्रतिदेय) में डीडी / आईओआई के माध्यम से रायपुर पर देय **इंडियन बैंक,** के पक्ष में प्रस्तुत की जाएगी। आवेदक **www.indianbank.in** हमारी वेबसाइट से आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। बैंक बिना कोई कारण बताए निविदा को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

किसी भी अन्य सहायता के लिए कृपया श्री कृपासिंधु महापात्रा, वरिष्ठ प्रबंधक, इंडियन बैंक-अंचल कार्यालय रायपुर से संपर्क करें- फोन: 0771-3599563

उप महाप्रबंधक
दिनांक: 09.03.2025 इंडियन बैंक, अंचल कार्यालय रायपुर

राजधानी के हर वार्ड में खुलेगा जन औषधि केंद्र

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कालीबाड़ी चौक में जन औषधि केंद्र का शुभारंभ किया और इसका अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप यह जन औषधि केंद्र खोला गया है, जहां बाजार से 80 से 90 प्रतिशत कम दामों पर दवाएं उपलब्ध होंगी। इससे आम जनता, विशेष रूप से गरीब और जरूरतमंद लोग, जो महंगी दवाइयों के कारण उचित इलाज नहीं करा पाते थे, उन्हें सीधा लाभ मिलेगा। राजधानी के सभी 70 वार्डों में 70 और पूरे रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 200 जन औषधि केंद्र खोलने की योजना है, जिससे न केवल गरीबों को सस्ती दरों पर दवाएं मिलेंगी, बल्कि युवाओं को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे।

श्री अग्रवाल ने यह कहा, जिला अस्पताल में ओपीडी के बाहर स्थित जन औषधि केंद्र को मुख्य मार्ग की ओर स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि मरीजों को अधिक सुविधा मिल सके। इसके लिए उन्होंने सांसद निधि से पांच लाख रुपए देने की घोषणा की। इस कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ. मिथिलेश चौधरी, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के मैनेजर अनीस वोडिटेलवर, निगम सभापति सूर्यकांत राठौर, पार्षद अमर गिदवानी, अंबर अग्रवाल, रवि सोनकर सहित विभागीय अधिकारी, मेडिकल स्टाफ और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

एनएसयूआई पदाधिकारियों ने गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में चलाया सदस्यता अभियान

रायपुर। देश के सबसे बड़े छात्र संगठन नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) द्वारा छात्रों के बीच संगठन की पहुंच बढ़ाने और उन्हें जोड़ने के उद्देश्य से सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में एनएसयूआई पदाधिकारियों ने छात्रों से मुलाकात की और संगठन की विचारधारा, उद्देश्यों और छात्रहित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को एनएसयूआई संगठन की गतिविधियों, उनके अधिकारों और संगठन द्वारा विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में उठाए गए छात्रहित के मुद्दों के बारे में बताया गया। पदाधिकारियों ने बताया कि एनएसयूआई हमेशा छात्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाता रहा है और उनकी शिक्षा, सुविधाओं और अधिकारों के लिए संघर्ष करता है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई–प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 165372/निविदा सूचना क्रमांक 24/वलेलि/2024–25, गरियाबंद, दिनांक 06.03.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 27.03.2025 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : गरियाबंद जिले के विकासखण्ड गरियाबंद की पैरी सिकासार बांध में स्टॉप लॉग लगाने, गेट में पेटिंग कार्य, कंट्रोल रूम का जीर्णोद्धार कार्य, सिविल कार्य एवं अन्य सुरक्षात्मक कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 997.18 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई–प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 13.03.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, गरियाबंद
कृते, मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर, (छ.ग)

जी– 242505840/4

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता वि./यां.ला.म. नलकूप एवं गेट संभाग सकरी, बिलासपुर (छ.ग.)

eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम–आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 165497,165498,165499,165500,165501/निविदा सूचना क्र. 10,11,12,13, 14/व.ले.लि./2024–25 दिनांक. 06.03.2025 निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 27.03.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है।

निविदा सुचना क्रमांक	निविदा सिस्टम क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
10/SAC/24–25 Dt. 06.03.25	165497	मुंगेली जिले के विकासखण्ड मुंगेली अंतर्गत पथरिया बैराज योजना के जलद्वारों का पेंटिंग तथा सुधार / मरम्मत कार्य एवं कार्य स्थल पर प्रकाश व्यवस्था कार्य।	56.32 लाख
11/SAC/24–25 Dt. 06.03.25	165498	बिलासपुर जिले के विकासखण्ड कोटा अंतर्गत खोंगसरा व्यपवर्तन योजना के जलद्वारों का पेंटिंग तथा सुधार / मरम्मत कार्य एवं कार्य स्थल पर प्रकाश व्यवस्था कार्य तथा हाईस्ट का उन्नयन कार्य।	67.63 लाख
12/SAC/24–25 Dt. 06.03.25	165499	मुंगेली जिले के विकासखण्ड पथरिया अंतर्गत मनियारी बैराज योजना के जलद्वारों का पेंटिंग तथा सुधार / मरम्मत कार्य एवं कार्य स्थल पर प्रकाश व्यवस्था कार्य।	110.89 लाख
13/SAC/24–25 Dt. 06.03.25	165500	बिलासपुर जिले के विकासखण्ड़ बिल्हा अंतर्गत लछनपुर व्यपवर्तन योजना के जलद्वारों का मरम्मत एवं जीर्णोद्वार कार्य।	147.80 लाख
14/SAC/24–25 Dt. 06.03.25	165501	रायगढ़ जिले के विकासखण्ड़ खरसिया अंतर्गत मांण्ड नदी में निर्मित मांण्ड व्यपवर्तन योजना के मुख्य जलद्वारों को नया लगाने एवं अन्य वि./या. उपकरणों का मरम्मत एवं जीर्णोद्वार कार्य।	347.40 लाख

(निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 22.08.2022 के आधार पर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई–प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 13.03.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट :1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य लें 2. निविदाकार को इस निविदा में वर्ष 2024 में जारी किए गये Pre Bid Qulification certificate (Valid up to 30.09.2025) का उपयोग अनिवार्य है। 3. निविदा पूर्व अर्हता के संबंध में निविदा प्रपत्र फार्म बी. के कंड़िका 2.1.1 (स.क्र. 4 एवं 5) एवं एनेक्चर। (पूर्व अर्हता एवं फार्म बी. दस्तावेज) में वर्णित अनुसार प्रमाण पत्र संलग्न करें।

कार्यपालन अभियंता
वि./यां. ला. म. नलकूप एवं गेट
संभाग सकरी, बिलासपुर (छ.ग.)

जी– 242505824/2

DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY
Government of India

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence in Assessment

(उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संगठन)
(An Autonomous Organization under the Department of Higher Education, Ministry of Education, Government of India)

जैव प्रौद्योगिकी पात्रता परीक्षा (BET) 2025

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT), भारत सरकार द्वारा नोडल एजेंसी, क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (RCB), फरीदाबाद के माध्यम से निम्नलिखित राष्ट्रीय परीक्षा की घोषणा की जाती है:

जैव प्रौद्योगिकी पात्रता परीक्षा (BET) DBT – जूनियर रिसर्च फेलोशिप (DBT-JRF) प्रदान करने हेतु, ताकि जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में अनुसंधान किया जा सके।

क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (RCB), फरीदाबाद, भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) की ओर से BET 2025 का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) के माध्यम से कर रहा है। NTA को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा एक स्वायत्त, आत्मनिर्भर और स्व-नियंत्रित प्रमुख परीक्षण संगठन के रूप में स्थापित किया गया है।

ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की तिथि	28 फरवरी, 2025 से 28 मार्च, 2025 (शाम 5:00 बजे तक)
आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि	28 मार्च 2025 (रात 11:50 बजे तक)
BET 2025 की तिथि और समय	13 मई 2025 (मंगलवार) सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक
परीक्षा का माध्यम	कंप्यूटर आधारित वस्तुनिष्ठ परीक्षा
प्रश्न पत्र का प्रारूप	बहुविकल्पीय प्रश्न
परीक्षा शुल्क	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/विकलांग (SC/ST/PwD) - ₹ 650/- अन्य सभी उम्मीदवारों के लिए - ₹ 1300/-

परीक्षा की योजना, अवधि, माध्यम, पाठ्यक्रम, पात्रता मानदंड, परीक्षा शहर, महत्वपूर्ण तिथियाँ आदि से संबंधित विवरण सूचना पुस्तिका में उपलब्ध हैं, जिसे निम्नलिखित वेबसाइटों पर देखा जा सकता है: www.nta.ac.in / http://dbtbet2025.ntaonline.in/ / www.rcb.res.in

परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे BET 2025 के लिए विस्तृत सूचना पुस्तिका ध्यानपूर्वक पढ़ें और केवल ऑनलाइन आवेदन निम्नलिखित वेबसाइटों करें: www.nta.ac.in / http://dbtbet2025.ntaonline.in/
परीक्षा शुल्क का भुगतान भी ऊपर उल्लिखित तिथि तक केवल नेट बैंकिंग/डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/यूपीआई/वॉलेट के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है।
उम्मीदवारों को समय-समय पर अद्यतन जानकारी के लिए उपरोक्त वेबसाइटों पर विजिट करने की सलाह दी जाती है। कृपया किसी भी सहायता के लिए dbt@nta.ac.in पर ईमेल करें या 011-40759000 पर कॉल करें।

निदेशक (परीक्षा)

CBC 21354/12/0009/2425

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

रंगोत्सव विशेष

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रविवार 9 मार्च 2025

आवरण कथा

लोकमित्र गौतम

रंग का, उमंग का और तरंग का पर्व है होली। इसमें मस्ती और उल्लास के ऐसे रंग घुले होते हैं, जो हर तनाव, मतभेद, मनभेद को ही नहीं जीवन की नीरसता को भी दूर कर देते हैं। नई जीवंतता और ऊर्जा का संचार करने वाली होली हमें अपने बचपन की याद दिला देती है, फिर से उन सुनहरे पलों को जीने के लिए प्रेरित करती है। आइए, हम सब भी इस रंगोत्सव में खुशियों के रंगों से सराबोर हो जाएं।

रंग-उमंग-तरंग के संग हो जाएं उल्लास में मगन

अपने देश भारत में मनाए जाने वाले अन्य त्योहारों की तरह होली महज एक त्योहार नहीं है, यह 'रंगों का उत्सव' है। आज की इस भाग-दौड़ भरी और तनावग्रस्त जिंदगी में होली का उल्लास हमें अपनी संस्कृति से मिले अनमोल वरदान की तरह है। होली का यह उल्लास किसी थेरेपी से कम नहीं। इसलिए होली का पर्व सिर्फ रंग खेलने का दिन नहीं बल्कि तनाव और चिंता से मुक्त होकर, जीवन में रंग भर लेने का इंद्रधनुषी अवसर है। यह दिन उल्लास में सराबोर हो जाने का दिन है।

भूल जाएं तनाव-परेशानियां

आज के दौर में लगभग हर व्यक्ति काम के बोझ से दबा नजर आता है। रोजमर्रा की परेशानियों और संघर्ष में पिस रहा है। सोशल मीडिया के लगातार बढ़ते दखल से तनाव बढ़ रहा है। इन सब तनावों, बोझों और परेशानियों को पूरी तरह से झिड़क देने का मौका हमें होली का दिन प्रदान करता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए। होली हमें हर साल यह मौका देती है कि कम से कम साल में एक दिन तो हम ये सब भूलकर सिर्फ और सिर्फ 'वर्तमान क्षण' में जी लें। हर तरह के बोझ से हल्के हो लें। हंसी-मजाक करें, दोस्तों के साथ अपने बचपन के दिनों में लौट जाएं। जितनी मस्ती हो सकती है, मस्ती करें। सारे गिले-शिकवे दूर करें, परिवार के साथ समय बिताएं।

बतकही का मिलता है मौका

तन और मन की गांठों को खोलने या इन्हें पिघलाने का एक जरिया संवाद होता है। बिना सजग हुए, चुहल-मस्ती के अंदाज में किया गया संवाद। होली अपनों के बीच ऐसे ही बतकही करने का मौका देती है। ऐसी बतकही का इसलिए भी बहुत महत्व है, क्योंकि हमारी आज की जिंदगी में संवाद बहुत कम हो गया है। हम सब व्यस्त हैं, रिश्तों में औपचारिकता बढ़ गई है। होली एक ऐसा अवसर है, जब हम बिना झिझक एक-दूसरे से जो मन में उमड़ घुमड़ रहा हो, उसे कहें और जो हमें कहा जा रहा हो, उसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनें। इससे हमारे शिथिल पड़े रिश्ते फिर से जीवंत हो जाते हैं।

लौट आता है बचपन

होली की धमा-चौकड़ी हमें सुनहरे अतीत में ले जाती है। जब हम दुनिया की किसी भी फिक्र, किसी भी चिंता से मुक्त हुआ करते थे। सिर्फ खुशियां, खेल और मस्ती ही हमारे चारों तरफ फैली होती थीं। होली का रंग-बिरंगा, मस्ती से भरा अहसास हमें बचपन के उन सुहाने पलों में लौटा ले जाता है, जब हम बिना किसी परवाह के खुलकर खेलते थे। हर चीज में खुशी, हर स्थिति में सकारात्मकता ढूंढ़ लेते थे। तनाव, परेशानियां, चिंताएं स्वभाव का हिस्सा नहीं हुआ करती थीं। क्यों न होली के दिन हम एक बार फिर वैसे ही तनावमुक्त होकर मस्ती में डूब जाएं। जिम्मेदारियों की जकड़न को एक तरफ फेंक दें और रंगों की इंद्रधनुषी बारिश में बचपन की तरफ लौट जाएं। अपनों के संग खेलें, खाएं, पीएं, नाचें, गाएं, दोस्तों के साथ हंसी-ठट्ठा करें। जो मन आए बातें करें और खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर लें।

एक्सपर्ट कहते हैं कि रंगों का यह त्योहार हमें शारीरिक और मानसिक रूप से हल्का कर देता है। हम बोझ मुक्त हो जाते हैं। इसलिए होली को नेचुरल स्ट्रेस बस्टर भी कहते हैं। होली की धमाचौकड़ी हमारे शरीर में खुशियों के हार्मोन बढ़ाती है। हमारे शरीर से एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं।

पिघल जाते हैं गिले-शिकवे

वैसे तो अपने देश के सभी पर्वों की यह खूबी है कि हम इनके बहाने दूसरों से अपने गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। लेकिन बाकी सभी त्योहारों में फिर भी कोई झिझक रह सकती है, लेकिन होली तो ऐसा पर्व ही है, जो सालों के मतभेद, मनभेद और चुप्पियों को तोड़ गले मिलने, साथ खिलखिलाने के लिए प्रेरित कर देता है। होली सालों पुरानी खटास को झटके में दूर कर देता है। होली के समूचे माहौल में एक बेफिक्री, एक मजकिया अहसास, जिंदगी को सरल तरीके से जीने की सीख और अभिमान को दूर कर हमारी झिझक को भी पूरी तरह से मिटा देती है। होली का पर्व गलतफहमियों को मिटा देने का पर्व है। जब हम रंगों से खेलते हैं, रंगों में डूबते हैं तो हमारे मन की तमाम कठोरताएं स्वतः ही मिट जाती हैं, पिघल जाती हैं। तन और मन का रेशा-रेशा इंद्रधनुषी हो जाता है। रिश्ते मिठास से भर जाते हैं।

प्रकृति के उत्सव में हों शामिल

होली एक तरफ मनोवैज्ञानिक तो दूसरी तरफ बेहद कुदरती या कहें प्राकृतिक पर्व भी है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ गहरे तक घुलने, मिलने और गहरी आत्मीयतापूर्ण सामंजस्य बनाने की सीख देता है। वास्तव में होली का संबंध प्रकृति के श्रृंगार, बसंत से है। होली तब आती है, जब प्रकृति अपनी नई ऊर्जा और नए उत्साह से भरी होती है। हर तरफ बसंत के फूल खिले होते हैं। हवा में खुशबुएं मचल रही होती हैं। प्रकृति की यह खुशी हमें भी अपने रंग में रंग लेती है। हम नाराज या दुखी रह ही नहीं सकते। एक तरह से होली प्रकृति में होने वाली रंगों की बारिश है और हम इस बारिश में नहाकर खुशियों और उम्मीदों से जगमगा उठते हैं। इसलिए होली हमारी कायाकल्प का पर्व है। आइए, इस पर्व में डूबकर हम खुद को ही नहीं अपनों-परायों सबको खुशियों और उम्मीदों के रंग से रंग दें। *

बहुत कुछ कहता है हर रंग

रंगों का बहुत सकारात्मक मनोविज्ञान होता है। रंग हमारी भावनाओं को बहुत गहरे तक छूते हैं। रंगों के अपने अर्थ, अपने प्रतीक, अपने अहसास होते हैं। गुलाबी रंग प्रेम का अहसास दिलाता है। हरा रंग हमें तन और मन से ऊर्जावान करता है। पीला रंग हमें खुशियों से सराबोर कर देता है। नीला रंग हमें असीम शांति देता है। होली के मौके पर जब हम इन रंगों में सराबोर होते हैं, तो हमारा तन और मन खुशियों से छलकने लगता है। हम परिपूर्णता के अहसास से भर जाते हैं। हमारे पोर-पोर से जीवन की संतुष्टि झरने लगती है। हम ज्यादा सकारात्मक हो जाते हैं।

होली पर रंगों से खेलना, एक-दूसरे को रंग लगाने के निहितार्थ बहुत गहन हैं। इसे समझ लें तो हमारा जीवन केवल मस्ती के रंग से ही नहीं प्रेम, ईमान, अध्यात्म और समावेशिता के रंगों से रंग जाएगा। जीवन को एक नई रंगीनियत मिलेगी, एक नई दृष्टि विकसित होगी।

हर रंग से सजा रहे जीवन

आत्मप्रेरणा

कुमार राधारमण

यह दुनिया रंग-बिरंगी है। कितने ही रंग हमारे चारों ओर बिखरे पड़े हैं। तमाम तरह के रंग हैं, तभी दुनिया रहने लायक है। इन रंगों में ही जीवन की सुंदरता है। ये रंग सीख भी देते हैं, उम्मीदों का दीया भी बनते हैं। रंग अपनी भावनाओं को, खुशियों को प्रकट करने का माध्यम होते हैं। यह अवसर हमारे पास न होता, तो यह दुनिया बेरंग होती। जीवन के इन विविध रंगों में ही मनुष्य के विकास का इतिहास छिपा है।

मस्ती का रंगः प्रख्यात कवि आर.सी. प्रसाद सिंह ने कहा है, 'यह जीवन क्या है, निर्झर है/मस्ती ही इसका पानी है।' सच इसमें धूप-छांव संग-संग हैं, फर्क केवल मात्रा का है। सुख के क्षण में दुख का अनुपात कम होता है और दुख के क्षण में सुख का अनुपात कम। दोनों में से कुछ भी स्थायी नहीं है। इसलिए आप निर्विकार, निष्काम भाव से, सहजता से, मस्ती के साथ कर्म करते रहिए। मस्ती बड़ी-बड़ी परेशानियों का हल है। प्रकृति भी हंसते-मुस्कुराते चेहरे देखना चाहती है। मस्त आदमी जहां रहेगा, वहीं रंग जमा देगा। अभी-अभी संपन्न महाकुंभ में आपने न जाने कितने रंग मस्ती के देखे होंगे। मस्ती एक आध्यात्मिक अवस्था है। मस्ती ही पैमाना है कि आप भीतर से सुखी हैं या नहीं। इसी मस्ती के क्षणिक अनुभव को पर्व के रूप में हम होली में महसूस करते हैं।

ईमान का रंगः यह सच है कि आज, हमने धन और पद को ही सफलता मान लिया है। जरूरतें थोड़ी सी हैं, लेकिन हर आदमी अधिक से अधिक धन समेट लेना चाहता है। बहुधा इसके लिए हम छल-कपट, बेईमानी का सहारा भी लेते हैं। ईमानदार होने का मतलब गरीब होना नहीं है। ईमानदारी से भी सुखपूर्वक जीना बिल्कुल संभव है। बशर्ते हम सुख की परिभाषा ठीक से समझ लें। सिद्धांतहीन व्यक्ति गिरगिट की तरह रंग बदलता है। ध्यान रहे, प्रकृति में हमारे कर्म ही नहीं, विचार भी दर्ज होते हैं। इसलिए तमाम धर्मग्रंथ मन, वचन, कर्म तीनों की शुचिता पर बल देते हैं। और, जब आप सफल हों, तब भी रंग न बदलें, सिर पर सफलता का रंग न चढ़ने दें। रंगा सियार होना अच्छी बात नहीं। बन सकें, तो किसी के जीवन का रंग बनें।

अनुभव का रंगः हर अनुभव स्वयं हासिल करने के लिए यह जीवन छोटा है। इसलिए, दूसरों के अनुभव से यदि आप सीखने की प्रवृत्ति रखें तो तेजी से आगे बढ़ पाएंगे। आपा-धापी भरी इस जिंदगी में कुछ पल बुजुर्गों के साथ, अपने से अधिक अनुभवी लोगों के साथ बिताना अच्छा है। जरूरी नहीं कि उनके पास हमारे मौजूदा रोजगार के मामले में कोई ढंग का सुझाव हो, लेकिन उनके पास हमारे समग्र जीवन के लिए निश्चय ही बहुत कुछ होता है। हमारी नौकरी भी हमारे जीवन का ही हिस्सा है। बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक क्षमता तो घटती है, लेकिन व्यक्ति का अनुभव बढ़ता जाता है। उनके बताए गुर से हमारा समय बचता है, हमारा रंग तेजी से निखरता है और यह हमें अपने समकक्ष से आगे रखने में मददगार बन सकता है।

समावेशिता का रंगः यह दुनिया केवल हमारे लिए नहीं है। इसमें सबके लिए जगह है। दुनिया हमसे पहले भी थी, हमारे बाद भी होगी। यहां हम किसी निश्चित भूमिका मात्र के लिए हैं और आज हमारा जो संसार है, एक समय के बाद वह छूट ही जाना है। जो इसे समझ लेता है, उसके रंग में कभी भंग नहीं पड़ता। उसके मन में हर प्राणी के प्रति करुणा का भाव होता है और वह उसे उसकी मौलिकता में ही स्वीकार कर लेता है। दूसरों के प्रति स्वीकार भाव से सामने वाला भी बेहतर बनने का प्रयास करता है। दूसरों पर हावी होने की प्रवृत्ति छोड़ने से अपनी श्रेष्ठता का दंभ भी मिटता जाता है। जिसका दंभ मिट गया हो, वही होली खेल सकता है। होली के गीतों का सामूहिक गान समावेशिता की भावना को ही दर्शाता है।

प्रेम के रंगः होली के गीतों में राधा-कृष्ण के प्रेम की चर्चा आम है। रंग ऊर्जा है और प्रेम जीवन का सार है, जीवन का उत्कर्ष है। इसके बगैर हमारी सारी उपलब्धियां बेरंग हैं। प्रेम का रंग ही सबसे महत्वपूर्ण है और सभी धर्मग्रंथों का सार भी। जो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, उसी के लिए खुद को तैयार करें। चैतन्य, दयालु, परोपकारी, मैत्रीपूर्ण और जागरूक बनें। व्यर्थ के विवादों से बचें ताकि आपके भीतर उत्सवधर्मिता, गर्मजोशी, उत्साह और रोमांच के लिए स्थान उपलब्ध हो सके। कामुकता, ईर्ष्या और हठ का स्थान शांति, पवित्रता, कोमलता रचनात्मकता, भावुकता, आशावादिता, क्षमाभाव और स्वतंत्रता को लेने दें। प्रेम, विवेक, सद्भाव, सहानुभूति, समभाव, साहस, स्पष्टता और मानसिक शक्ति को विकसित होने दें।

अध्यात्म के रंगः रंग स्फूर्ति का प्रतीक है। होली ऊर्जा प्रकटीकरण का पर्व है। इससे अधिक स्फूर्ति किसी अन्य त्योहार में नहीं दिखती। इसलिए, कृष्ण भी होली खेलते हैं। होली में उल्लास है, उत्सवधर्मिता है। होली में प्रेम और विरह के रंग एकसाथ समाहित हैं। होली तो त्योहार ही रंगों का है। यह नएपन का त्योहार है। होली की स्मृति से ही हम उमंग से भर जाते हैं, हमारे चेहरे पर मुस्कान-सी खिल जाती है। हताशा और कुंठा की होलिका जल जाने दें। होली युवा होने का बोध है और इस बात का प्रतीक भी कि जीवन हंसते-खेलते बीतना चाहिए। यह रहस्य बड़े से बड़े रहस्यों से भी बड़ा है। जो इसे जानता है, वास्तविक अर्थों में वही जागरूक है, वही आत्मज्ञानी है। होली में गाया जाने वाला जोगिरा शब्द योगी से बना है। बनारस में इसे कबीरा भी कहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अरुंधति मिश्रा स्पष्ट करती हैं, 'जोगिरा में प्रेमिका ईश्वर है और प्रेमी साधारण मनुष्य। मनुष्य ईश्वर को पाना चाहता है और होली उसका माध्यम है।'

तो होली को केवल बाहरी रंगों से ही नहीं आत्मबोध और आत्मपरिवर्तन के रंगों से भी खेलें, तभी इस पर्व की सार्थकता है। *

गीत

डॉ. ओम निश्चल

फागुन के रंग सहेज लो!

जीवन में रंग अनेक हैं
जीवन के रंग सहेज लो
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
माना यह कठिन वक्त है
जीने की सजा सख्त है
सांसों की डोर है अभी
एक नई भोर है अभी
लो फिर से हाथ बढ़ाओ
अपना सूरज सहेज लो।
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
घर-बाहर फाग मचा है
रंगों का रास रचा है
देता मौसम गवाहियां
मन में विश्वास बचा है
सुख के ये पल सहेज लो
खुशियों के रंग सहेज लो,
अनभीगे आज मत रहो
फागुन के रंग सहेज लो।
मंद-मंद हवा बह रही
पर पते की बात कह रही
तुम भी ऐसे बहो सदा
जैसे मैं मस्त बह रही
कुछ भीगे पल सहेज लो,
मौसम का मन सहेज लो
चढ़ने दो फागुनी सुरूर
कुदरत के रंग सहेज लो।

रंगों की छुअन!

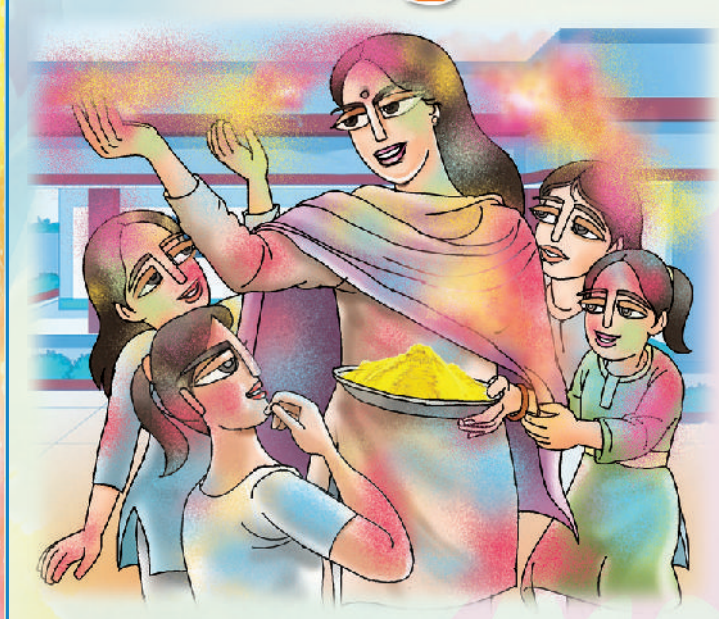

लघुकथा

यशोधरा भटनागर

पलाश अपने पूरे शबाब पर है। रंगों का सुरूर चारों ओर छाया हुआ है। मानो प्रकृति भी रंगोत्सव की मस्ती में डूबी हुई है। पर एक कोना रंगों की रंगीनियत से शायद पूरी तरह अछूता, जहां अंदर-बाहर सिर्फ अंधकार ही अंधकार, रंगों से दूर।

मैंने उद्वेलित हृदय में उमड़ती-घुमड़ती भावनाओं के साथ दृष्टिहीन कन्याओं के छात्रावास में कदम रखा।

आश्चर्य संग एक सुखद अनुभूति! रंगों से सजा खिलखिलाहटों से गुंजित छात्रावास का प्रांगण! एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली के रंग में रंगी छात्राएं!

'मैडम जी, आप रंग से बच न पाओगी।'

शायद वो मेरे आने की आहट पा गई थीं। जैसे ही मैं उनके समीप पहुंची, उन्होंने मुझे घेर लिया।

'होली है ...! होली है ...!'

और नरम-गुलाबी हाथों ने वातावरण को गुलाबी-गुलाबी कर दिया। मैं रंगों से सराबोर थी। पर अंतःसिंधु में ऊंची-ऊंची हिलोरें लेते प्रश्न फिर सिर उठाने लगे, जिनकी पूरी दुनिया ही ब्लैक है वो बच्चियां!

'बेटा! आप लोग तो होली के रंगों में रंग गईं... आपको रंग...'

रुकते-चलते, कुछ गले में फंसते शब्दों में मेरी बात पूरी भी न हो पाई कि चुलबुली-सी दिखने वाली बारह-तेरह बरस की बच्ची का कोयल से मधुर स्वर मेरे हृदय के भीतर प्रविष्ट हो गया, 'मैडम जी हमने रंगों को देखा तो नहीं किंतु रंगों को छुआ है! और रंगों ने हमको!!'

चारों ओर झरती खुशी की फुहारों की रिमझिम में मन भीग गया।

'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे...' गीत पर नाचती रंगों से रंगी उन बच्चियों के साथ नाचते-झूमते हुए मैं भी रंगों की उस छुअन को अनुभव कर रही थी। *

रंगबाज दोहे

सूर्यकुमार पांडेय

इंटरनेट पर होली का त्योहार

क्या सावन, क्या चैत अब, फागुन बारह मास।
छोरा-छोरी चैट पर, करें प्रणय-अभ्यास।।

मिलन, गेट पर अब कहां, समय बना दीवार।
इंटरनेट पर मन रहा, होली का त्योहार।।

केलि हेतु अब कल कहां, सकल वर्जना फेल।
मेल और फीमेल पर, भारी है ई-मेल।।

रंग पुते जब गाल पर, दर्पण गया लजाय।
गोरी सेल्फी ले रही, देखे और मुसकाय।।

सखि ब्यूटी पार्लर गई, दौड़ा नया करंट।
जितना तन पर डेंट था, उससे ज्यादा पेंट।।

इत्ता-सा वैक्यूम है, बिता भर कंज्यूम।
छः क्यूबिक वॉल्यूम पर, सात किलो परफ्यूम।।

शेयर गिरा सेंसेक्स संग, कीमत गिरे न संग।
और चटख अब हो रहा, महंगाई का रंग।।

कनक छरी-सी कामिनी, वेट गेन से ग्रस्त।
फास्ट फूड खाकर हुई, तन्वंगी कटि ध्वस्त।।

तब के, अब के ब्याह का, ऐसा बदला टेस्ट।
तब के मौलिक पोस्ट थे, अब वाले कट पेस्ट।।

वर की लर्निंग फेलियर, मगर खड़ा मुंह बाय।
घर भर्निंग चहिए बहू, अर्निंग कर लइ आय।।

बस्ती में कश्ती चली, हंसती-फंसती रोड।
मस्ती अब अपलोड है, पस्ती डाउनलोड।।

रंगीली चुटकी

उमाशंकर दूबे 'मनमौजी'

काला चोर

नेता वोटर से कहे, मुझको देना वोट।
वोटर गण कहने लगे, नेता तुझमें खोट।।
नेता तुझमें खोट, नहीं हम तुझे चुनेंगे।
वोट भले ही किसी 'काला चोर' को देंगे।।
कह 'मनमौजी' हाथ जोड़ नेता फरमाया।
यही बताने सुनो यहां पर मैं हूं आया।।
मंत्री था तब ऐंठ ली, धन-संपति अपार।
कालाधन स्विस-बैंक में, चोरी से हर बार।।
चोरी से हर बार, रखा मैं उसी छोर हूं।
कालाधन चोरी से रखा 'काला चोर' हूं।।
कह 'मनमौजी' हे वोटरगण यह सुन लेना।
मैं हूं 'काला चोर' वोट मुझको ही देना।।

खबर संक्षेप

ज्वेरेव को दूसरे दौर में मिली हार

इंडियन वेल्स। नीदरलैंड के टालोन ग्रीकस्पूर ने दुनिया के नंबर

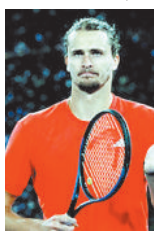

एक खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव को बीएनपी परीबस ओपन के दूसरे दौर में 4-6, 7-6 (5), 7-6 (4) से हरा दिया। इससे आठ दिन पहले ज्वेरेव को अमेरिका की लीर्नर टियेन ने मैक्सिको में 6-3, 6-4 से मात दी थी। ग्रीकस्पूर का सामना अब जियोवान्नी एमपेत्शी से होगा।

भारत प्रबल दावेदार न्यूजीलैंड भी मजबूत

दुबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत को प्रबल दावेदार

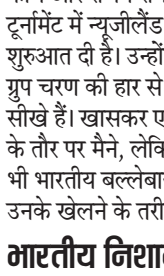

बताया है लेकिन कहा कि फायदा ज्यादा नहीं होगा क्योंकि न्यूजीलैंड काफी मजबूत टीम है। भारतीय टीम ने अपने सारे मैच दुबई में खेले और सभी जीतकर फाइनल में पहुंची है। सेमीफाइनल में भारत ने आस्ट्रेलिया को हराया था। न्यूजीलैंड टीम ग्रुप ए में भारत के बाद दूसरे स्थान पर रही थी जिसे भारत ने लीग चरण में हराया था। न्यूजीलैंड ने लाहौर में सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को मात दी।

ग्रुप चरण में मिली हार से बहुत कुछ सीखा

दुबई। भारत के हाथों ग्रुप चरण में मिली हार से अविचलित न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज विल यंग को उम्मीद है कि उनकी टीम रविवार

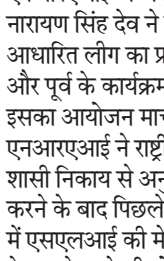

को चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में रोहित शर्मा की टीम की कमजोरियों का फायदा उठा सकेगी। यंग ने डेवोन कोंवे और रचिन रविंद्र के साथ टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड को अच्छी शुरुआत दी है। उन्होंने कहा, 'हम ग्रुप चरण की हार से काफी कुछ सीखे हैं। खासकर एक बल्लेबाज के तौर पर मैने, लेकिन गेंदबाजों ने भी भारतीय बल्लेबाजों को और उनके खेलने के तरीके को देखा।'

भारतीय निशानेबाजी लीग 24 नवंबर से

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने बताया कि पहली

भारतीय निशानेबाजी लीग (एसएलआई) को खेल की वैश्विक नियामक संस्था से 'विंडो' मिल गई है और यह टूर्नामेंट अब 24 नवंबर से सात दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। एनआरएआई अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने इस फ्रेंचाइजी आधारित लीग का प्रस्ताव रखा था और पूर्व के कार्यक्रम के अनुसार इसका आयोजन मार्च में होना था। एनआरएआई ने राष्ट्रीय महासंघ के शासी निकाय से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद पिछले साल नवंबर में एसएलआई की मेजबानी करने के अपने इरादे की घोषणा की थी।

चार-चार स्पिनर्स की रणनीति के साथ उतरेंगी भारत और न्यूजीलैंड की टीमें

जिसकी फिरकी में दम, वो बनेगा चैंपियन... भारत के पास 12 साल बाद चैंपियंस खिताब जीतने का मौका

एजेंसी ▶▶ दुबई

अब तक अपने प्रत.द्विंद्वियों और आलोचकों को हाशिए पर रखने में कामयाब रही भारतीय टीम को 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम से तो रविवार को फाइनल में पार पाना ही होगा। साथ ही विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों को लेकर जज्बाती होने से भी बचना होगा। दोनों टीमें चार-चार स्पिनर्स उतारने की रणनीति बना रहे हैं। भारत के लिए न्यूजीलैंड हमेशा कठिन चुनौती साबित हुआ है और आईसीसी टूर्नामेंटों में न्यूजीलैंड का उसके खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 10-6 का है। न्यूजीलैंड ने आईसीसी नॉकआउट चरण में भारत के खिलाफ चार में से तीन मुकाबले जीते हैं।

■ चैंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले का प्रसारण दोपहर 2.30 बजे

क्रिकेट जगत का एक तबका सारे मैच दुबई में खेलने का अनुचित फायदा उठाने के लिए भारत की लगातार आलोचना कर रहा है। लेकिन अब इस तर्क में दम नहीं लगता क्योंकि न्यूजीलैंड टीम भी यहां खेल चुकी है। भारतीय टीम का आत्मविश्वास इसलिए भी बढ़ा हुआ है क्योंकि उसकी स्पिन चौकड़ी दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की सपाट पिच पर काफी कामयाब रही है। ऐसा लगता है कि भारतीय टीम चार स्पिनरों और दो तेज गेंदबाजों का संयोजन लेकर ही उतरेगी।

रोहित की कप्तानी में लगातार चौथा फाइनल

रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया आईसीसी टूर्नामेंट में लगातार चौथा फाइनल खेलेगी। रोहित टी-20 वर्ल्ड कप के रूप में एक ही खिताब जिता सके, उन्हें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में हार मिली। टीम इंडिया लगातार तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची है। टीम ने 2013 में खिताब जीता, लेकिन 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ हार मिली। अब रोहित की कप्तानी में टीम के पास 12 साल बाद इस आईसीसी खिताब को जीतने का मौका है।

जियो हॉटस्टार पर देखें मैच

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे शुरू होगा। टॉस 2 बजे होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल स्पोर्ट्स 18 नेटवर्क, स्टार स्पोर्ट्स हिंन्दी पर प्रसारण होगा। फैंस डीडी स्पोर्ट्स पर फ्री में मैच का लुत्फ उठा सकते हैं। मोबाइल पर जियो हॉटस्टार एप पर देख सकते हैं।

वरुण देव का चलेगा चक्र

दाहिने हाथ के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने विरोधी बल्लेबाजों को पूरे टूर्नामेंट में परेशान रखा है। रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती दी है। उनकी सटीकता ने बल्लेबाजों को गैर जिम्मेदाराना शॉट्स खेलने के लिए मजबूर किया। अगर फाइनल उसी पिच पर खेला जाता है जहां भारत और पाकिस्तान का मैच हुआ था तो ये चारों गेंदबाज फिरकी के जाल में कीवी टीम को बुरी तरह फांस सकते हैं।

फिरकी चौकड़ी पर कीवियों को भरोसा

न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ी उम्मीद केन विलियमसन और रचिन रविंद्र होंगे जो स्पिन को खेलने में महारत रखते हैं। न्यूजीलैंड के पास भी कप्तान मिचेल सेंटनेर, माइकल ब्रेसवेल, रविंद्र और ग्लेन फिलिप्स के रूप में धुरंधर स्पिनरों की चौकड़ी है जो उनके लिए यही काम कर सकती है। पिछले साल टेस्ट श्रृंखला में न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने भारत को काफी परेशान किया था और एक बार फिर वे 2000 के बाद पहली बार आईसीसी वनडे खिताब जीतने की कोशिश में उस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे। पच्चीस साल पहले नैरोबी में न्यूजीलैंड ने फाइनल में भारत को हराकर नॉकआउट टूर्नामेंट जीता था।

टीमें इस प्रकार है:

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल , विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, ऋषभ पंत, रविंद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।

न्यूजीलैंड : मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओ'रूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग, जैकब डफी।

अरविंद प्राग मास्टर्स में बने चैंपियन दूसरे स्थान पर रहे आर प्रज्ञानानंदा

एजेंसी ▶▶ प्राग

ग्रैंडमास्टर अरविंद चितंबरम ने प्राग मास्टर्स टूर्नामेंट में अपने कॅरियर का पहला बड़ा खिताब जीता जिससे शतरंज में भारत का दबदबा जारी रहा।

अरविंद ने हमवतन आर प्रज्ञानानंदा सहित कई दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़कर यह खिताब जीता। 25 वर्षीय अरविंद ने नौवें और अंतिम दौर में तुर्कीए के गुरेल एडिज के साथ ड्रा खेलकर छह अंक हासिल किए। विश्व के आठवें नंबर के खिलाड़ी प्रज्ञानानंदा नीदरलैंड के अनीश गिरी से हारकर पांच अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहे। तमिलनाडु के अरविंद ने टूर्नामेंट में तीन जीत और छह ड्रा के बाद संभावित नौ में से छह अंक हासिल किए। प्रज्ञानानंदा ने गिरी और चीन के शीर्ष वरीय वेई यी के साथ पांच अंक हासिल कर अपने अभियान का समापन किया। रविंद ने कहा, 'मैं पिछले दो दिन ठीक से सो नहीं पाया हूं। सातवें राउंड तक पूरी तरह से ठीक था और फिर मुझे यह बढ़त मिल गई जिससे दबाव था।' उन्होंने ने अपने गुरु और कोच ग्रैंडमास्टर आर बी रमेश की भी प्रशंसा की और अनीश गिरी के खिलाफ अपने मैच को टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास बताया। भारत की दिव्या देशमुख ने चैलेंजर्स वर्ग में यूनान की स्टैमाटिस कौरकुलस-अर्डिटिस के खिलाफ अपनी अंतिम दौर की बाजी जीत ली।

■ नौवें और अंतिम दौर में तुर्कीए के गुरेल एडिज के साथ ड्रा खेलकर छह अंक हासिल किए

प्रणव ने जीती विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप

नई दिल्ली। भारत के प्रणव वेंकटेश ने मोंटेनेग्रो के पेट्रोवाक में 11वें और अंतिम दौर में स्लोवेनिया के मैटिक लेवरेंसिक के खिलाफ ड्रॉ खेलकर विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप (अंडर-20) जीत ली। भारतीय शतरंज के लिए यह एक शानदार दिन रहा क्योंकि अरविंद चितंबरम ने कई दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़कर प्राग मास्टर्स जीत लिया। पिछले साल चेन्नई इंटरनेशनल में चैलेंजर्स वर्ग जीतने वाले वेंकटेश ने दुनिया के जूनियर खिलाड़ियों के बीच अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पूरे टूर्नामेंट के दौरान अपराजित रहे। भारतीय खिलाड़ी ने कुल सात जीत और चार ड्रॉ के साथ संभावित 11 में से नौ अंक हासिल किए। जब अंतिम दौर की जोड़ियों की घोषणा की गई तो यह स्पष्ट था कि वेंकटेश के लिए ड्रॉ ही काफी होगा।

इशप्रीत ने स्नूकर क्लासिक के क्वार्टर में रचा इतिहास

मुंबई। मुंबई के इशप्रीत सिंह चड्ढा ने शुक्रवार को यहां सीसीआई स्नूकर क्लासिक 2025 के 'बेस्ट-ऑफ-नाइन' क्वार्टर फाइनल मैच में रेलवे के दिलीप कुमार पर 5-0 की जीत के दौरान अधिकतम 147-ब्रेक बनाकर एक तरह का इतिहास रच दिया। इशप्रीत दिग्गज खिलाड़ी गीत सेठी (गुजरात) और आदित्य मेहता (मुंबई) के बाद 147 का ब्रेक बनाने वाले तीसरे भारतीय हैं। कई राष्ट्रीय खिताबों के विजेता सेठी ने 1988 के गुंटूर नेशनल्स के दौरान यह मुकाम हासिल किया था। पीएसपीबी का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन मेहता ने 2013 में बैंगलुरु में एशियाई खेलों के चयन टूर्नामेंट और प्रो सर्किट पर जर्मनी में एक टूर्नामेंट के दौरान 147 का स्कोर बनाया था।

भारत ने जीती बधिर टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने शनिवार को यहां करनैल सिंह स्टेडियम में खेले गए फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराकर बधिर टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला जीत ली। इस टूर्नामेंट का आयोजन भारतीय बधिर क्रिकेट संघ ने किया था जिसमें दक्षिण अफ्रीका भाग लेने वाली तीसरी टीम थी। भारत के कुलदीप सिंह ने फाइनल में पांच विकेट लिए जिसके लिए उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इसके अलावा उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और

टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। भारत के ही अभिषेक सिंह को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना गया। टूर्नामेंट के लिए भारतीय बधिर क्रिकेट टीम का नेतृत्व वीरेंद्र सिंह ने किया। आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा, 'इस चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की ऊर्जा से पता चलता है कि विश्व में बधिर खिलाड़ियों के बीच क्रिकेट को बढ़ावा देना कितना जरूरी है। इस त्रिकोणीय श्रृंखला के प्रति दिलचस्पी से बधिर क्रिकेट का भविष्य उज्जवल नजर आता है।

इस होली को बनाएं खास और यादगार...

एमएम फन सिटी में रंग गुलाल और मौज मस्ती के साथ मनाएं होली 14 मार्च को

होली का त्योहार जीवन में बहुत सारी खुशियां और रंग भरता है, होली के चटक रंग ऊर्जा, जीवंतता और आनंद के सूचक हैं। यह रंगबिरंगा पर्व सभी के लिए खासकर बच्चों के लिए ढेर सारी मौज-मस्ती का अवसर लेकर आता है। इस दिन सुबह से लेकर शाम तक पूरा दिन आनंद और प्रसन्नता से भरा रहता है, सभी एक दूसरे को रंग-बिरंगे गुलाल लगाते हैं, एक-दूसरे पर पानी की पिचकारी चलाते हैं, पानी भरे गुब्बारे मारते हैं, यह बहुत सारे रंग, पानी की फुहारें और गुब्बारों के संग इस दिन को और रंगीन कर देता है।

यही वजह है कि इस लोकप्रिय पर्व को और खास बनाने 'एमएम फन सिटी' में खास तैयारियां की गई हैं यानी एमएम फन सिटी में होली पर होगी रंगों के साथ मस्ती। आप, आपके मित्र और आपका पूरा परिवार होली फेस्ट का उठाएंगे जमकर पूरा लुत्फ। गोढ़ी, बकतरा रोड स्थित वॉटर पार्क में लोग अपने परिवार व दोस्तों के साथ रंग-गुलाल के साथ जमकर होली खेल सकेंगे। साथ ही फन वॉटर स्लाइडर, फैमिली पूल, वेव पूल, डीजे विथ रैन डांस, किड्स जोन और टेस्टी फूड का लुत्फ उठा सकेंगे। एमएम फन सिटी के राजेश थौरानी ने बताया कि यहां आने वालों के लिए स्पेशल पैकेज प्लान किए गए हैं। रंग-गुलाल-वॉटर पार्क में ही उपलब्ध करवाया जाएगा। फूड पैकेड में वेज-नॉनवेज में वेराइटी मिलेगी। इसमें इंडियन, चायनीज व कॉन्टीनेंटल फूड शामिल है। त्योहार की वजह से वॉटर पार्क सुबह 10 बजे से ही खोल दिया जाएगा। लोग दिनभर फेस्टिवल को एन्जॉय कर सकेंगे।

वायरस को भगाओ, बाफना एनर्जी ड्रिंक को अपनाओ

शुभमन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अवार्ड के लिए नामित

दुबई। पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल को ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स के साथ फरवरी के आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामित किया गया है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज गिल ने फरवरी में खेले गए पांच वनडे मैच में 101.50 के औसत और 94.19 के स्ट्राइक-रेट से 406 रन बनाए। वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के साथ दुबई में हैं। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला में गिल ने शानदार प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने 87, 60 और 112 रन बनाए।

खुशहाल दांपत्य जीवन की दी शुभकामनाएं...

सामूहिक कन्या विवाह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने 353 नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

जशपुरनगर। जिले के कुनकुरी विकासखण्ड के सलियाटोली स्थित मिनी स्टेडियम में शनिवार को स्वर्गीय कुमार दिलीप सिंह जूदेव की स्मृति में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान की स्तुति कर वैदिक रीति रिवाज से विवाह मंडप की अर्चना कर सामूहिक विवाह कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने जोड़े को उपहार देते हुए आशीर्वाद भी दिया। उन्होंने सभी जोड़ों के पास जाकर उनपर पुष्प वर्षा कर अपना आशीष दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने नवविवाहित जोड़ों को उनके दाम्पत्य जीवन को सफल बनाने के लिए आशीर्वाद स्वरूप मंगल संदेश का वाचन किया। स्वर्गीय कुमार दिलीप सिंह जूदेव को नमन करते हुए कहा कि हम सभी के लिए आज बहुत ही हर्ष का विषय है कि हमारे 353 बेटियों का विवाह सभी नक्षत्रों आम पंचतत्वों को साक्षी बना कर संपन्न कराया जा रहा है। आप सभी का दाम्पत्य जीवन प्रेम और विश्वास के आधार पर सदैव सुखी रहे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी माताओं एवं बहनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में पौराणिक युग से लेकर हमेशा से महिलाओं को सर्वोच्च पद दिया गया है।

खबर संक्षेप

गुल की फड़ में पिस्टल और कारतूस, नकद 72 हजार रुपए जब्त

रायपुर। नंदनवन अटारी रोड स्थित एक ढाबा की छत पर चोरी छिपे गुल के माध्यम से जुआ खेल रहे पांच जुआरियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जुआरियों के कब्जे से पुलिस ने कैश 72 हजार रुपए के साथ पिस्टल तथा जिंदा कारतूस जब्त किया है। पुलिस ने पिस्टल के लाइसेंसी होने की जानकारी दी है। जुआ की फड़ में पिस्टल बरामद होना गंभीर है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि जिसके कब्जे से पिस्टल बरामद की गई है, वह सामान्य घटना है। पुलिस का कहना है कि जिसके कब्जे से पिस्टल तथा कारतूस बरामद किया गया है, वह हमेशा पिस्टल तथा कारतूस साथ लेकर घूमता है। पुलिस ने गुल से सट्टा खेलते हरिश चंद्राकर, यश संतवानी, शुभम चंद्राकर, राजा बघेल तथा शेख फैयाज को गिरफ्तार किया है। जब्त पिस्टल हरीश की है। पुलिस ने शुक्रवार देर रात मुखबिर की सूचना पर हाईवे ढाबा में छापे की कार्रवाई की। मौके पर पहुंची पुलिस को ढाबा संचालक ने गुमराह करने की कोशिश की। इसी दौरान पुलिस ने ढाबे की छत पर हलचल होते देखी। इसके बाद पुलिस की टीम ढाबा के छत पर पहुंची तो पुलिस को वहां पांचो जुआरी गुल से जुआ खेलते मिले। पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया है, वे रायपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पांचो जुआरी ढाबा में खाना खाने के बहाने जुआ खेलने के लिए पहुंचे थे।

आशीर्वाद भवन में राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन आज

रायपुर। बैरन बाजार स्थित आशीर्वाद भवन में 9 मार्च को राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इसमें देशभर के ज्योतिष, वास्तु और अंकशास्त्र के लगभग 50 से अधिक विद्वान शामिल होने वाले हैं। यह कार्यक्रम कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज, महाकाल धाम अम्लेश्वर, अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति और पराशरीय ज्योतिष संस्थान द्वारा किया जा रहा है। इस संबंध में कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. अरुण शुक्ल ने जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य जनसामान्य को वैदिक शास्त्रों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अवगत कराना एवं उनके जीवन की समस्याओं का समाधान प्रदान करना है। साथ ही जनसामान्य में ज्योतिष शास्त्र को लेकर भ्रांतियों को दूर करने के लिए टॉक शो का भी आयोजन होगा। कार्यक्रम में निशुल्क परामर्श एवं कुंडली निर्माण, ज्योतिषीय प्रश्न समाधान, निशुल्क वास्तु एवं निशुल्क अंकशास्त्र परामर्श, निशुल्क कर्मकांड विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य गौ-सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष राजेश्री महंत रामसुंदर दास शामिल होंगे।

राज्य सरकार ने 4 वर्षों में हेलीकॉप्टर किराए पर 249 करोड़ रुपए किए खर्च

राज्य का नया विमान 2006 से उपलब्ध, ढिल्लन एविएशन का हेलीकाप्टर किराए पर लिया

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

छत्तीसगढ़ सरकार ने पिछले 4 सालों में हेलीकॉप्टर किराए पर 249 करोड़ 15 करोड़ 42 हजार 818 रुपए खर्च किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कांग्रेस विधायक इंद्र साव के विधानसभा में पूछे गए सवाल के जबाव में यह जानकारी दी। कांग्रेस विधायक इंद्र साव ने हेलीकाप्टर किराए पर लेने के संबंध में प्रश्न किया कि विमानन विभाग ने वर्ष 2021-22 से 2024-25 (31 जनवरी 2025) तक किन-किन निजी कंपनियों से हेलीकाप्टर किराये पर लिया। इन कंपनियों को किस दर पर राशि का भुगतान किया गया है। क्या विमानन विभाग ने शासकीय विमान की खरीदी की थी। वर्तमान में यह विमान उपयोग में है अथवा नहीं?

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने लिखित जवाब में बताया कि राज्य शासन ने वर्ष 2006-07 में डबल इंजन युक्त शासकीय विमान-किंग एयर बी-200, वीटी-सीटीजी की खरीदी की थी, यह विमान दिसंबर 2006 से उपलब्ध है। इसके अलावा राज्य शासन द्वारा समय-समय पर टेण्डर के जरिए निजी कंपनियों से हेलीकॉप्टर किराए पर लिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2021-22 में ढिल्लन एविएशन प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, हरियाणा से 11 बार हेलीकॉप्टर किराए पर लिया गया था, जिसके एवज में 6 करोड़ 66 लाख 42 हजार 783 रुपए का भुगतान किया गया। वहीं एयर किंग चार्टर प्राइवेट लिमिटेड से 21 बार हेलीकॉप्टर किराए पर लिया गया था, जिसके एवज में 18 करोड़ 15 लाख 92 हजार 159 रुपए का भुगतान किया गया। इसी तरह वर्ष 2022-23 में ढिल्लन एविएशन प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, हरियाणा से 41 बार हेलीकॉप्टर किराए पर लिया गया था। इसके एवज में 59 करोड़ 99 लाख 44 हजार 105 रुपए का भुगतान किया गया। वहीं एयर किंग चार्टर प्राइवेट लिमिटेड से 16 बार हेलीकॉप्टर किराए पर लिया गया था, जिसके एवज में 18 करोड़ 71 लाख 29 हजार 947 रुपए का भुगतान किया गया।

नई सरकार बनने के बाद इतना किराया

नई सरकार बनने के बाद उसी कंपनी से चॉपर किराए पर लिया गया। वर्ष 2023-24 में ढिल्लन एविएशन प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, हरियाणा से 51 बार हेलीकॉप्टर किराए पर लिया गया था, जिसके एवज में 89 करोड़ 50 लाख 33 हजार 999 रुपए का भुगतान किया गया। वहीं वर्ष 2024-25 में ढिल्लन एविएशन प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव, हरियाणा से 37 बार हेलीकॉप्टर किराए पर लिया गया था, जिसके एवज में 56 करोड़ 11 लाख 99 हजार 825 रुपए का भुगतान किया गया।

पिछले 5 साल में 218 कंपनियों से एमओयू, 26 के निरस्त

विधानसभा के बजट सत्र में छत्तीसगढ़ सरकार के विभिन्न कंपनियों से हुए एमओयू पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने सवाल किया। उन्होंने पूछा कि कितनी कंपनियों के साथ एमओयू किए गए और इनमें से कितने निरस्त कर दिए गए।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने बताया कि वर्ष 2019 से 2023 के दौरान 218 एमओयू किए गए। इनमें से जमीन पर कोई काम नजर नहीं आने पर 26 एमओयू निरस्त किए गए। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांकन से सवाल किया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने किन-किन उद्योग-कंपनियों के साथ कब-कब और कितनी राशि का एमओयू किया। इनमें से कितनी राज्य, देश अथवा विदेश की कंपनियां हैं. इनमें से कितने एमओयू को निरस्त किया गया है। इसके साथ ही इन कंपनियों को उद्योग लगाने के लिए किस जिले में कितनी शासकीय अथवा निजी भूमि आबंटित की गई। इनमें से कितनी कंपनियों ने उत्पादन प्रारंभ कर दिया है और कितनी कंपनियों ने कार्य प्रारंभ नहीं किया है। साथ ही कितने रोजगार के पद सृजित किए जाने थे और छत्तीसगढ़ के कितने लोगों को रोजगार प्रदान किया गया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने जवाब में बताया कि वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक छत्तीसगढ़ सरकार ने विभिन्न उद्योग कंपनियों के साथ कुल 218 एमओयू निष्पादित किए गए हैं, जिनमें कुल प्रस्तावित पूंजी निवेश राशि 1,27,922.54 करोड़ रुपए है। निष्पादित एमओयू में से 162 राज्य के, 54 राष्ट्रीय तथा 2 विदेशी कंपनियां है। वहीं इस अवधि के कुल 26 एमओयू निवेशकों के अनुरोध पर अथवा समयावधि में कोई भी प्रभावी कदम नहीं उठाने के कारण निरस्त किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में उद्योग लगाने सरकार द्वारा किए गए प्रयास

53 ने काम करना शुरू किया

इन 218 कंपनियों में से कुल 34 कंपनियों को औद्योगिक प्रयोजन के लिए कुल रकबा 702.236 हेक्टेयर भूमि लैंड बैंक से सीएसआईडीसी लिमिटेड द्वारा आबंटित की गई है। इसमें शासकीय भूमि रकबा 594.088 हेक्टेयर और निजी भूमि रकबा 108.148 हेक्टेयर शामिल है। इन कंपनियों में से 53 कंपनियों ने स्थापित उद्योगों में वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ कर दिया गया है।

27 कंपनियों के उद्योग निर्माणाधीन

27 कंपनियों के उद्योग निर्माणाधीन है, वहीं 80 कंपनियों में उद्योग स्थापना के लिए क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया गया है। शेष 32 कंपनियों द्वारा स्थल चयन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। मंत्री ने बताया कि निष्पादित 218 कंपनियों में 1,38,509 व्यक्तियों को रोजगार दिया जाना प्रस्तावित है। उद्योग प्रारंभ होने वाली इकाईयों में छत्तीसगढ़ के 16647 लोगों को रोजगार प्रदान किया गया तथा उत्पादनरत इकाइयों में 16409.04 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश किया गया है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की योजना फिस्स, 4 करोड़ का इंफ्रास्ट्रक्चर, न सेटअप का ठिकाना, न सिलाई मशीन आई

हरिभूमि न्यूज : रायपुर।

महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से सशक्त बनाने पूर्ववर्ती सरकार के समय 15 करोड़ की गारमेंट फैक्ट्री खोलने का ऐलान हुआ। तीन साल में नगर निगम ने 4 करोड़ खर्च कर मोवा क्षेत्र में बी ए स ए न ए ल आफिस के पास 45 हजार वर्गफीट जगह पर भवन का ढांचा भी खड़ा कर दिया, पर आज तक न इसके सेटअप का ठिकाना है, न ही 1 हजार सिलाई मशीन खरीदने निगम के पैसे हैं। ऐसे में शहर की जरूरतमंद 1 हजार महिलाओं को निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण देकर निगम की गारमेंट फैक्ट्री में रोजगार दिलाने का दावा खोखला साबित हो रहा है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूर्ववर्ती सरकार का 15 करोड़ का प्रोजेक्ट केवल हवा-हवाई बनकर रह गया। न इसमें नेताओं की दिलचस्पी रही, न ही विभागीय अफसर रुचि ले रहे।

- मोवा में निगम की पहली गारमेंट फैक्ट्री 3 साल से अधर में
- 1000 महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का दावा खोखला निकला
- पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार का 15 करोड़ का प्रोजेक्ट

शहरी क्षेत्र की 1000 गरीब व जरूरत मंद महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की योजना निगम के लिए गले की फांस बनकर रह गई है। गारमेंट फैक्ट्री स्थापित करने नगर निगम ने प्रथम चरण में 4 करोड़ रुपये खर्च कर इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा तो कर दिया, पर इसका सेटअप तैयार करने फंड नहीं है। इस कार्य के लिए 10 करोड़ 50 लाख रुपये चाहिए। अफसरों का कहना है, पीपीपी मोड पर इसका संचालन होगा, इसके लिए ऑनलाइन टेंडर कर एजेंसी तय की जायेगी। वह 10 साल तक गारमेंट फैक्ट्री का संचालन करेगी।

शहर के आउटर इलाके में नगर निगम ने 4 करोड़ खर्च कर शेड निर्माण, बाउंड्रीवाल, साइड रोड बनाने का काम और बिल्डिंग तो बनवा ली, फैक्ट्री संचालन के लिए अब तक एजेंसी तय करने टेंडर तक नहीं हुआ। नगर निगम को 1 हजार सिलाई मशीन खरीदनी है, साथ ही सेटअप तैयार करने 10 करोड़ 50 लाख रुपये चाहिए। शासन के पास योजना शाखा ने प्रस्ताव बनाकर भेजा है, पर मंजूरी नहीं मिलने से काम लंबित है। कुल मिलाकर गारमेंट फैक्ट्री संचालन के लिए न एजेंसी का ठिकाना है, न ही 1 हजार महिलाओं का चयन हो पाया।

बर्खास्त बीएडधारी शिक्षकों ने लगाई सेवा सुरक्षा की गुहार, तूता में धरना प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज : रायपुर।

छत्तीसगढ़ के 2,897 बर्खास्त बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों ने नौकरी की सेवा सुरक्षा मांग करते हुए नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर मोर्चा खोल दिया है। प्रभावित सहायक शिक्षकों का कहना है, उनके सामने आजीविका का संकट उठ खड़ा हुआ है। नौकरी छीननी ही थी, तो पहले क्यों दी? बिना समस्या का समाधान किये नौकरी से निकालने का आदेश रोका जाये। बर्खास्त बीएड धारी सहायक शिक्षक एक बार फिर अपने साथ हुये नाइंसाफी को लेकर सड़क पर उतर आये हैं। नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर शासन का ध्यान आकर्षित कराने नारेबाजी की। धरने पर बैठे बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों का कहना है, उनके साथ गलत हो रहा है। सरकार ने हड़बड़ी में कमेटी तो बना दी, लेकिन कमेटी की अभी तक केवल एक बार बैठक हुई है। अब तक कमेटी की समय-सीमा तय नहीं की गई। कमेटी फैसला सुनाने में सुस्ती दिखा रही है। प्रभावित शिक्षकों ने साफ तौर पर कहा है कि अब वे आर-पार की लड़ाई लड़ने तैयार हैं। जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, तब तक धरना खत्म नहीं होगा।

बिहार के रेड लाइट इलाके से बरामद होना सरकार के माथे पर काला धब्बा

कांग्रेस की मांग, राज्य से गायब लड़कियों की खोज के लिए बनाएं एसआईटी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

बिहार के पटना के रेड लाइट इलाके से छत्तीसगढ़ की 41 नाबालिक लड़कियों को बरामद किया जाना राज्य की भाजपा सरकार के माथे पर काला धब्बा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, एक तरफ सरकार महिला दिवस की शुभकामना का विज्ञापन छपाती है, इसी दिन यह खबर सामने आती है कि छत्तीसगढ़ की लड़कियां पटना के रेड लाइट इलाके में बरामद हुई हैं। भाजपा सरकार हमारी बच्चियों को सुरक्षित नहीं रख पा रही है। कांग्रेस ने मांग की है कि प्रदेश से गायब हुई लड़कियों की पत्तासाजी के लिए तत्काल एसआईटी का गठन कर युद्ध स्तर पर कार्रवाई शुरू की जाय। उन्होंने कहा, राज्य में जब से भाजपा की सरकार बनी है, महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। महिलाओं के प्रति अपराधों में बढ़ोतरी हो गयी है। छत्तीसगढ़ का दूरस्थ इलाका जशपुर बस्तर मानव तस्करी का केंद्र बन गया है। जशपुर, पत्थलगांव जैसे इलाकों से महिलाओं को नौकरी के नाम पर लालच दे कर प्लेसमेंट एजेंसिया दिल्ली मुंबई में बंधक बना कर अमानवीय व्यवहार करती हैं। अनेकों सामाजिक संगठनों ने सरकार का कई बार ध्यान आकृष्ट कराया था। राज्य में काम करने वाली प्लेसमेंट एजेंसियो की कार्यप्रणाली की भी जांच होनी चाहिए, उनसे पूरा ब्योरा मांगा जाय।

खतरे में महिलाओं की सुरक्षा

उन्होंने कहा, राज्य में जब-जब भाजपा की सरकार बनती है, महिलाओं की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती हैं। रमन राज के दौरान सितम्बर 2013 में यूएनओडीसी की रिपोर्ट आई कि छत्तीसगढ़ मानव तस्करी का केंद्र बन चुका था। दिल्ली मुंबई जैसे महानगरों में रेड लाइट इलाकों में पाई जाने वाली अधिकतर लड़कियां छत्तीसगढ़ के क्षेत्रों से लाई गई थीं। महिलाओं और बालिकाओं की तस्करी के आंकड़ों के मामले में छत्तीसगढ़ देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com